राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.vishalindia.in

विशाल इंडिया

सच्चाई की राह पर!

गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

वर्ष : 14
अंक : 291
पृष्ठ : 08
गौतमबुद्धनगर
रविवार 14 सितंबर 2025
मूल्य :2 /-
RNI No .UPHIN/2014/55236

मुख्य अपडेट

पेज 3 राष्ट्रीय लोक अदालत का दीप प्रज्वलित कर विधिवत रूप से

पेज 4 नवजात शव कुत्ते द्वारा उठाए जाने का मामला

पेज 6 अब तुर्की के फुटबॉल लब से खेलेंगे मैनचेस्टर यूनाइटेड के आंद्रे

संक्षिप्त खबरें

जयपुर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर यात्री से दो करोड़ का सोना बरामद

जयपुर। जयपुर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सऊदी अरब से आए एक यात्री के अंडर गारमेंट से दो करोड़ 18 लाख कीमत का एक किलो 949 ग्राम सोना बरामद किया गया है। यात्री ने सोने का पेस्ट बनाकर आतंरिक वस्त्रों में छिपा रखा था। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआइ) से मिली जानकारी के अनुसार सऊदी अरब से आए यात्री को शुक्रवार देर रात खुफिया जांच के दौरान पकड़ा गया है। यात्री का नाम और अन्य जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है। यात्री सऊदी अरब के जेद्दा से सोना तस्करी करके लाया था।

एक करोड़ की इनामी माओवादियों की मास्टरमाइंड सुजाता का आत्मसमर्पण

जगदलपुर। एक करोड़ की इनामी शीर्ष महिला माओवादी कल्पना उर्फ सुजाता ने हथियार डाल दिए हैं। 62 वर्षीय सुजाता का आत्मसमर्पण माओवादी हिंसक संगठन की रीढ़ पर बड़ा प्रहार है। वह दिवंगत शीर्ष माओवादी किशनजी की पत्नी और बसव राजू के बाद महासचिव बनने की दौड़ में सबसे आगे खड़े भूपति की भाभी है। हैदराबाद में तेलंगाना पुलिस महानिदेशक की मौजूदगी में शनिवार को मुख्यधारा में लौटी सुजाता को वहां की सरकार ने 25 लाख रुपये की इनामी राशि और पुनर्वास नीति के तहत सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई हैं।

छत्तीसगढ़ में सड़क के लिए पेड़ काटने पर 36 आदिवासियों को जेल

महासमुंद। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में सड़क बनाने के लिए पेड़ काटने पर 36 आदिवासियों को जेल भेज दिया गया है। बलौदाबाजार जिले के वन ग्राम छतालडबरा में लगभग 100 परिवार रहते हैं, जिनमें अधिकांश आदिवासी हैं।

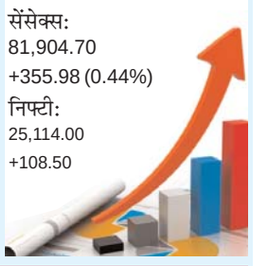

ये लोग महासमुंद जिले के अमलोर-सिरपुर मार्ग पर आने-जाने के लिए वन विकास निगम द्वारा बनाए गए वन मार्ग का उपयोग करते हैं। रास्ते में पेड़-झाड़ होने के कारण वन्य जीव छिपे रहते हैं, जो अचानक राहगीरों पर हमला कर देते हैं। इसे देखते हुए ग्रामीण वर्षों से सड़क निर्माण की मांग कर रहे हैं।

इस पर निगम ने सड़क निर्माण के लिए एक करोड़ रुपये का अनुमानित बजट बनाकर शासन को भेजा था, लेकिन स्वीकृति अब तक नहीं मिली।

इस बीच वन्य जीवों के हमलों से भयभीत ग्रामीणों ने सड़क बनाने के लिए झाड़ आदि सहित मिश्रित प्रजाति के 89 और सागौन के तीन वृक्ष बिना अनुमति काट दिए।

भारत-पाक मैच देखने दुबई नहीं जाएंगे बीसीसीआई के ज्यादातर अफसर

पहलगाम में मारे गए शुभम की पत्नी बोलीं- बॉयकाट करें; केजरीवाल की धमकी- मैच ना दिखाएं

नई दिल्ली। एशिया कप में रविवार को दुबई में भारत का मुकाबला पाकिस्तान से होगा। पहलगाम हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद ये पहला मौका है, जब दोनों देशों की टीमें आमने-सामने होंगी।

बीसीसीआराई टूर्नामेंट का ऑफिशियल होस्ट है, लेकिन बोर्ड के ज्यादातर अधिकारी मैच देखने नहीं जाएंगे। हालांकि बोर्ड के कार्यकारी अध्यक्ष राजीव शुक्ला जा सकते हैं, क्योंकि वे एशियन क्रिकेट काउंसिल के मेंबर भी हैं।

इधर पहलगाम हमले में मारे गए कानपुर के शुभम द्विवेदी की पत्नी ऐशन्या ने मैच का बायकॉट करने की अपील की है। उन्होंने कहा- मेरी आंखों के सामने पति को गोली मारी गई। 26 लोग मारे गए। ऑपरेशन सिंदूर में कई जवानों की जान गई। इसके बावजूद मैच कराया जा रहा है।

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल ने क्लब, पब और रेस्टोरेंट्स को मैच न दिखाने की चेतावनी दी है। शिवसेना यूबीटी के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा है कि जब खून और पानी साथ नहीं बह

सकते तो मैच क्यों हो रहा है।

शिवसेना बीटी के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा, भारतीय सैनिक सीमा पर अपनी जान कुर्बान कर रहे हैं, जबकि पाकिस्तान आतंकवाद को बढ़ावा देता है, ऐसे में क्रिकेट मैच खेलना देशभक्ति का मजाक है। मोदी सरकार ने देशभक्ति को व्यापार बना दिया है।

केजरीवाल ने कहा- यह देश के साथ धोखा

आप ने भी दिल्ली में भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि क्लब, पब और रेस्टोरेंट्स मैच ना दिखाएं। अगर ऐसा हुआ तो हम प्रदर्शन करेंगे। यह देश के साथ धोखा है। सौरभ भारद्वाज ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में पाकिस्तानी क्रिकेटरों द्वारा शेयर की गई एक सोशल मीडिया पोस्ट का जिक्र किया। इस पोस्ट में पाकिस्तान आर्मी चीफ असीम मुनीर को एक महिला के बालों की मांग में सिंदूर भरते हुए दिखाया गया था, जो भारतीय तिरंगे में रंगी हुई थी।

हिमाचल के बिलासपुर में बादल फटा, मंडी में लैंडस्लाइड

10 गाड़ियां मलबे में दबीं, सड़क बही; 15 सितंबर से मानसून की वापसी संभव

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर के नम्होल में शुक्रवार देर रात बादल फटा। इससे 10 से ज्यादा गाड़ियां मलबे में दब गईं। सड़कें भी बह गईं, कई घरों को भी नुकसान पहुंचा।

वहीं, मंडी जिले के धर्मपुरमें सपड़ी रोह गांव में शनिवार सुबह 4 बजे लैंडस्लाइड हुई। कई घर मलबे से घिर गए हैं। 8 घर खाली कराए गए हैं।

राज्य में बारिश-बाढ़ से मरने वालों का आंकड़ा 386 पहुंच गय है। राज्य में इस सीजन में सामान्य से 43 प्रतिशत ज्यादा बारिश हो चुकी है। एक जून से 12 सितंबर के बीच 678.4 मीमी बारिश होती है, इस बार 967.2 मीमी बारिश हो चुकी है।

यूपी के उन्नाव में गंगा का जलस्तर खतरे के निशान से 23 सेमी ऊपर है। यहां 80 गांव बाढ़ की चपेट में हैं। 100 से ज्यादा परिवार बेघर हैं। फर्रुखाबाद में गंगा के किनारों का कटान तेज हो गया है। ग्रामीण अपने मकानों को खुद तोड़ रहे हैं। ईंट-सरिया निकालकर साथ ले जा रहे हैं।

देश में अब तक 835.2 मीमी बारिश, सामान्य से 7 प्रतिशत ज्यादा

देश में अब तक 836.2 मीमी बारिश हो चुकी है, जबकि सामान्य बारिश 778.6 मीमी मानी जाती है। यानी इस बार 7 प्रतिशत ज्यादा बारिश हुई है। उत्तर-पश्चिम भारत में 720.4 मीमी बारिश हुई, जो सामान्य से 34 प्रतिशत ज्यादा है। एक स्टडी के मुताबिक पिछले 50 साल में मानसून पीरियड हर दशक में करीब 1.6 दिन लंब हुआ है। यानी वापसी हर दशक में थोड़ी-थोड़ी देर से हो रही है।

मौसम विभाग के मुताबिक इस साल दक्षिण-पश्चिम मानसून की वापसी 15 सितंबर के आसपास पश्चिमी राजस्थान से शुरू हो सकती है।

आमतौर पर मानसून 17 सितंबर के आसपास उत्तर-पश्चिम भारत से लौटना शुरू करता है और 15 अक्टूबर तक पूरी तरह लौट जाता है।

इस साल मानसून ने 24 मई को केरल में दस्तक दी थी, जो 2009 के बाद सबसे जल्दी 8 दिन पहले थी। इसके बाद यह पूरे देश में 9 दिन पहले यानी 29 जून तक फैल गया, अमूमन यह 8 जुलाई तक पूरे देश को कवर करता है।

हैदराबाद में बिजनेसमैन की सरेआम हत्या

हैदराबाद। तेलंगाना के हैदराबाद में मौलाली स्थित एचबी कॉलोनी में शुक्रवार को एक 45 साल के रियल एस्टेट बिजनेसमैन की सरेआम चाकू मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान एचबी कॉलोनी निवासी श्रीकांत रेड्डी के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि श्रीकांत की हत्या का आरोप उसके पूर्व स्टाफ धनराज और उसके साथी पर है। श्रीकांत ने धनराज को नौकरी से निकाल दिया था। इसके बावजूद धनराज बार-बार नौकरी पर वापस रखने की जिद कर रहा था। घटना वाले दिन भी दोनों की इसी को लेकर बहस हुई थी। हैदराबाद में इस तरह की हत्या का यह दूसरा मामला है। 10 सितंबर को शहर के एक अपार्टमेंट में दो नौकरों ने एक 50 साल की महिला की उसकी फ्लैट में हत्या कर दी थी। आरोपियों ने महिला को प्रेशर कुकर से मारा और चाकू घोंपकर हत्या कर दी थी। इसके बाद घर में रखा सोना और कैश लेकर भाग गए थे। पुलिस ने श्रीकांत की हत्या को लेकर बताया कि धनराज कुछ दिनों पहले तक श्रीकांत के लिए काम करता था। हालांकि, वह नशे की हालत में काम पर आता था, जिसके कारण श्रीकांत रेड्डी उससे परेशान रहता था। श्रीकांत ने लगभग 20 दिन पहले धनराज को नौकरी से निकाल दिया।

सफाई अभियान

मुंबई के दादर बीच पर सफाई अभियान में भाग लेते युवा।

लुधियाना के पूर्व एमएलए सिमरजीत बैंस पर फायरिंग

लुधियाना। पंजाब के लुधियाना में बीती रात कांग्रेस के सीनियर नेता और आत्म नगर सीट से पूर्व विधायक सिमरजीत सिंह बैंस की कार पर फायरिंग की गई। यह घटना थाना डेहलों के इलाके में उस समय हुई, जब बैंस अपने फार्महाउस से गाड़ी लेकर बाहर निकल रहे थे। सूत्रों के मुताबिक, बैंस का अपने बड़े भाई परमजीत सिंह बैंस के साथ विवाद चल रहा था। इसी विवाद के चलते परमजीत के बेटे जगजोत ने उन पर गोलियां चलाईं। घटना में तीन राउंड फायरिंग हुई।

जनगणना की मॉकड्रिल अक्टूबर से शुरू होगी

60 दिन चलेगी; पूरे देश का स्मार्ट मैप बनेगा

एजेंसी

नई दिल्ली। दुनिया की सबसे बड़ी प्रशासनिक कवायद जनगणना-2027 की शुरुआत से पहले पूरे तंत्र की जांच-परख के लिए 1 अक्टूबर से मॉकड्रिल शुरू होगी। सूत्रों ने बताया कि मॉक ड्रिल 60 दिन चलेगी। इस दौरान, जनगणना की तमाम गतिविधियां जांची जाएंगी।

अनुभवों के आधार पर 6 महीने में खामियां दूर कर 1 अप्रैल 2026 से वास्तविक जनगणना शुरू की जाएगी। मॉकड्रिल में जनगणना कर्मी पूरी मशीनरी की टेस्टिंग और उस पर काम का अभ्यास करेंगे।

स्मार्ट मैप, हाउस लिस्टिंग के तरीके, डेटा कलेक्शन, रियल टाइम डेटा ट्रांसफर, घर-घर जाकर लोकेशन ट्रैकिंग, एप में हर घर की जियो पिन बनाना और उसके अक्षांश एवं देशांतर के जीपीएस बनाने की पड़ताल होगी।

हाउस लिस्टिंग में सबसे बड़ी जांच डिजिटल लेआउट मैपिंग की होगी। इसके तहत, मकानों और सभी प्रतिष्ठानों की जियो टैगिंग होगी। गणनाकर्मी घर पहुंचकर एप में लोकेशन ऑन करेंगे। उसे मैप पर पिन करेंगे। इस तरह मकान या प्रतिष्ठान की जियो टैगिंग हो जाएगी। हर गांव, कस्बे व शहर के हर मकान, दुकान, धर्मस्थल, होटल और अन्य इमारतें डॉट बनकर जीपीएस मानचित्र बन जाएंगी।

मैप पर हर घर 'डिजि डॉट' बनेगा, इसके 5 फायदे होंगे

1. आपदा में सटीक राहत

जियो टैगिंग से बना डिजिटल लेआउट मैप बादल फटने, बाढ़ आने या भूकंप जैसी अनहोनी के समय उपयोगी साबित होगा।

सुदूर हिमालयी क्षेत्र में बसे किसी गांव में बादल फटने जैसी घटना के समय इस मैप से तुरंत पता चल जाएगा कि किस घर में कितने लोग रहते हैं।

2. परिसीमन में मदद मिलेगी

राजनीतिक सीमाएं जैसे संसदीय या विधानसभा क्षेत्रों का युक्तिसंगत तरीके से निर्धारण करने में भी इससे मदद मिलेगी। जियो टैगिंग से तैयार मैप से यह तस्वीर साफ हो जाएगी कि क्षेत्र में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र का संतुलित बंटवारा कैसे हो। समुदायों को ऐसे न बांट दिया जाए कि एक मोहल्ला एक क्षेत्र में और दूसरा मोहल्ला किसी अन्य क्षेत्र में शामिल हो जए।

3. शहरी प्लानिंग में आसानी

शहरों में सड़कों, स्कूलों, अस्पतालों या पार्कों की प्लानिंग करने में भी यह मैप उपयोगी साबित होगा। अगर किसी जगह के घरों के डिजिटल लेआउट में बच्चों की अधिकता होगी तो पार्क और स्कूल प्राथमिकता से बनाने की योजना तैयार की जा सकेंगी।

4. शहरीकरण और पलायन दर का डेटा मिलेगा

इस जनगणना के दस साल बाद होनी वाली जनगणना में डिजिटल मैप के परिवर्तन आसानी से दर्ज किए जा सकेंगे।

देश के विभिन्न हिस्सों में शहरीकरण की दर और पलायन के क्षेत्रों की मैपिंग की तुलना सटीक ढंग से की जा सकेगी।

5. मतदाता सूची से डुप्लीकेट नाम हट जाएंगे

आधार की पहचान के साथ जियो टैगिंग मतदाता सूची को सटीक और मजबूत बनाने में सहायक होगी। जब वोटर किसी भौगोलिक स्थान से डिजिटली जुड़ा होगा तो दोहरे पंजीकरण के समय उसके मूल निवास का पता भी सामने आएगा।

हैप्पी मॉर्निंग

पति-पत्नी में झगड़ा हो रहा था
पत्नी- मैं पूरा घर संभालती हूं,
किचन संभालती हूं, बच्चों को
संभालती हूं, तुम क्या करते हो?
पति- मैं खुद को संभालता हूं,
तुम्हारी नशीली आंखें
देखकर पत्नी- आप भी न,
चलो बताओ आज
क्या बनाऊ

शायरी

पाक की काली करतूतों को खून
से सींच रहा हूँ मैं।
भारत पाक के युद्धों को नक्शे
पर खींच रहा हूँ मै।।

चुनाव आयोग बोला- वोटर लिस्ट बनाना, बदलना सिर्फ हमारा काम

एसआईआर कराना विशेष अधिकार, सुप्रीम कोर्ट का निर्देश देना हमारे काम में दखल

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा देकर कहा- पूरे देश में समय-समय पर स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन कराना उसका विशेषाधिकार है। कोर्ट इसका निर्देश देगी तो ये अधिकार में दखल होगा।

आयोग ने कोर्ट में दाखिल अपने हलफनामे में कहा कि संविधान के अनुच्छेद 324 के अनुसार वोटर लिस्ट बनाना और उसमें समय-समय पर बदलाव करना सिर्फ चुनाव आयोग का अधिकार है। यह काम न किसी और संस्था और न ही अदालत को दिया जा सकता।

चुनाव आयोग ने कहा कि हम अपनी जिम्मेदारी समझते हैं और वोटर लिस्ट को पारदर्शी रखने के लिए लगातार काम करते हैं।

यह हलफनामा एडवोकेट अश्विनी कुमार उपाध्याय की याचिका पर दायर किया गया था।

याचिका में मांग की गई थी कि चुनाव आयोग को भारत में विशेष रूप से चुनावों से पहले एसआईआर कराने का निर्देश दिया जाए, ताकि देश की राजनीति और नीति केवल भारतीय नागरिक ही तय करें। ईसी ने 5 जुलाई 2025 को बिहार को छोड़कर सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्य चुनाव अधिकारियों को पत्र भेजकर 1 जनवरी 2026 की पात्रता तिथि के आधार पर एसआईआर की तैयारियां शुरू करने का निर्देश दिया था।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा था- आधार को पहचान का प्रमाण मानें

8 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि बिहार में जारी एसआईआर प्रक्रिया में आधार कार्ड को पहचान प्रमाण के तौर पर अनिवार्य रूप से शामिल किया जाए। चुनाव आयोग को 9 सितंबर तक इस निर्देश को लागू करने का निर्देश दिया था। हालांकि अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि आधार कार्ड नागरिकता का प्रमाण नहीं है। कोर्ट ने ईसी को निर्देश दिया कि वह वोटर सूची में नाम जुड़वाते समय दिए गए आधार नंबर की प्रामाणिकता की जांच कर सकता है।

अर्थसार

सेंसेक्स:
81,904.70
+355.98 (0.44%)
निफ्टी:
25,114.00
+108.50

मौसम

अधिकतम : 35 डिग्री से0
न्यूनतम : 27 डिग्री से0
सूर्योदय सोमवार : 6 : 10
सूर्यास्त रविवार : 6 : 33

मनी लॉन्ड्रिंग

ठोस कानून क्यों नहीं; चुनाव आयोग और केंद्र से 3 नवंबर तक जवाब मांगा

राजनीतिक दलों के जरिये मनी लॉन्ड्रिंग गंभीर मामला : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, ऐसे राजनीतिक दल जो इनएक्टिव हैं उनके जरिए टैक्स चोरी और मनी लॉन्ड्रिंग गंभीर मुद्दा है। कोर्ट ने कहा कि यह सीधे लोकतंत्र और चुनाव प्रक्रिया की पवित्रता जुड़ा है।

कोर्ट ने चुनाव आयोग, विधि आयोग और केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर 3 नवंबर तक जवाब मांगा है।

कोर्ट ने पूछा कि दलों के पंजीकरण और नियमन के लिए अब तक ठोस कानून क्यों नहीं बनाया गया।

एडवोकेट अश्विनी उपाध्याय ने जनहित याचिका दाखिल की है। याचिका में कहा गया है कि आयकर विभाग की छापामारी में दो दलों इंडियन सोशल पार्टी और युवा भारत आत्म निर्भर दल के जरिए 500 करोड़ के फर्जी चंदे का मामला सामने आया था।

नेशनल सर्व समाज पार्टी के जरिए 271 करोड़ का लेन-देन पकड़ा गया था। आरोप है कि हवाला और कमीशनखोरी के जरिए मनी लॉन्ड्रिंग के लिए ही ये दल बनाए गए थे। इनका चुनाव से कोई लेना-देना नहीं।

याचिकाकर्ता की दलील- 90 प्रतिशत दल कभी चुनाव नहीं लड़ते याचिका के अनुसार करीब 90 प्रतिशत दल कभी चुनाव नहीं लड़ते। 20 प्रतिशत तक कमीशन वसूलकर टैक्स चोरी और मनी लॉन्ड्रिंग करते हैं। याचिका में मांग की गई है कि कोर्ट चुनाव आयोग को राजनीतिक दलों के पंजीकरण और कामकाज को लेकर स्पष्ट नियम बनाने के निर्देश दे। आंतरिक लोकतंत्र, फंडिंग की पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए।

2024 में देश में 2,800 से ज्यादा दल थे, चुनाव सिर्फ 690 ने ही लड़ा देश में 6 राष्ट्रीय व 67 क्षेत्रीय दल हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव के समय 2,800 से ज्यादा रजिस्टर्ड गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल थे। एडीआर के मुताबिक इनमें से सिर्फ 690 ने ही चुनाव लड़ा। यानी अधिकांश चुनावी राजनीति में सक्रिय नहीं हैं।

इस साल अगस्त तक चुनाव आयोग 334 ऐसे दल डीलिस्ट कर चुका है। अब भी 2,520 रजिस्टर्ड गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल बचे हुए हैं। 2011 में पूर्व मुख्य न्यायाधीश एमएन वेंकटचलैया की अध्यक्षता में एक समिति ने पॉलिटिकल पार्टीज (रेगुलेशन ऑफ अफेयर्स) बिल का ड्राफ्ट तैयार किया था। लेकिन यह आगे नहीं बढ़ पाया।

पीएम के दौरे से ठीक पहले पीएफआई बिहार चीफ गिरफ्तार

एनआईए ने महबूब आलम नदवी को किशनगंज से पकड़ा

पटना। पीएम मोदी 15 सितंबर को पूर्णिया आ रहे हैं। उनके दौरे से एक दिन पहले राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने बिहार के पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया के चीफ को गिरफ्तार किया है।

कटिहार जिले के हसनगंज इलाके के रहने वाले महबूब आलम उर्फ महबूब आलम नदवी (39) को किशनगंज के हलीम चौके के पास से पकड़ा गया है। 2022 फुलवारी शरीफ आपराधिक साजिश मामले को लेकर दायर चार्जशीट में महबूब आलम को 19वां आरोपी बताया गया है।

इस मामले में स्थानीय पुलिस ने प्रतिबंधित पीएफआई के 26 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। महबूब आलम पर गैरकानूनी और राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप है। महबूब कटिहार जिले के बंशीबाड़ी रामपुर हसनगंज का रहने वाला है। वह पिछले तीन सालों से फरार चल रहा था। राष्ट्रीय जांच एजेंसी और अन्य सुरक्षा एजेंसियां पिछले लगातार पूछताछ कर रही है।

महबूब अप्रैल 2025 से किशनगंज के मोहिद्दीनपुर में रह रहा था। गिरफ्तारी के बाद एनआईए और एंटी-टेररिस्ट स्क्वॉड की टीम किशनगंज पहुंची है।

वह हलीम चौक स्थित फातिमा गर्ल्स स्कूल में शिक्षक था। स्कूल में वह छात्राओं को इस्लामिक शिक्षा के साथ हिजाब पहनने का दबाव बनाता था।

संपादकीय

विश्व की सबसे समृद्ध भाषा है हिन्दी

जितेन्द्र चौधरी, प्रधान संपादक, विशाल इंडिया हिंदी दैनिक

हिन्दी विश्व की सबसे समृद्ध भाषाओं में से एक है, जो अपनी साहित्यिक गहराई, सांस्कृतिक समृद्धि और व्यापक प्रसार के लिए जानी जाती है। यह केवल एक भाषा नहीं, बल्कि भारत की आत्मा और पहचान का प्रतीक है। हिन्दी की समृद्धि इसके विशाल शब्द भंडार, विविध साहित्यिक परंपराओं, और लाखों लोगों के दैनिक जीवन में इसके उपयोग में निहित है। यह भाषा न केवल भारत में, बल्कि विश्व के कई हिस्सों में बोली और समझी जाती है, जिससे यह वैश्विक स्तर पर एक महत्वपूर्ण स्थान रखती है।

हिन्दी की समृद्धि का पहला आधार इसका विशाल शब्दकोश है। संस्कृत, प्राकृत, और अपभ्रंश से उत्पन्न हिन्दी ने न केवल इन भाषाओं के शब्दों को आत्मसात किया, बल्कि अरबी, फारसी, तुर्की, अंग्रेजी, और पुर्तगाली जैसी भाषाओं से भी शब्द ग्रहण किए। इससे हिन्दी का शब्द भंडार इतना समृद्ध हुआ कि यह हर भाव, विचार और अनुभव को व्यक्त करने में सक्षम है। उदाहरण के लिए, हिन्दी में प्रेम, स्नेह, और प्यार जैसे शब्द एक ही भाव को अलग-अलग गहराई के साथ व्यक्त करते हैं। यह लचीलापन हिन्दी को अद्वितीय बनाता है।

हिन्दी साहित्य की गौरवशाली परंपरा भी इसकी समृद्धि का एक प्रमुख कारण है। प्राचीन काल में भक्तिकाल और रीतिकाल के कवियों जैसे कबीर, सूरदास, तुलसीदास और मलिक मुहम्मद जायसी ने हिन्दी को भक्ति और प्रेम के रंगों से सजाया। तुलसीदास की रामचरितमानस न केवल एक धार्मिक ग्रंथ है, बल्कि हिन्दी साहित्य का एक अनमोल रत्न भी है। आधुनिक काल में प्रेमचंद, जयशंकर प्रसाद, सूर्यकांत त्रिपाठी %निराला%, और महादेवी वर्मा जैसे साहित्यकारों ने हिन्दी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। प्रेमचंद की कहानियाँ और उपन्यास सामाजिक यथार्थ को उजागर करते हैं, जबकि निराला की कविताएँ नवीनता और प्रयोगधर्मिता का प्रतीक हैं।

हिन्दी की समृद्धि का एक और आयाम इसकी बोलियों की विविधता है। अवधी, भोजपुरी, ब्रज, मैथिली, और राजस्थानी जैसी बोलियाँ हिन्दी की शाखाएँ हैं, जो इसे और भी रंगीन बनाती हैं। प्रत्येक बोली अपनी अनूठी शैली, मुहावरों और साहित्य के साथ हिन्दी को समृद्ध करती है। उदाहरण के लिए, अवधी में लिखी गई रामचरितमानस और भोजपुरी के लोकगीत हिन्दी की सांस्कृतिक गहराई को दर्शाते हैं। ये बोलियाँ हिन्दी को एक ऐसी छतरी बनाती हैं, जो भारत की विविधता को एक सूत्र में पिरोती है।

हिन्दी का वैश्विक प्रसार भी इसकी समृद्धि का प्रमाण है। भारत के बाहर, मॉरीशस, फिजी, सूरीनाम, और दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों में हिन्दी बोलने वाली आबादी मौजूद है। इसके अलावा, हिन्दी सिनेमा (बॉलीवुड) ने इस भाषा को विश्व स्तर पर लोकप्रिय बनाया है। फिल्मों के गीत, संवाद और कहानियाँ हिन्दी की अभिव्यक्ति की शक्ति को प्रदर्शित करती हैं। साथ ही, संयुक्त राष्ट्र जैसे मंचों पर हिन्दी को आधिकारिक भाषा बनाने की मांग इसकी वैश्विक स्वीकार्यता को दर्शाती है।

हिन्दी की समृद्धि का एक और महत्वपूर्ण पहलू इसकी सरलता और लचीलापन है। यह भाषा जटिल दार्शनिक विचारों से लेकर रोजमर्रा की बातचीत तक को समेट सकती है। हिन्दी में वैज्ञानिक, तकनीकी, और आधुनिक विषयों को व्यक्त करने की भी क्षमता है, जिसके कारण यह शिक्षा और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भी प्रासंगिक बनी हुई है।

अंत में, हिन्दी की समृद्धि केवल इसकी भाषाई विशेषताओं तक सीमित नहीं है; यह भारत की सांस्कृतिक, सामाजिक और ऐतिहासिक विरासत का प्रतिबिंब है। यह भाषा लोगों को जोड़ती है, उनकी भावनाओं को व्यक्त करती है और एक समृद्ध साहित्यिक और सांस्कृतिक परंपरा को आगे बढ़ाती है। हिन्दी विश्व की सबसे समृद्ध भाषा है, क्योंकि यह केवल शब्दों का समूह नहीं, बल्कि एक जीवंत संस्कृति और सभ्यता का प्रतीक है।

एंटीबायोटिक दुरुपयोग

यह सर्वविदित है कि भारत में डॉक्टरी सलाह तथा बिना परामर्श के एंटीबायोटिक दवाएं लेना आम बात है। यह जानते हुए भी कि लगातार इन दवाओं के सेवन से उनकी रोगप्रतिरोधक क्षमता गहरे तक प्रभावित होती है। एक समय ऐसा आ जाता है कि रोगों पर ये एंटीबायोटिक दवाएं काम करना बंद कर देती हैं। इस चिंता को हाल में हुए एक अध्ययन ने बढ़ाया है। नये अध्ययन ने एक परेशान करने वाली सच्चाई को उजागर किया है, जो बताता है कि भारत में एंटीबायोटिक दवाओं के दुरुपयोग के पीछे मरीजों की सोच एक प्रमुख कारक है। अधिकांश लोगों की धारणा है कि इन दवाओं के सेवन से वे स्वत: ही ठीक हो जाएंगे। उन्हें डॉक्टर के पास जाने की जरूरत नहीं होगी। वहीं दूसरी ओर निजी क्षेत्र के कुछ डॉक्टर भी अक्सर अपने मरीजों को बनाए रखने के लिये ऐसा करते हैं। वास्तव में इस प्रवृत्ति के परिणाम खासे चौंकाने वाले हैं। अध्ययन के मुताबिक भारत में अकेले निजी क्षेत्र में ही सालाना आधे अरब से ज्यादा एंटीबायोटिक दवाएं लिखी जाती हैं। जिनमें बड़ी संख्या में ऐसी दवाइयां होती हैं, जिनकी वास्तव में जरूरत ही नहीं होती। आमतौर पर बच्चों में होने वाले दस्त के मामले में यह दुरुपयोग सबसे ज्यादा है। हालांकि, ज्यादातर मामले वायरल का प्रभाव होते हैं। ऐसी स्थिति में ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्ट और जिंक सकारात्मक परिणाम देते हैं। अध्ययन से पता चला है कि इसके बावजूद 70 फीसदी मामलों में अभी भी एंटीबायोटिक दवाओं से इलाज किया जाता है। लेकिन हकीकत यह है कि अतार्किक मांग, कड़े कानूनों का अभाव और डॉक्टरों द्वारा जरूरत से ज्यादा दवाइयां लिखने के कारण एंटीबायोटिक दवाइयों पर मरीजों की निर्भरता बढ़ती चली गई है। कालांतर एंटीबायोटिक दवाइयों पर लगातार बढ़ती निर्भरता के चलते एक घातक चक्र का निर्माण होता है। जो मरीज के शरीर में तमाम तरह के साइड इफेक्ट भी पैदा करता है।

वास्तव में इससे बड़ा संकट यह है कि एक समय के बाद ये दवाइयां रोग के खिलाफ काम करना बंद कर देती हैं। कई तरह के रोग बढ़ाने वाले रोगाणु इनके खिलाफ प्रतिरोधक क्षमता विकसित कर लेते हैं। बहुत संभव है कि किसी महामारी के वक्त व्यक्ति का शरीर एंटीबायोटिक के इस्तेमाल के बावजूद सुरक्षा कवच न दे। निश्चित रूप से इस संकट से बचने का सरल उपचार यही है कि इसका उपयोग कम से कम किया जाए। सरकारों को भी कानून के जरिये इसका नियमन करना चाहिए। हमें इससे जुड़े आसन्न संकट को महसूस करना चाहिए। यह खतरा मरीज की व्यक्तिगत सुरक्षा से कहीं आगे तक विस्तारित है। गंभीर चिंता का विषय यह है कि रोगाणुरोधी प्रतिरोध यानी एएमआर दुनिया में सबसे घातक संकटों में से एक के रूप में उभर रहा है। डराने वाला आंकड़ा यह है कि वैश्विक स्तर पर, यह पहले से ही हर साल लगभग 50 लाख मौतों का कारण बनता है। अकेले भारत में, वर्ष 2021 में 2.5 लाख से ज्यादा मौतें सीधे तौर पर एएमआर से जुड़ी थीं और लगभग 10 लाख से ज्यादा मौतें दवा-प्रतिरोधी संक्रमणों से जुड़ी थी। खासतौर पर चिंताजनक तथ्य यह है कि वर्ष 2019 में, गंभीर दवा-प्रतिरोधी जीवाणु संक्रमण वाले केवल 7.8 भारतीयों को ही प्रभावी एंटीबायोटिक्स मिले।

जो इस उपचार की एक बड़ी कमी को उजागर करता है। जिसके चलते प्रतिरोधी रोगाणु आसानी से फैलते हैं और एक बार ठीक हो सकने वाले संक्रमणों को घातक बना देते हैं। जिसके चलते सर्जरी, कैंसर के इलाज और नियमित देखभाल को कहीं ज्यादा जोखिमभरा बना देते हैं। निश्चित रूप से इस दिशा में जनजागरण अभियान की जरूरत है कि हर छोटे-मोटे रोग के लिये एंटीबायोटिक दवाइयां लेने की जरूरत नहीं है।

हिंदी दिवस- 14 सितम्बर, 2025

हिंदी की वैश्विक स्वीकार्यता के बावजूद देश में उपेक्षा क्यों?

- ललित गर्ग -

हिंदी दिवस केवल एक औपचारिक आयोजनात्मक अवसर नहीं, बल्कि हमारी भाषाई अस्मिता राष्ट्रीयता और सांस्कृतिक आत्मगौरव का प्रयोजनात्मक प्रतीक है। विश्व की सर्वाधिक बोली जाने वाली तीसरी भाषा के रूप में हिंदी विश्व की उन चुनिंदा भाषाओं में से एक है जिसे करोड़ों लोग अपनी मातृभाषा, संपर्क भाषा और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति का माध्यम मानते हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ सहित अनेक वैश्विक मंचों पर हिंदी अपनी उपस्थिति दर्ज करा चुकी है। दुनिया के लगभग 180 देशों में हिंदी बोलने वाले हैं और अंग्रेज़ी, मंदारिन, स्पेनिश, अरबी जैसी भाषाओं की सूची में हिंदी भी अब शीर्ष स्थानों पर दर्ज है। फिर भी विडंबना यह है कि अपने ही देश में हिंदी को कई बार विरोध का सामना करना पड़ता है। दक्षिण भारत और पूर्वोत्तर के कुछ हिस्सों में क्षेत्रीय अस्मिता और भाषाई विविधता के नाम पर हिंदी के प्रति असहजता दिखाई जाती है। जबकि वस्तुत: हिंदी किसी भी क्षेत्रीय भाषा की प्रतिद्वंद्वी नहीं, बल्कि उन्हें जोड़ने वाली संपर्क-भाषा है। भारत की भाषाई संरचना में हिंदी एक केंद्रीय सूत्र की तरह है। यदि अंग्रेज़ी को शिक्षा, प्रशासन और तकनीकी का आधार बनाया जा सकता है, तो हिंदी का विरोध केवल मानसिक दासता का परिणाम माना जा सकता है।

आज वैश्विक स्तर पर देखा जाए तो जापान ने जापानी, फ्रांस ने फ्रेंच, चीन ने मंदारिन और जर्मनी ने जर्मन को आधुनिक विज्ञान, तकनीक और व्यापार की भाषा बनाया है। ये देश अपनी भाषाओं को वैश्विक बनाते हुए भी अन्य भाषाओं से संवाद स्थापित करते हैं। जबकि भारत में अभी भी अंग्रेज़ी के प्रति अनावश्यक मोह और हिंदी के प्रति हीनभावना देखने को मिलती है। यह स्थिति हिंदी की उपयोगिता और सामर्थ्य के विपरीत है। हिंदी न केवल साहित्य और संस्कृति की भाषा है बल्कि विज्ञान, सूचना प्रौद्योगिकी, मीडिया, सिनेमा और व्यापार में भी अपनी जगह बना रही है। इंटरनेट पर हिंदी का प्रयोग तेजी से बढ़ रहा है। गूगल और माइक्रोसॉफ्ट जैसी अंतरराष्ट्रीय कंपनियों ने हिंदी को अपने प्लेटफॉर्म पर प्राथमिक भाषा का स्थान दिया है। यह हिंदी की बढ़ती वैश्विक स्वीकार्यता का प्रमाण है।

हिंदी की प्रासंगिकता आज के समय में और भी महत्वपूर्ण हो जाती है क्योंकि यह केवल संचार का माध्यम नहीं, बल्कि भारतीयता की पहचान है। राष्ट्रभाषा के रूप में हिंदी की भूमिका भारत को एकजुट करने और विश्व-पटल पर उसकी सांस्कृतिक छवि को मजबूत करने में अनिवार्य है। भाषा केवल बोलचाल का साधन नहीं, बल्कि आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता का भी आधार है। इसलिए हिंदी का विरोध करना अपने ही सांस्कृतिक आधार को कमजोर करना है। विश्व के 180 से अधिक देशों में हिंदी भाषी लोग रहते हैं और अमेरिका, कनाडा, मॉरीशस, सूरीनाम, फिजी, खाड़ी देशों व यूरोप में हिंदी शिक्षण संस्थान स्थापित हैं। इंटरनेट की भाषा के रूप में हिंदी दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी भाषा बन चुकी है। यह वह स्थिति है जिसकी कल्पना दशकों पहले असंभव मानी जाती थी। लेकिन हिंदी की यह ख्याति केवल आज की तकनीकी क्रांति का परिणाम नहीं है, यह हमारी जड़ों में, संस्कारों में एवं राष्ट्रीयता की भावना में समायी हुई है।

स्वतंत्रता आंदोलन में हिंदी ने राष्ट्र को जोड़ने, जन-जन को जागृत करने और अंग्रेजी शासन के विरुद्ध चेतना जगाने का महत्वपूर्ण कार्य किया। महात्मा गांधी ने हिंदी को 卐जनमानस की भाषा卐 और 卐राष्ट्रभाषा卐 कहा। लोकमान्य तिलक, पं. नेहरू, राजेंद्र प्रसाद, विनोबा भावे, सुभाषचंद्र बोस और सरदार पटेल सभी ने हिंदी को राष्ट्रीय एकता का सूत्रधार माना। हिंदी प्रेस ने स्वतंत्रता संग्राम की लौ प्रज्वलित की। 'प्रताप', 'अभ्युदय', 'कर्मवीर', 'सरस्वती' जैसी पत्रिकाओं ने जनजागरण का काम किया। कवियों और लेखकों ने अपनी रचनाओं से जनमानस को ऊर्जा दी- भारतेंदु हरिश्चंद्र से लेकर मैथिलीशरण गुप्त तक, सबने हिंदी को स्वतंत्रता संग्राम का शस्त्र बनाया। स्वतंत्रता के बाद से लेकर आज तक अनेक नेताओं ने हिंदी के उत्थान और प्रतिष्ठा के लिए उल्लेखनीय प्रयास किए हैं। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में हिंदी में भाषण देकर विश्व स्तर पर हिंदी की पहचान को सशक्त किया और यह संदेश दिया कि हिंदी अंतरराष्ट्रीय संवाद की भी भाषा बन सकती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अनेक वैश्विक मंचों- ब्रिक्स सम्मेलन से लेकर संयुक्त राष्ट्र तक, पर हिंदी में अपने वक्तव्य देकर हिंदी को अंतरराष्ट्रीय सम्मान दिलाया है। उनके प्रयासों से संयुक्त राष्ट्र में हिंदी विभाग का विस्तार हुआ और हिंदी समाचार बुलेटिन व डिजिटल प्लेटफॉर्मों पर हिंदी का प्रसार बढ़ा।

आज वैश्विक स्तर पर भी हिंदी की उपस्थिति लगातार मजबूत हो रही है। डिजिटल प्लेटफॉर्मों पर हिंदी सामग्री का उपयोग प्रतिदिन बढ़ रहा है। अमेज़न प्राइम, नेटफ्लिक्स जैसी वैश्विक कंपनियां हिंदी कंटेंट को प्राथमिकता दे रही हैं। यूनेस्को और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में हिंदी का अनुवाद और प्रयोग बढ़ा है। अंग्रेजी के प्रति अंधमोह और हिंदी के प्रति हिचक एवं उपेक्षा एक प्रकार की मानसिक गुलामी का ही प्रतीक है। भारत जैसे बहुभाषी राष्ट्र में हिंदी का महत्व और भी बढ़ जाता है क्योंकि यह एक साझा संवाद का सबसे सशक्त माध्यम है। हिंदी दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि हिंदी केवल भाषा नहीं, बल्कि स्वतंत्रता आंदोलन की आत्मा और आधुनिक भारत की पहचान है।

भारत से ठीक दो वर्ष पहले 17 अगस्त 1945 को इंडोनेशिया डच शासन से मुक्त हुआ और अपनी भाषा 'बहासा इंडोनेशिया' को राष्ट्रभाषा के रूप में लागू कर दिया। कुछ इसी तरह 23 अक्टूबर 1923 को जब आधुनिक तुर्की गणराज्य की स्थापना हुई, तो तत्काल तुर्की भाषा को राजकाज की भाषा के रूप में लागू कर दिया। लेकिन भारत में राजनीति की दूषित एवं संकीर्ण-स्वार्थी सोच का परिणाम है कि हिन्दी को जो सम्मान मिलना चाहिए, वह स्थान एवं सम्मान राष्ट्र में अंग्रेजी को मिल रहा है। भारत सहित दुनिया के अनेक देशों में विश्व हिन्दी दिवस मनाया जाने लगा क्योंकि भारत और अन्य देशों में 120 करोड़ से अधिक लोग हिन्दी बोलते, पढ़ते और लिखते हैं। पाकिस्तान की तो अधिकांश आबादी हिंदी बोलती व समझती है। बांग्लादेश, नेपाल, भूटान, तिब्बत, म्यांमार, अफगानिस्तान में भी लाखों लोग हिंदी बोलते और समझते हैं। फिजी, सुरिनाम, गुयाना, त्रिनिदाद जैसे देश तो हिंदी भाषियों द्वारा ही बसाए गये हैं। हिन्दी का हर दृष्टि से इतना महत्व होते हुए भी भारत में प्रत्येक स्तर पर इसकी इतनी उपेक्षा क्यों?

भारत का परिपक्व लोकतंत्र, प्राचीन सभ्यता, समृद्ध संस्कृति तथा अनूठा संविधान विश्व भर में एक उच्च स्थान रखता है, उसी तरह भारत की गरिमा एवं गौरव की प्रतीक राष्ट्र भाषा हिन्दी को हर कीमत पर विकसित करना हमारी प्राथमिकता होनी ही चाहिए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शासन में हिन्दी को राजभाषा एवं राष्ट्रभाषा के रूप में स्कूलों, कॉलेजों, अदालतों, सरकारी कार्यालयों और सचिवालयों में कामकाज एवं लोकव्यवहार की भाषा के रूप में प्रतिष्ठा मिलनी चाहिए। हिन्दी को सम्मान एवं सुदृढ़ता दिलाने के लिये केन्द्र सरकार के साथ-साथ प्रांतों की सरकारों को संकल्पित होना ही होगा। हाल में महाराष्ट्र, कर्नाटक एवं तमिलनाडू में हिन्दी विरोध की स्थितियां उग्र बनी। हिन्दी का हर दृष्टि से इतना महत्व होते हुए भी इन राज्यों में इसकी इतनी उपेक्षा क्यों? क्षेत्रीय भाषा के नाम पर हिन्दी की अवमानना एवं उपेक्षा के दृश्य उभरते रहे हैं, लेकिन प्रश्न है कि हिन्दी को इन जटिल स्थितियों में कैसे राष्ट्रीय गौरव प्राप्त होगा। दरअसल बाजार और रोजगार की बड़ी संभावनाओं के बीच हिंदी विरोध की राजनीति को अब उतना महत्व नहीं मिलता, क्योंकि लोग हिंदी की ताकत को समझते हैं। पहले की तरह उन्हें हिंदी विरोध के नाम पर बरगलाया नहीं जा सकता।

हिन्दी भाषा का मामला भावुकता का नहीं, ठोस यथार्थ का है, राष्ट्रीयता का है। हिन्दी विश्व की एक प्राचीन, समृद्ध तथा महान भाषा होने के साथ ही हमारी राजभाषा भी है, यह हमारे अस्तित्व एवं अस्मिता की भी प्रतीक है, यह हमारी राष्ट्रीयता एवं संस्कृति की भी प्रतीक है। भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति से आक्सीजन लेने वाले दल एवं नेता भी अंग्रेजी में दहाड़ते देखे गये हैं।

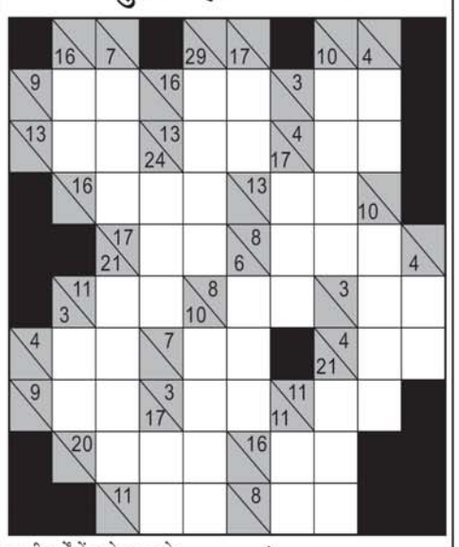

राजनेता बात हिन्दी की करते हैं, पर उनका दिमाग अंग्रेजीपरस्त है, क्या यह अन्तर्विरोध नहीं है? हिन्दी को वोट मांगने और अंग्रेजी को राज करने की भाषा बनाना हमारी राष्ट्रीयता का अपमान नहीं हैं।

टाईम पास

काकुरो पहेली - 3650

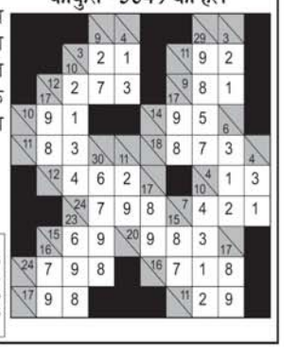

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

1 2 3 4

1 2 3

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 3649 का हल

लॉफिंग ज़ोन

रमन (नरेश से)- तुम्हारी पत्नी रोजाना घर में इतनी? खिटपिट करती रहती है। तुम इतना तनावपूर्ण वातावरण को कैसे सह लेते हो?

नरेश (बड़े इत्मीनान से बोला)- दोस्त! ऑफिस एक ऐसा स्थान है, जहाँ आप घर के तनावों से मुक्ति पाकर विश्राम कर सकते हैं। और रोजाना मैं भी वही करता हूँ।

□ □ □

रमन-चमन आपस मे बातें कर रहे थे।

रमन (चमन से)- मेरी पत्नी दूसरी मंजिल से गिर गई।

चमन- क्या वह मर गई?

रमन- नहीं यार, यह तो अच्छा हुआ कि वह बाल-बाल बच गई।

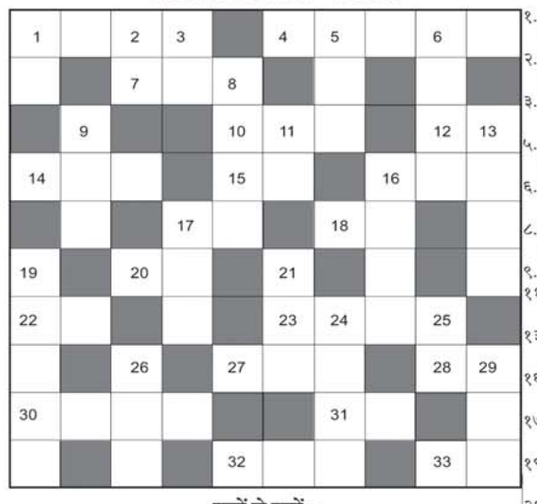

चमन- अरे यार, तुम केवल बालों का क्या करोगे।

□ □ □

रमन (मित्र से)- 'यार तेरा हाथ कैसे फ्रैक्चर हो गया?'

चमन- 'कल मैं तेज मोटरसाइकल चलाकर घर आ रहा था, तभी सामने से एक ट्रक आ गया। मैंने ब्रेक मारा और...।'

रमन- 'उसने तुझे टक्कर मार दी।'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3650

बायें से दायें:-

१. 'इश्क कभी करियो ना' गीत वाली फिल्म-४
४. 'मैं कहीं कवि न बन जाऊं' गीत वाली धर्मेन्द्र, वैजयंती की फिल्म-२,१,२
७. राहुलराय, दीपक तिजोरी, पूजा भट्ट की फिल्म-३
१०. 'वो लम्हे वो बातें' गीत वाली इमरान हाशमी, उदिता, शमिता की फिल्म-३
१२. 'अमूल स्टार वॉइस ऑफ इंडिया' का एंकर कौन है?-२
१४. 'मोरनी रे मोरनी मैं' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-३
१५. अमिताभ, जैकी, कैटरीना, सीमा की 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'आँखों में तू होठों में तू' गीत वाली जिमी शेरगिल, शेनाज की फिल्म-३
१७. नसीर, अतुल अग्निहोत्री की 'बंद होठों से जो' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'पहली बारिश मैं और' गीत वाली कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
२०. संजय, शरद, मनीषा की 'ओ गोरी तू चली' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'दिल विच तेरा ही खयाल' गीत वाली अमिताभ, अक्षय की फिल्म-२
२३. संजयदत्त, माधुरी, की 'टपका रे टपका' गीत वाली फिल्म-४
२७. संजीवकुमार, जया की फिल्म-३
२८. सलमान खान, स्नेहा की 'सुन जरा सोनिये सुन जरा' गीतवाली फिल्म-२
३०. 'लड़के ने लड़की को देखा' गीत वाली गोविंदा, जूही की फिल्म-४
३१. 'चल प्रेमनगर जाएगा बतला ओ' गीत वाली फिल्म-२
३२. अक्षयकुमार, सुनील शेट्टी, करिश्मा, सोनाली की फिल्म-३
३३. नाना, अजय, फरदीन, रेखा, उर्मिला की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'सुहानी चाँदनी रातें' गीत वाली संजीव, शशि, विद्यासिन्हा, बिंदिया की फिल्म-२
२. रितिक रोशन, करिश्मा कपूर की 'मैं नाचूं बिन पायल' गीत वाली फिल्म-२
३. 'बड़े नाजुक दौर से' गीत वाली अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
५. विनोद मेहरा, डैनी, मौसमी की 'ये कैसी लगी अगन' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ये कैसा गम सजना' गीत वाली सुनीलदत्त, फिरोज, शर्मिला की फिल्म-२,२
८. अमिताभ, परवीन की 'देख सकता हूँ मैं कुछ भी होते हुए' गीत वाली फिल्म-४
९. देव आनंद, उषा किरण की फिल्म-३
११. अमिताभ, रजनीकांत, गोविंदा, किमी की 'बम चिकी चिकी' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'हम से तुम दोस्ती कर' गीत वाली सनी देओल, डिम्पल की फिल्म-४
१६. संजीवकुमार, सुलक्षणा की 'सुबह और शाम काम ही' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'जो तुमको हो पसंद' गीत वाली राजेश खन्ना, फिरोज, शर्मिला की फिल्म-३
१९. नवीन निश्चल, रेखा की 'कान में झुमका चाल में ठुमका' गीत वाली फिल्म-३,२
२१. 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली संजयदत्त, फरहा की फिल्म-३
२४. अनिल धवन, रेहाना की 'दिल बेचैन रहा तुम बिन' गीत वाली फिल्म-२,२
२५. 'इस टूटे दिल की पीर' गीत वाली फिल्म-२
२६. ऋषिकपूर, शाहरूख, दिव्या की फिल्म-३
२९. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 3649

सूडोकु -3650

4			9		6	1		8
6	8							
	1	7	3	8		4		
3	4		6		7			9
5		1	8			2		7
2			5		1		8	4
		3		7	5	8	6	
							9	5
7		6	2		8			1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3649 का हल

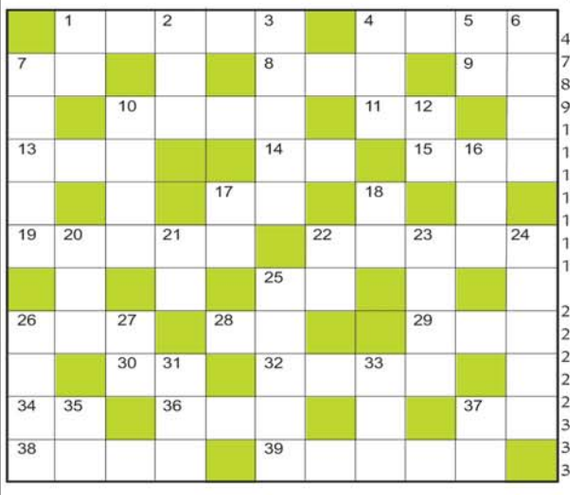

2	9	8	3	5	6	1	7	4
4	5	3	2	1	7	9	8	6
7	1	6	4	8	9	2	5	3
8	2	5	6	9	1	3	4	7
3	6	4	7	2	5	8	1	9
1	7	9	8	3	4	5	6	2
5	4	1	9	7	2	6	3	8
6	3	2	1	4	8	7	9	5
9	8	7	5	6	3	4	2	1

शब्द पहेली - 3650

बाएँ से दाएँ

1.राजीव गांधी की पत्नी का नाम-3,2
4.उदारता,बडप्पन-4
7.भोजन,खाद्य पदार्थ-2
8.प्रहरी,रक्षा करने वाला-3
9.अपशिष्ट पदार्थ-2
10.कामदेव,चंद्रमा-4
11.नाड़ी,नस-2
13.जबरन,जबरदस्ती-3
14.वायदा,वचन-2
15.भवन,आलय-3
17.आर्ट,हुनर-2
19.ख्वाबगाह, आरामगाह, सोने का कमरा-5
22.उद्देश्यहीनता-5
25.परिणाम-2
26.अंजन,नेत्रांजन-3
28.सांझ,संध्या-2
29.अधीन-3
30.निश्चित-2
32.निष्ठावान,सत्तानिष्ठ-4
34.बेइमान,सेंधमार-2
36.दाम,मूल्य-3
37.एक छोटी सवारी गाड़ी-2
38.मुस्लिम कैलेंडर का एक महीना-4
39.अश्रु,आंसू-5

ऊपर से नीचे

1.स्वर्ण,कनक-2
2.गुजर करना-3
3.धैर्यवान-3,2
4.राशिचक्र की एक राशि-3
5.आंशिक भीगा हुआ-2
6.सामंजस्य-4
7.यायावर,बंजारा-5
10.चुनाव,वोटिंग-4
12.दुख,कष्ट-2
16.यज्ञ,होम-3
17.कमरा,रूम-2
18.उम्मीद,आस-2
20.जुड़वा-3
21.प्याला-2
22.हृदय,हार्ट-2
23.निकृष्टतर-4
24.बलवान,दमदार-5
25.स्वदेशवासी-5
26.आलसी,निठल्ली-4
27.बुरी आदत-2
31.भरोसा,विश्वास-3
33.आंचल,पल्लू-3
35.अंग्रेजी शराब का एक प्रकार-2
37.समय, वक्त-2

शब्द पहेली - 3649 का हल

राष्ट्रीय लोक अदालत का दीप प्रज्ज्वलित कर विधिवत रूप से किया शुभारंभ

मा0 प्रशासनिक न्यायमूर्ति एवं जिला जज ने न्यायालय परिसर में लगाए गए विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के स्टालों का किया अवलोकन

- ट्रैफिक पुलिस द्वारा यातायात नियमों को लेकर प्रस्तुत किए गए नुक्कड़ नाटक का भी किया शुभारंभ
- मा0 प्रशासनिक न्यायमूर्ति व जनपद न्यायाधीश ने जिला कारागार एवं अपर प्राइमरी विद्यालय लुक्सर का किया स्थलीय निरीक्षण

गौतमबुद्ध नगर। माननीय उच्च न्यायालय इलाहाबाद के मा0 न्यायमूर्ति एवं जनपद गौतमबुद्ध नगर के प्रशासनिक न्यायमूर्ति अजीत कुमार जी तथा मा0 जनपद न्यायाधीश मलखान सिंह जी द्वारा आज जनपद न्यायालय सभागार में दीप प्रज्वलित कर राष्ट्रीय लोक अदालत का विधिवत शुभारम्भ किया गया।

इस अवसर पर माननीय जिला जज श्री मलखान सिंह ने मा0 प्रशासनिक न्यायमूर्ति का पौधा भेंटकर स्वागत किया। तत्पश्चात उन्होंने लोक अदालत की पृष्ठभूमि, उद्देश्य एवं विगत वर्षों में हुए उल्लेखनीय कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। माननीय प्रशासनिक न्यायतमर्ति द्वारा लोक अदालत के उदघाटन के अवसर पर अपने संबोधन में कहा गया कि लोक अदालत न्यायिक प्रणाली का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है, जिसके माध्यम से वादों का त्वरित एवं मैत्रीपूर्ण निस्तारण सुनिश्चित होता है।उदघाटन के अवसर पर न्यायिक अधिकारियों सहित जिला बार एसोसिएशन गौतमबुद्धनगर के अध्यक्ष श्री प्रमेन्द्र भाटी एंव महामंत्री श्री अजीत नागर भी उपस्थित रहे।

उद्घाटन उपरांत मा0 न्यायमूर्ति अजीत कुमार एवं मा0 जिला जज ने न्यायालय परिसर में लगाए गए विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के स्टॉलों का फिता काटकर शुभारंभ किया। जिला न्यायालय परिसर में कौशल विकास केंद्र द्वारा युवाओं के लिए रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण योजनाएँ, नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर में नागरिकों की स्वास्थ्य जाँच एवं परामर्श सेवाएँ तथा बैंकों द्वारा जन-धन योजना, मुद्रा योजना एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की जानकारी प्रदान की जा रही थी। माननीय न्यायमूर्ति ने स्टालों का अवलोकन करते हुए स्टॉलों पर उपस्थित लाभार्थियों से संवाद किया और उन्हें योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम के क्रम में ही माननीय प्रशासनिक न्यायमूर्ति द्वारा ट्रैफिक पुलिस द्वारा प्रस्तुत नुक्कड़ नाटक का भी शुभारम्भ किया गया। इसमें सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के पालन का संदेश जनसामान्य तक प्रभावी ढंग से पहुँचाया गया।

हम दुनिया छोड़ रहे हैं, सॉरी...

सोसाइटी में 13वीं मंजिल से कूदकर मां और बेटे ने कर लिया सुसाइड

ग्रेटर नोएडा। ग्रेनो वेस्ट स्थित ऐस सिटी सोसाइटी में 13वीं मंजिल से कूदकर मां और बेटे ने अपनी जान दे दी। मां-बेटे का शव सोसाइटी के नीचे खून से लथपथ पड़ा देख पूरे सोसाइटी में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही बिसरख थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस को मृतका के फ्लैट से एक सुसाइड नोट मिला है। सुसाइड नोट मिलने के बाद पुलिस ने मामले को आत्महत्या की दिशा में गंभीरता से जांच शुरू कर दी है।

हम दुनिया छोड़ रहे हैं, सॉरी

बता दे कि पुलिस को मिले सुसाइड नोट मे लिखा कि हम तुम्हें अब और परेशान नहीं करना चाहते। हमारी वजह से तुम्हारी जिंदगी खराब न हो।

हमारी मौत का जिम्मेदार कोई नहीं है... ये शब्द साक्षी चावला ने लिखे थे जो पति दर्पण चावला के नाम लिखा था। करीबी लोगों ने बताया कि मृतक बच्चा दक्ष मानसिक रूप से विक्षिप्त था। काफी इलाज कराने के वावजूद हालत में सुधार नहीं हो रहा था, इसी कारण उसकी मां साक्षी चावला लंबे समय से मानसिक तनाव में थीं।

घटना के बाद ऐस सिटी सोसाइटी में मातम पसर है। पड़ोसी बताते है कि मृतका साक्षी चावला हाउसवाइफ थीं और उनके पति दर्पण चावला पेशे से चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं। मूल रूप से यह परिवार उत्तराखंड के गढ़ी नेगी गांव का रहने वाला है और फिलहाल ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित ऐस सिटी सोसाइटी के फ्लैट नंबर ई-1309 में रहता था।

डीसीपी सेंट्रल नोएडा शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया बिसरख थाना क्षेत्र की ऐस सिटी सोसाइटी की 13वीं मंजिल से कूदकर मां-बेटे ने सुसाइड किया है।

बेटा मानसिक रूप से विक्षिप्त था और इसी बात को लेकर मां परेशान रहती थी। मौके से सुसाइड नोट भी मिला है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस ने मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

पुरानी पेंशन बहाली के लिए दिल्ली में होगी रैली

अटेवा की बैठक में 25 नवंबर की रैली की तैयारियों पर चर्चा

जेवर। राष्ट्रीय पुरानी पेंशन बहाली मंच (अटेवा) ने शनिवार को जेवर ब्लॉक कार्यालय में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की। जिला संयोजक रविंद्र सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक का संचालन जिला महामंत्री जगवीर भाटी ने किया।

बैठक का मुख्य एजेंडा 25 नवंबर को दिल्ली में होने वाली संवैधानिक रैली की तैयारियां थीं। ब्लॉक अध्यक्ष विश्वकर्मा ने बताया कि गौतमबुद्ध नगर से बड़ी संख्या में कर्मचारी और शिक्षक रैली में शामिल होंगे।

मंडल मंत्री भूरा सिंह ने संगठन को मजबूत बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ज्यादा से ज्यादा लोगों को अटेवा की सदस्यता लेनी चाहिए। इससे आंदोलन और मजबूत होगा।

बैठक में प्रदीप गुप्ता, प्रमोद कुमार, देवेंद्र कुमार, पदम सिंह और सतीश कुमार समेत कई पदाधिकारियों ने विचार रखे।

जेवर में 11 क्विंटल नकली पनीर बरामद

बीजेपी नेता का नाम आया सामने, कार्यकर्ताओं ने किया थाने का घेराव

जेवर। ग्रेटर नोएडा के जेवर में खाद्य विभाग ने एक बड़ी कार्रवाई की है। विभाग की टीम ने शुक्रवार देर रात एक टूल प्लांट पर छापा मारा। यहां से 11 क्विंटल नकली पनीर बरामद किया गया। समाचार लिखे जाने तक कोतवाली में धरना जारी था।

मामले में एक स्थानीय भाजपा नेता का नाम सामने आया है। इसके बाद से क्षेत्र में सियासी माहौल गरम हो गया है। शनिवार को सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ता और नेता जेवर कोतवाली पहुंचे। उन्होंने पुलिस के रवैये के खिलाफ प्रदर्शन किया। भाजपा के वरिष्ठ नेता संजीव बालियान भी धरने में शामिल हुए। उन्होंने पंचायत में कहा कि भारतीय जनता पार्टी यानी उनकी सरकार है। उसके बावजूद भी उनको थाने में आना पड़ रहा है। ये बहुत दुख की बात है। मैं पंचायत के साथ हूं। यदि पंचायत कहती है कि वह यही बैठेंगे तो यही बैठेंगे। आप जो कहोगें वही होगा। पुलिस एक तरफा कार्रवाई कर रही है। कार्यकर्ताओं ने पुलिस पर दोषियों को बचाने का आरोप लगाया है। इस घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल है। स्थानीय पुलिस मामले की जांच कर रही है।

खाद्य विभाग ने जब्त किए गए नकली पनीर को नष्ट करने की कार्रवाई शुरू कर दी है।

जनपद का खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग एक्शन में

खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने अभियान चलाकर दादरी स्थित दो दुकानों से पनीर के 02 नमूने संग्रहित किये

- 04 मीट शॉप बिना लाइसेंस संचालित होते पाए जाने पर तत्काल प्रभाव से उनको बंद कराते हुए सुसंगत धाराओं में वाद पंजीकृत कराया गया

गौतम बुद्ध नगर। आगामी पर्वो के दृष्टिगत जनपद वासियों को शुद्ध खाद्य एवं पेय पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी गौतमबुद्धनगर मेधा रूपम के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के अधिकारीगण खाद्य प्रतिष्ठानों पर छापेमारी कर खाद्य पदार्थों के नमूने जांच हेतु संग्रहित कर रहे हैं।

इसी श्रृंखला में सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय सर्वेश मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि आज खाद्य सुरक्षा अधिकारियों विशाल गुप्ता व एस0 के0 पाण्डेय के संयुक्त दल ने रेलवे रोड, दादरी स्थित पनीर की दुकानों पर छापामारी कर संजू पनीर भंडार पर संजय भाटिया से व न्यू गढ़वाल पनीर भंडार पर यूनुस मेवाती से एक-एक पनीर के नमूने जांच हेतु संग्रहीत किए गए एवं शेष दुकानदार दुकान बंद कर मौके से भाग गए। इसी टीम द्वारा नई आबादी दादरी स्थित मीट की दुकानों का पुलिस बल थाना-दादरी व नगरपालिका परिषद, दादरी के कार्यवाहक कर प्रभारी जाकिर हुसैन के साथ निरीक्षण किया गया।

चार मीट की दुकानों-1-इदरीस कुरैशी, भैंसे का मीट 2-फुरकान कुरैशी, भैंसे का मीट 3-जुनेद कुरैशी, मुर्गा मीट 4-जावेद कुरैशी, मुर्गा मीट का FSSAI लाइसेंस न पाए जाने के कारण बंद कराया गया व उनके विरुद्ध सुसंगत धाराओं में वाद दायर करने की प्रक्रिया की जा रही है, शेष 07 मीट कारोबारियों को मीट की दुकान के मानकों के विपरीत पाए जाने के कारण नोटिस जारी किए गए हैं । कार्यवाही लगातार जारी रहेगी। सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय ने बताया कि आगे भी इसी प्रकार से जिलाधिकारी के निर्देशन में जांच अभियान संचालित करते हुए नमूने संग्रहित करने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी, ताकि जनपद वासियों को निर्धारित मानकों के अनुरूप शुद्ध खाद्य एवं पेय पदार्थ उपलब्ध हो सके।

प्राधिकरण की शिकायत पर 4 पर मुकदमा

अवैध निर्माण, गालीगलौज और ईट पत्थर से मारने का प्रयास, अवैध निर्माण हटाने गई थी टीम

नोएडा। नोएडा के सोरखा जाहिदाबाद अवैध निर्माण हटाने गई प्राधिकरण की टीम ने भी एक एफआईआर दर्ज कराई है। प्राधिकरण ने घटना क्रम बताते हुए क्रास एफआईआर दर्ज कराई है। अधिसूचित जमीन पर अवैध निर्माण, सरकारी कार्य में बाधा डालने, जान से मारने की नीयत ये ईट पत्थर उठाने , धक्का मुक्की करने करने का आरोप लगाया। थाना सेक्टर-113 पुलिस ने सोनू , चेतन यादव , सुंदर , मोनू के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। इससे पहले किसानों की शिकायत पर जेई समेत छह लोगों पर मुकदमा दर्ज किया था।

दरअसल प्राधिकरण की टीम शुक्रवार को सोरखा जाहिदाबाद के खसरा नंबर 834, 819 पर अवैध निर्माण ध्वस्त करने पहुंची थी। यहां किसानों ने इसका विरोध किया। अवर अभियंता के साथ मारपीट की गई। जिसके बाद पुलिस ने एक्शन लिया। इस मामले में किसानों पर लाठी पर चली।

जिसके बाद किसानों ने थाने में शिकायत दी। शिकायत पर मुकदमा दर्ज करते हुए प्राधिकरण पुलिस के हैड कॉन्स्टेबल रहसूद्दीन और सिपाही जितेंद्र को सस्पेंड कर दिया गया। अब प्राधिकरण की शिकायत पर एफआईआर दर्ज की गई।

प्राधिकरण अवर अभियंता ने की थी शिकायत

अवर अभियंता की ओर से दी गई शिकायत में कहा कि सोरखा जाहिदा बाद के खसरा नंबर 834 और 819 पर सोनू, चेतन यादव, सुंदर , मोनू द्वारा अवैध निर्माण किया जा रहा है। जिसे हटाने के लिए 12 अगस्त 2025 और 12 सितंबर 2025 को उक्त कार्यक्रम तय किया गया। इसके तहत 12 सितंबर को वर्क सर्किल-6 भू लेख विभाग और नोएडा प्राधिकरण पुलिस मौके पर पहुंची। वहां उक्त लोगों ने विरोध किया।

किसानों की ओर से 6 लोगों पर

किसानों की शिकायत पर थाना सेक्टर-113 पुलिस ने छुश्व निखिल, छुश्व विनीश, पटवारी मुकुल, सुपरवाइजर मनीष, हैड कॉन्स्टेबल रहसूद्दीन और कॉन्स्टेबल जितेंद्र सिंह के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। इस पूरे प्रकरण की जांच प्राधिकरण के सीईओ लोकेश एम अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी संजय खत्री को सौंपी है।

भारतीय किसान परिषद करेगा घिराव

वहीं भारतीय किसान परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखवीर खलीफा ने एक पंचायत करके फैसला लिया कि रविवार को थाना सेक्टर-113 का घेराव किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्राधिकरण ने हमारे घर तोड़े। प्राधिकरण पुलिस ने किसानों के साथ मारपीट की। और अब किसानों के ऊपर ही मुकदमा दर्ज किया गया। ऐसे में किसान थाने का घिराव करेंगे। इसके अलावा 19 सितंबर को नोएडा में महापंचायत का ऐलान भी किया गया।

किसानों का धरना 46वें दिन भी जारी

रबूपुरा में कोई अधिकारी नहीं पहुंचा, 15 सितंबर को कार्यकारिणी की बैठक

जेवर। ग्रेटर नोएडा के रबूपुरा क्षेत्र में भूजलदोहन के विरोध में किसानों का धरना 46वें दिन भी जारी है। भारतीय किसान यूनियन (लोकशक्ति) के राष्ट्रीय अध्यक्ष मास्टर श्यौराज के नेतृत्व और चंद्रपाल भाटी की अध्यक्षता में यह धरना चल रहा है।

किसानों का कहना है कि डेढ़ महीने से वे धरने पर बैठे हैं। इस दौरान न तो कोई अधिकारी और न ही कोई जनप्रतिनिधि उनसे मिलने आया। पूरे मानसून के दौरान किसान खुले आसमान के नीचे मच्छरों और खराब मौसम का सामना करते रहे।

जिला प्रशासन और प्राधिकरण प्रशासन की उदासीनता के चलते किसानों ने 15 सितंबर को कार्यकारिणी की बैठक बुलाने का निर्णय लिया है। इस बैठक में आंदोलन को और प्रभावी बनाने की रणनीति तय की जाएगी।

धरने में टीकम सिंह, मनवीर सिंह, महेंद्र सिंह, शीले सिंह, दिनेश कुमार, रमेश कुमार, ओमी, सिब्बू मुखिया, धर्मवीर, घनश्याम भाटी, लखपत सिंह और शिवचरण समेत कई पदाधिकारी मौजूद थे। किसानों ने स्पष्ट कर दिया है कि जब तक उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया जाएगा, आंदोलन जारी रहेगा।

टोल प्लाजा पर मिलावटी पनीर जब्त

जेवर। ग्रेटर नोएडा में खाद्य सुरक्षा विभाग ने शुक्रवार देर रात जेवर थाना पुलिस के साथ मिलकर छोटा टोल प्लाजा पर बड़ी कार्रवाई करते हुए 1150 किलोग्राम मिलावटी पनीर जब्त किया। यह पनीर दिल्ली में बेचने के लिए ले जाया जा रहा था। खाद्य सुरक्षा अधिकारी रविंद्र नाथ वर्मा ने संदिग्ध वाहन की जांच की। जांच में पाया गया कि पनीर मिलावटी और बदबूदार था।

सोसाइटी में खड़ी स्कॉर्पियो कार में लगी आग

फायर बिग्रेड गाडी आग पर काबू पाया, कार जल कर हुई खाक, कोई हताहत नहीं

ग्रेटर नोएडा। वकार सैफी। ग्रेनो वेस्ट स्थित ला रेजिडेंशिया सोसाइटी में खड़ी स्कॉर्पियो में देर रात अचानक आग लग गई। आग लगने से सोसायटी में हड़कंप मच गया। इस अग्निकांड मे कोई घायल नही हुआ, क्योंकि आग लगने के समय कोई भी गाड़ी में नहीं था। गाडी का मालिक कार को खडा कर अपने फ्लैट में चला गया था। आग की घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। शुरुआती जांच में गाड़ी की वायरिंग में शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका जताई जा रही है। बता दे कि सोसाइटी में खड़ी धू-धू कर जल रही स्कॉर्पियो ला रेजिडेंशिया सोसाइटी में ओपन स्पेस में पावर स्टेशन के पास पार्किंग एरिया के पास खड़ी थी। निवासियों की सूचना पर बिसरख कोतवाली पुलिस के साथ ईकोटेक-3 फायर स्टेशन से दमकल गाड़ी पहुंची। करीब 20 मिनट में आग पर काबू पा लिया गया। इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है। स्कॉर्पियों के बगल में खड़ी दूसरी कार को हटाया गया। गनीमत रही कि आग की वजह से बिजली घर का ट्रांसफॉर्मर चपेट में नहीं आया। सोसाइटी के पूर्व अध्यक्ष सचिन शर्मा का कहना है कि आग लगने का सही कारण स्पष्ट नहीं हो सका है।

शार्ट न्यूज

नोएडा में फायरिंग का विडियो वायरल

नोएडा। सोशल मीडिया पर एक विडियो वायरल हो रहा है। जिसमें 4 युवक फायरिंग करते हुए नजर आ रहे है। जबकि विडियो में छोटे-छोटे बच्चे भी दिख रहे हैं। वहीं बताया जा रहा है कि विडियो सेक्टर 113 थाना क्षेत्र सोरखा गांव का है। इस मामले में नोएडा एसीपी थर्ड ट्विंकल जैन ने बताया कि विडियो देखकर लग रहा है। वह काफी पुराना है। साथ घर पर कोई कार्यक्रम है। इस वजह से 4 युवक फायरिंग कर रहे हैं। फिलहाल मामले में विडियो की पुष्टि के बाद कार्रवाई की जाएगी। वीडियो में समारोह जैसा माहौल है। इसमें हाथ में सिंगल बैरल और तमंचा लेकर युवक फायर कर रहे है। बता दे समारोह में इस तरह से की जाने वाली हर्ष फायरिंग पर प्रतिबंध है। इसके बाद लोग फायर करते है और सोशल मीडिया पर पोस्ट कर उसे वायरल कर रहे है। हालांकि वीडियो कब का इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है। इसे अब क्यो सोशल मीडिया पर डाला इसकी जांच की जा रही है। ये वीडियो 20 सेकेंड का है।

नोएडा में छात्रों के 2 गुट भिड़े

नोएडा। नोएडा फेज-2 थाना क्षेत्र के भंगेल इलाके में शुक्रवार को एक बड़ी वारदात हुई। यहां स्थित एक पब्लिक स्कूल के छात्रों में मामूली विवाद इतना बढ़ गया कि गाली-गलौज के बाद बात हाथापाई और मारपीट तक पहुंच गई। देखते-देखते दोनों पक्षों के छात्रों ने एक-दूसरे पर लात-घूसे बरसाने शुरू कर दिए। इस घटना का वीडियो सामने आया था, जिसमें छात्र सड़क पर जमकर मारपीट करते नजर आ रहे हैं। एसीपी वर्णिका सिंह ने बताया कि झगड़ा दोपहर में हुआ, जब जूनियर और सीनियर छात्रों के बीच कहासुनी बढ़ गई। वायरल वीडियो में साफ दिखाई दे रहा है कि स्कूल ड्रेस पहने कुछ छात्र एक गुट के छात्र को बेरहमी से पीटते हैं। इसके बाद बाइक पर बैठे तीन छात्र एक अन्य छात्र को खींचते हुए सड़क पर घसीटते भी नजर आते हैं। यह घटना सेक्टर-82 सिटी बस टर्मिनल गेट के बाहर हुई। दिनदहाड़े हुई इस वारदात से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। वीडियो से साफ है कि झगड़े के दौरान हालात बेहद खतरनाक हो गए थे। जिस तरह एक छात्र को बाइक के साथ घसीटा जा रहा था, उसमें जरा सी चूक उसकी जान के लिए खतरा बन सकती थी।

ग्रेनो में सीवेज नियमों का उल्लंघन

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने जल प्रदूषण के मामले में कड़ा रुख अपनाया है। प्राधिकरण के सीवर विभाग ने सात बिल्डरों पर 54 लाख रुपए की पेनल्टी लगाई है। यह कार्रवाई एसटीपी को सही से नहीं चलाने और बिना शोधन सीवेज को नाले में छोड़ने के कारण की गई है। पेनल्टी लगाए गए बिल्डरों में सेक्टर एक स्थित राजहंस रेजिडेंसी, पैरामाउंट इमोशंस, देविका होम्स, कैपिटल एथिना और पंचशील हाइनिस शामिल हैं। टेकजोन-4 स्थित जेएम फ्लोरेंस और सेक्टर 16 स्थित पंचशील ग्रीन्स-2 पर भी कार्रवाई की गई है। प्राधिकरण ने बिल्डरों को जुर्माने की राशि एनजीटी के खाते में जमा करने के निर्देश दिए हैं। चालान की प्रति प्राधिकरण को देनी होगी। साथ ही सीवेज को शोधित कर पानी के पुन: उपयोग का निर्देश दिया गया है। सीईओ एनजी रवि कुमार के निर्देश पर प्राधिकरण ग्रेटर नोएडा वेस्ट में एसटीपी का निर्माण करा रहा है। आईटी सिटी में भी नए एसटीपी की मंजूरी दी गई है। प्राधिकरण का लक्ष्य है कि क्षेत्र से निकलने वाले सभी सीवेज का शोधन किया जाए। प्राधिकरण ने चेतावनी दी है कि दोबारा जांच में कमी मिलने पर एफआईआर दर्ज कराई जाएगी।

दोस्त का विवाद सुलझाने गए युवक की हत्या

जेवर। ग्रेटर नोएडा के दनकौर रेलवे स्टेशन के पास एशियन पेंट कॉलोनी में एक क्रेन चालक की मौत हो गई। मृतक की पहचान केशव के रूप में हुई है। केशव अपने दोस्त का विवाद सुलझाने गए थे। विवाद के दौरान आरोपी पक्ष ने उन पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल केशव को जिम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया। कई दिनों तक चले इलाज के बाद शनिवार को उनकी मौत हो गई। मृतक के पिता वीरेंद्र ने बताया कि गुरुवार रात को उनके बेटे के दोस्त का पड़ोस के एक युवक से झगड़ा हो गया था। केशव अपने भतीजे के साथ विवाद सुलझाने पहुंचे थे। इसी बात से नाराज होकर आरोपियों ने उन पर हमला कर दिया। पुलिस ने मृतक के पिता की शिकायत पर 6 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। आरोपियों की पहचान मनीष, मनोज, सोनू, सचिन उर्फ नटराज, दीपक उर्फ मोगली और मोहित के रूप में हुई है। कोतवाली प्रभारी मुनेंद्र सिंह ने बताया कि फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं। दोनों पक्ष एक ही मोहल्ले के रहने वाले हैं।

कक्षा मॉनिटर बनने का विवाद

जेवर। ग्रेटर नोएडा के रबूपुरा स्थित सरस्वती बाल मंदिर इंटर कॉलेज में कक्षा मॉनिटर बनने को लेकर हुआ विवाद हिंसक हो गया। शुक्रवार को स्कूल में 12वीं कक्षा के दो छात्रों के बीच इस मुद्दे पर तनाव था। विवाद सुलझाने के लिए प्रिंसिपल और शिक्षकों की मौजूदगी में बैठक चल रही थी। इसी दौरान गांव चौकी से आए एक छात्र के साथी स्कूल में घुस आए। उन्होंने मुरादगढी गांव के छात्र रघु सिंह पर कुर्सियों से हमला कर दिया। हमले में रघु सिंह को गंभीर चोटें आईं। उन्हें ग्रेटर नोएडा के कैलाश अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायल छात्र के बाबा संजय सिंह की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज किया है। पुलिस ने गांव चौकी के गीरीश और पंकज समेत चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दो आरोपी नामजद हैं, जबकि चार अज्ञात हैं।

होटल की छत पर रखे जनरेटर में आग लगी

नोएडा। नोएडा सेक्टर-37 में एक होटल की छत पर रखे जनरेटर में आग लग गई। आग की वजह शॉट सर्किट या हीटिंग बताई जा रही है। हालांकि अभी स्पष्ट कारण नहीं पता चल सका है। होटल स्टॉफ ने इसकी जानकारी दमकल विभाग को दी। साथ ही मेनटेनेंस स्टाफ ने आग पर काबू पाने का प्रयास किया।

जब तक दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंची आग बुझा दी गई थी। इसका एक वीडियो भी सामने आया। सीएफओ प्रदीप चौबे ने बताया कि आग की वजह पता लगा रहे है। आग से कोई नुकसान नहीं है। जनरेटर में तेल होने की वजह से काले रंग का धुआं काफी दूर से देखा गया। आग फैली नहीं। जानकारी मिलते ही दमकल की दो गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। आग को स्टाफ पहले ही बुझा चुका था। हालांकि पूर्णता बुझा दिया गया। होटल स्टाफ या इसमें ठहरे लोगों को बाहर निकालने की आवश्यकता नहीं हुई। उन्होंने बताया कि लगातार फायर डिपार्टमेंट की ओर से नोएडा के होटल स्टाफ को ट्रेनिंग दी जाती रही है।

नवजात शव कुत्ते द्वारा उठाए जाने का मामला

विश्व हिंदू रक्षा परिषद कार्यकर्ताओं ने महिला अस्पताल प्रशासन को घेरा

पीलीभीत। जनपद के जिला महिला अस्पताल के बाहर स्थित पार्क से नवजात का शव कुत्ते द्वारा उठा ले जाने का मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है।

शनिवार सुबह इस प्रकरण को लेकर विश्व हिंदू रक्षा परिषद के कार्यकर्ता मेडिकल कॉलेज पहुंचे और महिला अस्पताल प्रशासन को आड़े हाथों लिया। कार्यकर्ताओं का आरोप था कि अस्पताल प्रबंधन अपनी जिम्मेदारी से बचने का प्रयास कर रहा है। संतोषजनक जवाब न मिलने पर मेडिकल कॉलेज परिसर में करीब दो घंटे तक हंगामे का माहौल बना रहा।

बताते चले कि पूरा ममला मरौरी ब्लॉक क्षेत्र की एक महिला ने जिला महिला अस्पताल में प्रसव के दौरान मृत बच्चे को जन्म दिया था। परिजन शव लेकर अस्पताल परिसर स्थित पार्क में बैठे थे।

तभी परिजनों को झपकी लग गई और परिसर में घूम रहा आवारा कुत्ता शव को उठाकर भाग गया। शोर सुनकर लोग दौड़े तो कुत्ता शव को लगभग 200 मीटर दूर छोड़कर भाग खड़ा हुआ। इस घटना ने अस्पताल की सुरक्षा और व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए। घटना सामने आने पर महिला अस्पताल प्रबंधन ने इसे परिवार की जिम्मेदारी बताकर पल्ला झाड़ लिया।

इस रवैये से नाराज विश्व हिंदू रक्षा परिषद के जिलाध्यक्ष यशवंत सिंह कार्यकर्ताओं के साथ मेडिकल कॉलेज पहुंचे। वहां उन्होंने महिला अस्पताल के सीएमएस डॉ. राजेश कुमार को बुलाकर सवाल किए। सीएमएस ने खुद को घटना से अनभिज्ञ बताते हुए बताया कि वे रात 10 बजे तक राउंड पर थे।

उन्होंने यह भी कह दिया कि यदि कार्यकर्ताओं को शिकायत है तो उनका तबादला करवा दिया जाए। यह बयान सुनते ही कार्यकर्ता भड़क गए और इमरजेंसी कक्ष में हंगामा शुरू हो गया। इमरजेंसी कक्ष में बढ़ते शोर-शराबे को कम करने के लिए सुरक्षा गार्डों ने कुछ कार्यकर्ताओं को बाहर जाने के लिए कहा। इस बीच कार्यकर्ताओं और गार्डों के बीच कहासुनी और धक्का-मुक्की तक हो गई। लगभग दो घंटे तक मेडिकल कॉलेज का माहौल तनावपूर्ण बना रहा।

हंगामे की सूचना मिलते ही कोतवाली और सुनगढ़ी पुलिस बल मौके पर पहुंच गया। इसके बाद सिटी मजिस्ट्रेट विजय वर्धन तोमर, सीएमओ डॉ. आलोक कुमार और सीओ सिटी दीपक चतुर्वेदी भी पहुंचे। अधिकारियों ने कार्यकर्ताओं और अस्पताल प्रशासन दोनों पक्षों को बैठाकर वार्ता की। उन्होंने भरोसा दिलाया कि पूरे प्रकरण की जांच कराई जाएगी और दोषी पाए जाने वाले कर्मचारियों पर कठोर कार्रवाई होगी। तब जाकर हंगामा शांत हो सका। घटना पर जिलाधिकारी ने भी संज्ञान लिया है। उन्होंने सीएमएस महिला अस्पताल से विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। सिटी मजिस्ट्रेट ने बताया कि प्रशासन नियमानुसार प्रक्रिया अपना रहा है।

लापरवाही साबित होने पर संबंधित जिम्मेदारों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। वहीं कार्यकर्ताओं ने अस्पताल स्टाफ और सिक्योरिटी गार्डों के रवैये की भी शिकायत अधिकारियों से की है। नवजात के शव से जुड़ी इस घटना ने लोगों की भावनाओं को झकझोर दिया है।

आमजन का कहना है कि अस्पताल परिसर में ऐसी घटनाएं होना गंभीर लापरवाही है। यह न केवल परिजनों के लिए पीड़ा का विषय है बल्कि अस्पताल की व्यवस्था पर भी सवाल खड़ा करता है।

माला नदी में डूबने से हुई संजीव कुमार वर्मा की मौत से विधायक स्वामी प्रवक्तानंद मिले परिजनों से

पीलीभीत। जनपद के ग्राम पंचायत जगतपुर रामनगर निवासी संजीव कुमार वर्मा की हाल ही में माला नदी में डूबने से हुई मौत से गांव में शोक की लहर है। शनिवार को बरखेड़ा विधायक एवं महामंडलेश्वर स्वामी प्रवक्तानंद महाराज स्वयं शोकाकुल परिवार से मिलने पहुंचे। विधायक स्वामी प्रवक्तानंद ने मृतक की माता, भाई व अन्य परिजनों से मुलाकात कर दुख साझा किया। उन्होंने कहा कि संजीव की असमय मौत अपूरणीय क्षति है, लेकिन इस कठिन समय में परिवार को अकेला नहीं छोड़ा जाएगा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि शासन और जनप्रतिनिधि परिवार हर संभव मदद के लिए तत्पर रहेंगे। विधायक ने मौके पर प्रशासनिक अधिकारियों से बातचीत कर शासन की ओर से स्वीकृत चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता मृतक परिवार को दिलाई। सहायता राशि सीधे परिजनों के खाते में हस्तांतरित कराई गई। इस दौरान उन्हें प्रमाणपत्र भी सौंपा गया। परिजनों ने विधायक व प्रशासन का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर एसडीएम बीसलपुर कपिल सिंह, बरखेड़ा मंडल अध्यक्ष प्यारेलाल कश्यप, ग्राम प्रधान कुंदनलाल, सोमपाल वर्मा सहित कई ग्रामीण व कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने दिवंगत संजीव कुमार वर्मा के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और ईश्वर से आत्मा की शांति की प्रार्थना की।

शार्ट न्यूज

शक्ति केंद्र पर कार्यशाला का आयोजन

पूनम तिवारी विशाल इण्डिया

भीटी अम्बेडकरनगर। शनिवार को श्रवण क्षेत्र मंडल के पतौना शाक्ति केंद्र के रमाशंकर प्रभा महाविद्यालय परिसर में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव, सेवा पखवाड़ा अभियान, मतदाता पुनरीक्षण अभियान, आत्म निर्भर भारत एवं स्वच्छता कार्यक्रम के संबंध में आयोजित मंडल कार्यशाला में मुख्य अतिथि भाजपा के जिला मंत्री श्री विनय पाण्डेय जी रहे जिसमें विभिन्न अभियानों पर विस्तृत चर्चा किया कार्यशाला की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष श्री लाल बहादुर पाल जी ने किया एवं संचालन महेन्द्र गौड ने किया इस अवसर पर नि. मंडल अध्यक्ष सुभाष वर्मा, स्नातक एमएलसी प्रतिनिधि श्री अरुण सिंह,पूर्व मंडल अध्यक्ष विजयनारायण शुक्ला, महामंत्री श्री राम भजन, अतुल कुमार दिवेदी,रमाशंकर उपाध्याय, , शिव शंकर गौड, विनोद कुमार सिंह,अखिलेश पांडेय शत्रुघ्न सिंह सालिकराम धुरिया गिरीश तिवारी , रणजीत सिंह, , श्रीकांत दूबे , ,समेत मंडल के समस्त मंडल पदाधिकारी,शक्ति केंद्र संयोजक, एवं मंडल कार्य समिति के सदस्य उपस्थित रहे सभी कार्यकर्ताओं को बैठक में भाग लेने के लिए हार्दिक आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया।

हत्या के मामले में वांछित दो आरोपी गिरफ्तार

ललितपुर। हत्या के मामले में वांछित दो आरोपियों गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार एवं क्षेत्राधिकारी सदर अजय कुमार के निकट पर्यवेक्षण में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना कोतवाली पुलिस द्वारा थाना कोतवाली ललितपुर पर पंजीकृत मु0अ0स0 1054/2025 धारा 352/131/103(1) बीएनएस के वांछित दो अभियुक्तों रणवीर उर्फ रनवीर कबूतरा पुत्र रामसिंह उम्र 42 वर्ष नि0 घटवार थाना-कोतवाली ललितपुर गोपाल पुत्र रामसिंह उम्र करीब 55 वर्ष नि0 ग्राम घटवार थाना कोतवाली को नियमानुसार गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष भेजा गया। वादी मुकदमा की तहरीर के आधार पर थाना कोतवाली ललितपुर पर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्यवाही प्रचलित की गयी थी। सूचना पर वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा मौके पर जाकर घटना स्थल का निरीक्षण किया गया है ।

पुरानी रंजिश के चलते युवक को मारी गोली

लखनऊ। लखनऊ के चिनहट थानाक्षेत्र के मटियारी इलाके में शनिवार रात ताबड़तोड़ गोली चलने से इलाके में सनसनी मच गई। पुराने विवाद को लेकर बदमाशों ने एक युवक को गोली मार दी। गोली उसके कमर में लगकर आर-पार हो गई। घायल को तुरंत चंदन हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे खतरे से बाहर बताया है। इंस्पेक्टर चिनहट दिनेश चंद्र मिश्रा ने बताया कि मटियारी निवासी पुनीत यादव (37) रात करीब 9 बजे घर के पास स्थित परनामी मंदिर पर बैठे थे। तभी विपक्षी विनय यादव अपने तीन साथियों के साथ वहां पहुंचा और पुरानी रंजिश को लेकर पुनीत पर फायर झोंक दिया। गोली पुनीत के कमर में जाकर लगी और आरपास हो गई। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने बताया कि आरोपियों की तलाश जारी है, जल्द ही गिरफ्तारी की जाएगी।

बागपत के मंदिर में चोरी और तोड़फोड़

बागपत। बागपत जिले में लहचौड़ा-गौना मार्ग स्थित बाबा कालें सिंह मंदिर में शनिवार को चोरी की वारदात हुई। चोरों ने मंदिर का ताला तोड़कर 11 किलो वजनी पीतल का घंटा चुरा लिया। चोरों ने बाबा कालें सिंह की प्रतिमा को भी नुकसान पहुंचाया। गौना गांव के राजकुमार, कृष्णपाल, राहुल, प्रेमपाल और टिंकू पूजा के लिए मंदिर पहुंचे तो वहां का दृश्य देखकर हैरान रह गए। मंदिर का ताला टूटा हुआ था। घंटा गायब था और प्रतिमा क्षतिग्रस्त थी। उन्होंने तुरंत अन्य ग्रामीणों को सूचना दी। खबर फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मंदिर पहुंचे। उन्होंने चोरी के विरोध में नारेबाजी की। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में चोरी की घटनाएं बढ़ रही हैं। उन्होंने प्रशासन से चोरों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की है। पुलिस को घटना की सूचना दे दी गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। स्थानीय लोगों ने चोरों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और क्षेत्र में पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग की है।

लखनऊ में महिला को चलती कार से फेंका

लखनऊ। लखनऊ की मलिहाबाद पुलिस ने लिफ्ट के बहाने लूट करने वाले गैंग के 3 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। गैंग में दो पुरुष और महिला शामिल है। गैंग ने हरदोई छोड़ने के बहाने एक महिला को बैठाकर उसके जेवर और नगदी लूट लिए थे। विरोध करने पर मारपीट कर महिला को चलती गाड़ी से फेंक दिया था। गैंग का मास्टरमाइंड गौतमबुद्धनगर का रहने वाला है। एडीसीपी जितेंद्र दुबे ने बताया- 1 सितंबर को गीता कनौजिया सुबह करीब 11 बजे सीतापुर बाईपास पर हरदोई जाने के लिए गाड़ी का इंतजार कर रही थीं। तभी सफेद मारूति अर्टिगा कार रुकी। सण्डीला जाने की बात कहने पर कार सवारों ने बैठा लिया। उन्होंने बताया- कुछ दूर जाने पर कार में मौजूद दो पुरुष और एक महिला ने पीड़िता से मारपीट कर गहने और रुपए मांगे। मना करने पर गले से मंगलसूत्र, कानों के टप्स, झोले में रखी दो सोने की चेन और 12 हजार रुपए नगद लूट लिए। इसके बाद कार सवारों ने महिला को सरावां गांव के पास चलती गाड़ी से फेंककर फरार हो गए थे।

गैंगस्टर एक्ट का आरोपी गिरफ्तार

महरुआ पुलिस को मिली बड़ी सफलता

विशाल इण्डिया पूनम तिवारी

अंबेडकर नगर। महरुआ गैंगस्टर एक्ट के दर्ज मुकदमे में वांक्षित आरोपी आलोक सोनी को महरुआ थाना अध्यक्ष द्वारा अपनी टीम के साथ घर से किया गिरफ्तर। पुलिस अधीक्षक अंबेडकर नगर केशव कुमार द्वारा अपराध और अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाए जाने हेतु चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक के कुशल पर्यवेक्षण में तथा क्षेत्राधिकारी भीटी लक्ष्मीकांत मिश्रा के निर्देशन पर गैंगस्टर एक्ट के दर्ज मुकदमे में विवेचना कर रहे महरुआ थाना अध्यक्ष यादवेंद्र सोनकर द्वारा आरोपी को किया गिरफ्तार,महरुआ थाना अध्यक्ष द्वारा शुक्रवार की रातअपनी टीम के साथ उप निरीक्षक अमित कुमार सिंह,उप निरीक्षक पूजा शुक्ला हेड कांस्टेबल कृष्ण मुरारी लाल गुप्ता द्वारा अपना जाल बिछाते हुए पहले से फरार चल रहे गैंगस्टर एक्ट के दर्ज मुकदमे में आरोपी आलोक सोनी पुत्र प्रमोद सोनी उम्र लगभग 22 वर्ष निवासी दशरथपुर थाना बीकापुर कोतवाली जिला अयोध्या को अपनी टीम के साथ घेराबंदी करते हुए आरोपी को आरोपी के घर से रात गिरफ्तार कर शनिवार को माननीय न्यायालय अंबेडकरनगर के समक्ष पेश किया गया जहां से न्यायालय द्वारा आरोपी आलोक सोनी को जेल भेज दिया गया।

जमालपुर में महिला ने फांसी लगाकर दी जान

ललितपुर। ललितपुर के तालबेहट कोतवाली क्षेत्र के ग्राम जमालपुर में एक दुखद घटना सामने आई। रश्मि कुशवाहा ने अपने घर में फांसी लगाकर जीवन समाप्त कर लिया। घटना शनिवार की है। रश्मि अपने घर के कमरे में थी। परिजनों ने उन्हें आवाज दी, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। जब परिजन कमरे में गए तो देखा कि रश्मि रस्सी के फंदे से लटक रही थी। परिजनों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लिया। पंचनामा भरने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया गया। मृतका रश्मि, अजय कुशवाहा की पत्नी थी। आत्महत्या के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। पुलिस हर पहलू से मामले की जांच कर रही है।

चीतल के मांस व हथियार के साथ वन विभाग की टीम ने चार आरोपियों को किया गिरफ्तार

पीलीभीत। आज टाइगर रिजर्व की सुरक्षा के लिए गश्त कर रही वन विभाग की टीम ने शुक्रवार सुबह बड़ी कार्रवाई करते हुए चार शिकारियों को दबोच लिया। टीम को भंसरिया बीट के कम्पार्टमेंट संख्या 128सी में गश्त के दौरान सूचना मिली थी कि कुछ लोग फंदा लगाकर शिकार कर रहे हैं। सूचना पर पहुंची टीम ने घेरा डालकर चार आरोपियों को पकड़ लिया, जबकि तीन मौके से भागने में सफल रहे। पकड़े गए आरोपियों के पास से करीब एक किलो चीतल का मांस, एक बेंका, एक कुल्हाड़ी, मोटरसाइकिल और मोबाइल सिमकार्ड बरामद किए गए। बरामद मांस को सुरक्षित कर जांच हेतु भेजा गया है। आरोपियों की पहचान शिकोहर पुत्र छोटे, भूरे पुत्र गया प्रसाद, जितराज पुत्र होशियार (सभी निवासी थाना महोली, जिला लखीमपुर खीरी)

और रामईल पुत्र रामफोयल (निवासी थाना खुटार, जिला शाहजहांपुर) के रूप में हुई है। फरार आरोपियों में करनधनु पुत्र भगवानदीन, छोटे लाल पुत्र लोटन और मुनेश्वर पुत्र बुलाकीराम शामिल हैं।

वन विभाग ने पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ भारतीय वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 और भारतीय वन अधिनियम 1927 की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जेल भेजने की कार्रवाई शुरू कर दी है। वहीं फरार तीनों शिकारियों की तलाश की जा रही है। इस कार्रवाई में उप प्रभागीय वनाधिकारी सुनील कुमार, वन रक्षक ललित सिंह और गंगेश कुमार पटेल शामिल रहे। प्रभारी वनाधिकारी मनीष सिंह ने कहा कि टाइगर रिजर्व में अवैध शिकार करने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जा रहे हैं और ऐसे लोगों को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा।

एसपी ने कोतवाली का निरीक्षण कर दिए दिशा-निर्देश

ललितपुर। पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक द्वारा कोतवाली ललितपुर का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कोतवाली परिसर, कार्यालय आदि का निरीक्षण कर सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। कोतवाली कार्यालय/महिला हेल्प डेस्क के रजिस्टरों को चेक कर व्यवस्थित रखरखाव हेतु निर्देश दिये गये। मुकदमों से संबंधित मालो का विधिक निस्तारण एवं सही रखरखाव,शस्त्रों की नियमित साफ-सफाई रखने हेतु निर्देशित किया गया। साइबर हेल्प डेस्क में तैनात अधि0/कर्म0गण को प्रतिदिन साइबर से सम्बन्धित पोर्टल जैसे प्रतिबिम्ब, सुदर्शन पोर्टल आदि का क्रियान्वयन करने व साइबर के अपराधों में त्वरित कार्यवाही करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। थाने में लम्बित विवेचनाओं का गुण दोष के आधार पर विधिक निस्तारण करने व कोतवाली क्षेत्र के वांछित अभियुक्तों/वारंटियों की गिरफ्तारी, अवैध शराब/मादक पदार्थों/पशु तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा थाने पर आने वाले शिकायतों का शत-प्रतिशत व समयबद्ध निस्तारण करने

जाने हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया। माफियाओं को चिन्हित कर उनके विरूद्ध गैंगस्टर एक्ट की कार्यवाही व कोतवाली स्तर पर टॉप-10 अपराधी व HS की सतत निगरानी हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये।

महिला सम्बन्धी अपराधों को रोकने के लिये सूचना पर त्वरित रूप से संज्ञान लेकर तत्काल अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही कर उनका निस्तारण करें तथा उपरोक्त प्रकरण की सूचना पर उच्चाधिकारियों को देने हेतु निर्देशित किया गया। महिलाओं की सुरक्षा हेतु एन्टीरोमियो स्कॉवड व महिला बीट आरक्षियों को प्रतिदिन कोतवाली क्षेत्र में भ्रमण हेतु आदेशित किया गया जिससे महिला सम्बंधी अपराध न हो पाए तथा शासन की जीरो टॉलरेंस नीति पर काम करें।

निकट भविष्य में पंचायती चुनाव को दृष्टिगत रखते हुए अपराधियों पर आवश्यक निरोधात्मक कार्यवाही कर उन्हे ज्यादा से ज्यादा धनराशि से पाबन्द कराने हेतु निर्देशित किया गया है। आगामी त्योहार को दृष्टिगत रखते हुए सुरक्षा व शांति- व्यवस्था बनाये रखने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। ऑपरेशन दृष्टि अभियान के तहत कोतवाली क्षेत्र में आमजन से संवाद कर मुख्य स्थानों, चौराहों, बाजारों व हॉटस्पॉट पर सीसीटीवी कैमरों का क्रियाशील कराना सुनिश्चित करें, जिससे अपराध नियंत्रण में सहयोग मिलेगा एसपी द्वारा कोतवाली क्षेत्र में प्रमुख भीड़-भाड़ वाले चौराहों,सराफा बाजार, व्यवसायिक प्रतिष्ठानों आदि पेट्रोलिंग के सम्बन्ध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। लूट/चोरी/छिनैती आदि प्रकार की घटनाओं के पूर्व अपराधियों का भौतिक सत्यापन कर उनके विरूद्ध आवश्यक निरोधात्मक कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया।जनपद में गैंगस्टर एक्ट की धारा 14 (1) के अन्तर्गत सम्पति जब्तीकरण की कार्यवाही व इस अधिनियम के अंतर्गत पंजीकृत अभियोगों में वांछित/वारन्टी / टॉप टेन/ अपराधियों के विरूद्ध कार्यवाही, करना सुनिश्चित करें। पुरस्कार घोषित अपराधियों की गिरफ्तारी ,अवैध विस्फोटक पदार्थों, अवैध शस्त्रों की बरामदगी, अवैध शराब निर्माण व बिक्री, जुआ, सट्टा के विरूद्ध विशेष अभियान चलाया जाये।किसी भी दशा में अवैध शराब/अवैध मादक पदार्थों की बिक्री न हो।बीट प्रणाली को मजबूत करने हेतु स्वयं बीट कर्मचारियों को उनके बीट क्षेत्रों में किये कार्यों की प्रतिदिन समीक्षा करें। यातायात नियमों का विशेष रूप से पालन कराना सुनिश्चित करें एवं चेकिंग के दौरान बिना हेल्मेट/शराब पीकर/फर्राटे भरने वाले आदि वाहन चालको की चेकिंग कर आवश्यक कार्यवाही के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।

मुठभेड़ में तीन बदमाश गिरफ्तार, एक को लगी गोली

ललितपुर। तालबेहट पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई, जिस में एक बदमाश गोली लगने से घायल हो गया, जबकि दो अन्य को मौके से गिरफ्तार किया गया। पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह व क्षेत्राधिकारी तालबेहट रक्षपाल सिंह के निकट पर्यवेक्षण में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में घटना के सफल अनावरण हेतु थाना तालबेहट पुलिस द्वारा थाना तालबेहट पर पंजीकृत मु0अ0सं0 404/2025 धारा 318(2) बीएनएस में प्रकाश में आये वांछित अभियुक्त सुरेन्द्र पुत्र सरमन आदिवासी उम्र करीब 26 वर्ष निवासी वार्ड नं.-09 थाना पृथ्वीपुर जिला निवाड़ी म0प्र0 को पुलिस मुठभेड के दौरान नियमानुसार घायल/गिरफ्तार तथा घटना में सामिल अन्य दो नफर वांछित अभियुक्तों कल्लू पुत्र चैनू आदिवासी उम्र करीब 29 वर्ष निवासी वार्ड नं.-09 थाना पृथ्वीपुर जिला निवाड़ी म0प्र0 व अर्जुन पुत्र सीताराम उम्र करीब 28 वर्ष निवासी निवासी ग्राम नुरारा थाना जहानाबाद जनपद फतेहपुर हाल निवासी वार्ड नं.-09 पृथ्वीपुर थाना पृथ्वीपुर जिला निवाड़ी म0प्र0 को मौके से गिरफ्तार कर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। वादी मुकदमा की लिखित तहरीर के आधार पर थाना तालबेहट पर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्यवाही प्रचलित की गई थी।

बुलंदशहर में युवक की गला रेतकर हत्या

मां ने ड्रेनेज पाइप से खून बहता हुआ देखा, खाना खाने के बाद छत पर सोने गया था

बुलंदशहर। बुलंदशहर में छत पर कमरे में सो रहे युवक की गला रेतकर हत्या कर दी गई। सुबह जब युवक की मां सोकर उठी तो उसने पाइप से खून बहता हुआ देखा। इसके बाद उसने शोर मचाया। घर के लोग ऊपर छत पर पहुंचे तो देखा की युवक की शव खून से लथपथ चारपाई पर पड़ा था।

परिजनों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। वहीं मृतक की पत्नी शव देखकर बेहोश हो गई। युवक की गर्दन को पीछे से रेता गया है, जिससे उसकी गर्दन अलग हो गई है। मामला अगौता थाना क्षेत्र के गढ़िया गांव का है। गढ़िया के रहने वाले नानक चंद लोधी (30) हलवाई का काम करते हैं। नानक की शादी 10 साल पहले काहिरा की रहने वाली रानी से हुई थी। नानक के चार बच्चे हैं, एक बेटी और तीन बेटे। नानक के पिता शादी के बाद से अपनी ससुराल में रहते थे। नानक के भाई बाला ने बताया कि शुक्रवार को नानक ने परिवार के साथ खाना खाया और थोड़ी देर टीवी देखी। उसके बाद वह साढ़े 9 बजे सोने के लिए छत पर बने कमरे में चला गया। मकान में नीचे पत्नी रानी चार बच्चों के साथ सो रही थी। पड़ोस में नानक का छोटा भाई बाला मां नन्ही के साथ परिवार समेत रहता है। बाला ने बताया कि रात में सबकुछ सही था। शनिवार की सुबह 6 बजे मां नन्ही जब नानक के घर गई पहुंची, तो नानक की पत्नी रानी अपने बच्चों के साथ सो रही थी।

व्यापारी अपहरण के बदमाशों से पुलिस की मुठभेड़, एक को लगी गोली, दो गिरफ्तार

ललितपुर। नाराहट में व्यापारी के अपहरण का प्रयास करने वाले बदमाशों से पुलिस की शनिवार को थाना नाराहट के ग्राम डोंगरा खुर्द में मुठभेड़ हो गई। पुलिस की जवाबी गोली लगने से एक बदमाश घायल हो गया। जबकि उसके दो साथी को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह व क्षेत्राधिकारी पाली सुनील कुमार, के निकट पर्यवेक्षण में के निकट पर्यवेक्षण में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में घटना के सफल अनावरण हेतु थाना नाराहट पुलिस द्वारा थाना नाराहट पर पंजीकृत मु0अ0सं0 146/2025 धारा

140(3)/351(3) बीएनएस में प्रकाश में आये वांछित अभियुक्त अजय पुत्र शिव आदिवासी उम्र करीब 22 वर्ष निवासी वार्ड नं.-09 मुहल्ला नरेगा थाना पृथ्वीपुर जिला निवाड़ी म0प्र0 को पुलिस मुठभेड के दौरान नियमानुसार घायल/गिरफ्तार तथा घटना में सामिल अन्य दो वांछित अभियुक्तों राज पुत्र भैयन आदिवासी उम्र करीब 20 वर्ष व मोनू पुत्र चैनू आदिवासी उम्र करीब 24 वर्ष निवासीगण वार्ड नं.-09 मुहल्ला नरेगा थाना पृथ्वीपुर जिला निवाड़ी म0प्र0 को मौके से गिरफ्तार कर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। वादी मुकदमा के साथ अज्ञात अभियुक्तगण द्वारा उसके अपहरण का प्रयास करने व कट्टा दिखाकर जान से मारने की धमकी देने के सम्बन्ध में वादी द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर थाना नाराहट पर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्यवाही प्रचलित की गई थी। घटना की गंभीरता व संवेदनशीलता को देखते हुए जनपद के वरिष्ठ पुलिस अधीकारियों द्वारा तत्काल घटनास्थल का सूक्ष्मता से निरीक्षण किया गया था तथा पुलिस अधीक्षक द्वारा घटना के शीघ्र अनावरण हेतु 07 पुलिस टीम, जिसमें थाना पुलिस, स्वॉट, सर्विलांस व साइबर क्राइम थाना पुलिस टीम को लगाया गया था, जिनके द्वारा जनपद ललितपुर, टीकमगढ़, सागर, ओरछा/निवाड़ी व जनपद झांसी के 300 कि0मी0 के दायरे में लगभग 500 सीसीटीवी कैमरों की मदद ली गयी, जिसमें संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान करायी गयी थी। सीसीटीवी कैमरों/सर्विलांस व अन्य धरातलीय सूचना की मदद से अभियुक्तगण अजय, राज व मोनू उपरोक्त को पुलिस मुठभेड़ में घायल/गिरफ्तार किया गया। नाराहट पुलिस टीम द्वारा मुखबिर से अभियुक्तगण की अर्जुन खिरिया वाले मार्ग से ग्राम डोंगरा खुर्द की ओर आने की सूचना प्राप्त हुयी थी। जिस पर थाना पुलिस द्वारा अर्जुन खिरिया वाले रोड पर आने जाने वाले वाहनों की चोकिंग करना शुरु किया तभी कुछ समय बाद तीन अज्ञात व्यक्ति एक अपाचे मो0सा0 रंग काला पर सवार सामने से आते हुए दिखाई दिये।

संक्षिप्त समाचार

सबसे अच्छे दोस्तों में से एक, अमेरिकी विदेश मंत्री ने बताई भारत की अहमियत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और भारत के संबंधों में उतार-चढ़ाव के बीच यूएस के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि भारत अमेरिका के साथ दुनिया के शीर्ष संबंधों वाले देशों में से एक है। उन्होंने कहा कि इस समय दोनों देशों के बीच संबंध असाधारण बदलाव से गुजर रहे हैं। रुबियो ने सीनेट की विदेश संबंध समिति के समक्ष भारत में अमेरिका के नामित राजदूत सर्जियो गोर के नाम की पुष्टि के लिए सुनवाई के दौरान उनका परिचय दिया। रुबियो ने कहा कि वह गोर को काफी लंबे समय से जानते हैं और उन्हें जिस देश के लिए नामित किया गया है ''मैं कहूंगा कि वह आज अमेरिका के दुनिया में शीर्ष संबंधों वाले देशों में से एक है।'' पिछले महीने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि वह राष्ट्रपति कार्यालय के कार्मिक निदेशक गोर को भारत में अगला अमेरिकी राजदूत तथा दक्षिण एवं मध्य एशियाई मामलों के लिए विशेष दूत नियुक्त कर रहे हैं। नियुक्ति की पुष्टि होने पर गोर (38) भारत में सबसे कम उम्र के अमेरिकी राजदूत होंगे। रुबियो ने कहा कि 21वीं सदी में कहानी हिंद-प्रशांत क्षेत्र में लिखी जाएगी। वास्तव में, यह इतना महत्वपूर्ण है कि हमने हिंद-प्रशांत क्षेत्र की कॉम्बेटैंट कमान का नाम बदल दिया है। भारत इसके केंद्र में है। उन्होंने कहा, हम भारत के साथ अपने संबंधों में एक असाधारण बदलाव के दौर से गुज़र रहे हैं। हमारे सामने कुछ बेहद महत्वपूर्ण मुद्दे आ रहे हैं जिन पर हमें उनके साथ मिलकर काम करना होगा। हमें उन पर भी काम करना होगा, जो यूक्रेन में, साथ ही इस क्षेत्र में हो रही घटनाओं को भी प्रभावित करते हैं। रुबियो ने राजदूत पद के लिए गोर के चयन को बिल्कुल उपयुक्त बताते हुए कहा, यह महत्वपूर्ण है कि इस पद पर अमेरिका का प्रतिनिधित्व किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा किया जाए, जिसे अमेरिका के राष्ट्रपति का विश्वास प्राप्त हो, जो उनका करीबी हो।

यूक्रेन ने रूस पर कर दी ड्रोन्स की बौछार, रूसी एयर डिफेंस सिस्टम ने 221 को रातोंरात मार गिराया

कीव/मास्को, एजेंसी। रूस ने 221 यूक्रेनी ड्रोन्स मार गिराए हैं। मॉस्को के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि उनके एयर डिफेंस सिस्टम ने रातोंरात इन ड्रोन्स को नष्ट कर दिया। इनमें से आधे से ज्यादा ड्रोन ब्रायंस्क और स्मोलेंस्क इलाकों में उड़ रहे थे। 28 ड्रोन लेनिनग्राद क्षेत्र में और 9 मॉस्को क्षेत्र में मार गिराए गए। लेनिनग्राद के गवर्नर अलेक्सांद्र द्रोजदेंको ने बताया कि बाल्टिक सागर के प्रिमोर्स्क बंदरगाह पर एक जहाज में आग लग गई, लेकिन उस पर काबू पा लिया गया और तेल रिसाव का कोई खतरा नहीं है। ये हमले ऐसे समय हुए जब पोलैंड ने रूस पर आरोप लगाया कि उसने इस हफ्ते उनके इलाके में ड्रोन हमला किया। मॉस्को ने इन आरोपों को खारिज किया और कहा कि इसके कोई सबूत नहीं हैं कि ड्रोन रूसी थे। हालांकि, फ्रांस और जर्मनी ने पोलिश हवाई क्षेत्र की सुरक्षा बढ़ाने के लिए कदम उठाए हैं। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने इन आरोपों पर चर्चा के लिए आपात बैठक भी बुलाई। रूस यूक्रेन पर अक्सर ड्रोन हमले करता रहा है, जो उसकी वहां चल रही सैन्य कार्रवाई का हिस्सा है। इस बीच, पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क ने अपने देश की सेना के लिए आधुनिकीकरण कार्यक्रम को आगे बढ़ाने का संकल्प जताया। यूरोपीय अधिकारियों ने बुधवार को पोलैंड में ड्रोन की घुसपैठ को जानबूझकर उकसाने वाला कदम बताया है। इसने इस आशंका को और गहरा कर दिया है कि पोलैंड के पड़ोसी देशों के बीच तीन साल से जारी युद्ध व्यापक संघर्ष को जन्म दे सकता है।

यूएस में भारतीय मूल के व्यक्ति की हत्या, सिर धड़ से अलग कर दिया; वॉशिंग मशीन के लिए हुआ था झगड़ा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के टेक्सास से एक दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है। पुलिस के मुताबिक, 50 वर्षीय भारतीय मूल के चंद्रमौली नागमल्लैया की एक मोटल में बेरहमी से हत्या कर दी गई। आरोपी ने उन्हें पत्नी और बेटे के सामने ही सिर काटकर मौत के घाट उतार दिया। यह वारदात 10 सितंबर को डाउनटाउन सुइट्स मोटल पर हुई। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मौके पर खून से सनी जमीन, क्राइम सीन टेप और शव के पास खड़ा पुलिस बल देखकर लोग सहम गए। पुलिस ने योरडानिस कोबोस-मार्टिनेज को हत्या का आरोपी बताया है। घटना की शुरुआत तब हुई जब नागमल्लैया ने कोबोस-मार्टिनेज और उसकी महिला सहयोगी को कहा कि खराब वॉशिंग मशीन का इस्तेमाल न करें। यह बात महिला सहयोगी ने अनुवाद करके आरोपी तक पहुंचाई। आरोपी को गुस्सा इस बात पर आया कि नागमल्लैया ने सीधे उससे बात करने के बजाय महिला के जरिए संदेश दिया। तभी उसने अपने पास छुपाई मशेटे (तेज धार वाली बड़ी छुरी) निकाली और हमला बोल दिया। नागमल्लैया भागकर मोटल की पार्किंग में पहुंचे और मदद के लिए चिल्लाने लगे।

डिजाइनर हैंडबैग, शानो-शौकत भरी जिंदगी; नेपाल के नेपो किड जिनको देख भड़के युवा

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल पिछले एक सप्ताह से भीषण विरोध प्रदर्शनों की चपेट में है। सरकारी अक्षमता और भ्रष्टाचार के खिलाफ शुरू हुआ यह आंदोलन अब राष्ट्रव्यापी विद्रोह का रूप ले चुका है। युवा पीढ़ी, खासकर जनरेशन ', इस आंदोलन की अगुवाई कर रही है। प्रदर्शनकारियों के दबाव और हिंसा के बढ़ते हालात के बीच प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली सहित मंत्रियों ने इस्तीफा दे दिया है। पुलिस कार्रवाई में कम से कम 31 लोगों की मौत हो चुकी है और 1,000 से अधिक घायल हुए हैं। प्रदर्शनकारियों ने सरकारी भवनों, नेताओं के निजी घरों और यहां तक कि पर्यटन केंद्रों के होटलों को आग के हवाले कर दिया। नेपाल की संसद भी लपटों में घिर गई। हालात इतने बिगड़ गए हैं कि सेना को सड़कों पर उतरकर कर्फ्यू लागू करना पड़ा और प्रदर्शनकारियों से बातचीत की कोशिश करनी पड़ रही है। इस गुस्से के पीछे लोगों की नेताओं के बच्चों की आलीशान जिंदगी भी एक वजह है।

नेपो किड्स बने गुस्से का कारण : इस उथल-पुथल के केंद्र में पीढ़ीगत असंतोष है, जहां साधारण नेपाली बेरोजगारी, बढ़ती महंगाई और गहरी गरीबी से जूझ रहे हैं, वहीं राजनीतिक नेताओं के बच्चे (नेपो किड्स) सोशल मीडिया पर लग्जरी कारें, डिजाइनर बैग और विदेशी छुट्टियां दिखाकर अपनी ऐशोआराम की जिंदगी

का प्रदर्शन कर रहे हैं। टिकटॉक, इंस्टाग्राम, रेडिट और एक्स पर राजनेताओं के बच्चों की शानदार लाइफस्टाइल को उजागर करने वाले पोस्ट और वीडियो तेजी से वायरल हो रहे हैं। वीडियो और पोस्ट्स में नेताओं के बच्चों की शानो-शौकत की तुलना आम जनता की बाढ़, बिजली कटौती और महंगे खाने जैसी परेशानियों से की गई।

ये नेपो किड आए निशाने पर : श्रृंखला खतिवाड़ा- पूर्व मिस नेपाल और पूर्व स्वास्थ्य मंत्री बिरोध खतिवाड़ा की बेटी श्रृंखला खतिवाड़ा लक्जरी लाइफस्टाइल के कारण निशाने पर आई। उनका घर प्रदर्शनकारियों ने जला दिया। अब उनके इंस्टाग्राम पर से एक लाख से ज्यादा फॉलोअर्स घट गए। शिवाना श्रेष्ठा- शिवानी एक सिंगर और पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा की बहू हैं। वे भी निशाने पर रहीं। उनके वीडियो में लग्जरी मकानों और महंगे कपड़ों का प्रदर्शन दिखाया गया। वह और उनके पति जयवीर सिंह देउबा को ऑनलाइन निशाना बनाया गया, जहां उन्हें करोड़ों की संपत्ति वाले राजनीतिक परिवारों का उदाहरण बताया गया। रेडिट पर उन्हें नेपो बेबी ऑफ फॉरेन अफेयर्स कहा गया। स्मिता दाहाल- स्मिता पूर्व प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड की पोती हैं। उन्हें लाखों रुपये के महंगे हैंडबैग्स के कारण आलोचना का शिकार होना पड़ा क्योंकि आम नेपाली नौकरियों के लिए संघर्ष कर रहे हैं। प्रचंडा का घर भी प्रदर्शनकारियों द्वारा निशाना बनाया गया। सौगत थापा- सौगत कानून मंत्री बिंदु कुमार थापा के बेटे हैं। उनकी ऐशो-आराम की तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से वायरल हुईं। उनके फोटो प्रदर्शनों के दौरान खूब प्रसारित हुए। एक वायरल तस्वीर में उन्होंने लुई विटॉन, कार्टियर और गुच्ची के बॉक्स से क्रिसमस ट्री बनाया था, जो आक्रोश का कारण बना। वह आंसुवारा ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर हैं, जो उनके पिता द्वारा स्थापित है।

इंस्टाग्राम हैंडल डिएक्टिवेट : इनमें से अधिकतर ने अपने सोशल मीडिया हैंडल को डिएक्टिवेट कर लिया है। वहीं काठमांडू और उसके बाहर, प्रदर्शनकारियों ने इन परिवारों के घरों को आग लगा दी। उन्होंने कहा कि सामान्य जनता गरीबी में मर रही है, जबकि ये नेपो किड्स लाखों के कपड़े पहनते हैं। नेपाल लंबे समय से एशिया के सबसे भ्रष्ट देशों में गिना जाता है। ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की रिपोर्टों में लगातार भ्रष्टाचार की उच्च स्तर पर पुष्टि हुई है। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, पोखरा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के निर्माण में कम से कम 71 मिलियन डॉलर की हेराफेरी हुई थी। एक अन्य मामले में, भूटान से विस्थापित शरणार्थियों के कोटे को बेचने में नेताओं की संलिप्तता पाई गई थी। लेकिन ऐसे मामलों में सजा बेहद दुर्लभ है। यही धारणा जनता में बनी कि नेताओं को जवाबदेही से बचाया जाता है। लगातार हिंसा और दबाव के बीच 73 वर्षीय प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने अपने चौथे कार्यकाल के दौरान ही इस्तीफा दे दिया। अन्य वरिष्ठ मंत्रियों ने भी पद छोड़ दिए।

मोदी और ट्रंप की लड़ाई कराने की कोशिश में थे नवारो; टैरिफ तनाव पर पूर्व अमेरिकी एनएसए का दावा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पहले कार्यकाल में एनएसए का पद संभालने वाले जॉन बोल्टन ने दावा किया है कि पीटर नवारो ने राष्ट्रपति ट्रंप और पीएम मोदी के बीच में लड़ाई करवाने की कोशिश की थी। वर्तमान में ट्रंप के व्यापारिक सलाहकार पीटर नवारो लगातार भारत के खिलाफ जहर उगलते नजर आते हैं। बोल्टन ने पीटर की बयान बाजी को नजर अंदाज करने की सलाह देते हुए कहा कि भारत को सोशल मीडिया की धमकियों और शोरगुल से दूर रहकर कड़ी मेहनत करते हुए व्यापारिक वार्ता के जरिए यह देख सकता है कि दोनों देश किस समझौते पर पहुंच सकते हैं।

एनडीटीवी को दिए इंटरव्यू में पूर्व अमेरिकी एनएसए ने वाइट हाउस के वर्तमान ट्रेड एडवायजर पीटर नवारो को जमकर लताड़ लगाई। उन्होंने कहा, पीटर को अगर एक कमरे में बंद कर दिया जाए और एक घंटे बाद देखा जाए, तो वह अपने आप से ही बहस कर रहे होंगे। पीएम मोदी और ट्रंप के बीच हुई एक बैठक को लेकर बात करते हुए बोल्टन ने कहा कि नवारो भी वहां पर मौजूद थे। उस समय पर भी वह व्यापारिक मुद्दों को लेकर दोनों नेताओं के बीच में बहस करवाना चाहते थे। बोल्टन से जब इस मीटिंग के बारे में और पूछा गया, तो उन्होंने

कहा, पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप वहां के साथ वहां पर मैं और नवारो भी मौजूद थे। मैं चाहता था कि असली मुद्दों जैसे की चीन, वैश्विक रूप से बड़े खतरों और नीति पर चर्चा हो....लेकिन नवारो व्यापारिक नीतियों पर ही बात करना और करवाना चाहते थे, जो कि उन्हें लगता था कि निष्पक्ष नहीं थी। बोल्टन ने कहा,देखो, मैंने हमेशा ही ऐसा देखा है कि व्यापारी नीतियों को लेकर शिकायत करते ही हैं, क्योंकि यह काम ही ऐसा है। अमेरिका और भारत के बीच में व्यापार बिना किसी संदेह के बहुत महत्वपूर्ण हैं। मैं व्यापार को कम करके नहीं आंक रहा हूं। यह दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं में बहुत बड़ा अंतर लाता है, लेकिन इस सदी की बाकी समस्याएं जो कि अमेरिका और भारत के अस्तित्व से जुड़ीं है वह भी बहुत महत्वपूर्ण प्रश्न हैं। अमेरिका के पूर्व एनएसए ने कहा, दोनों देशों को और उनके लोगों को यह समझना होगा।

भारत को रूसी तेल खरीद बंद करनी होगी... टैरिफ तनाव पर बोले अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर

वाशिंगटन, एजेंसी। भारत और अमेरिका के बीच संबंध रूसी तेल खरीद पर अटके हुए हैं। ट्रंप प्रशासन की तरफ से भारत के राजदूत के तौर पर नियुक्त किए गए सर्जियो गोर ने सीनेट के सामने अपने बाकी अमेरिकी साथियों की तरह एक बार फिर से इस बात को दोहराया कि भारत को रूसी तेल खरीद बंद करनी होगी। हालांकि सर्जियो गोर ने दोनों देशों के बीच चल रहे टैरिफ तनाव को बस कुछ हफ्तों का बताया। उन्होंने गुरुवार को यह भरोसा जताया कि आने वाले कुछ हफ्तों में ही यह तनाव सुलझ जाएगा। इतना ही नहीं गोर ने इस बात पर भी जोर दिया कि दोनों देशों के बीच में बहुत थोड़ी सी बातों को लेकर मतभेद हैं, जिन्हें जल्दी ही सही कर लिया जाएगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी माने जाने वाले गोर ने सीनेट के सामने अपना संबोधन देते हुए भारत को अमेरिका रणनीतिक साझेदार बताया। उन्होंने कहा, भारत एक रणनीतिक साझेदार है, जिसका भविष्य उस क्षेत्र और उससे आगे के भविष्य को आकार देगा। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में, मैं इस साझेदारी में अमेरिका के हितों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हूं। सीनेट के सामने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए गोर ने कहा, भारत की भौगोलिक स्थिति, आर्थिक विकास और सैन्य क्षमता इसे क्षेत्र की आधार शिला और समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण बनाती हैं। इस वजह से यह दोनों देशों के साझा सुरक्षा हितों को आगे बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन जाता है। गोर ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप की दोस्ती का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि टैरिफ तनाव के बावजूद दोनों नेताओं के बीच में अविश्वसनीय संबंध हैं। गोर ने कहा, अगर आपने गौर किया होगा तो जब राष्ट्रपति ट्रंप दूसरे देशों के ऊपर हमला (वाक् युद्ध) करते हैं, तो वह उस समय उनके नेताओं पर भी हमला बोलते हैं। लेकिन जब राष्ट्रपति भारत की आलोचना करते हैं तो वह प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ करने के लिए अपनी सीमा से आगे निकल जाते हैं। उन दोनों के बीच में एक अविश्वनीय संबंध है। आपको बता दें सर्जियो गोर को ट्रंप प्रशासन की तरफ से भारत के राजदूत के रूप में नियुक्त कर दिया गया है।

रूस से भिड़ने की तैयारी में यूरोप? फ्रांस ने पोलैंड में तैनात किए राफेल; नाटो का अनुच्छेद 4 लागू

वारसॉ , एजेंसी। फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने गुरुवार को पोलैंड में तीन राफेल लड़ाकू विमानों की तैनाती की घोषणा की। यह तैनाती रूसी ड्रोनों की घुसपैठ के जवाब में नाटो के पूर्वी मोर्चे को मजबूत करने और यूरोपीय सुरक्षा की रक्षा करने के उद्देश्य से की गई है। मैक्रों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर एक पोस्ट में कहा, रूसी ड्रोनों द्वारा पोलैंड के हवाई क्षेत्र में घुसपैठ के बाद, मैंने हमारे सहयोगियों के साथ मिलकर पोलिश हवाई क्षेत्र और नाटो के पूर्वी मोर्चे की सुरक्षा में योगदान देने के लिए तीन राफेल लड़ाकू विमानों को तैनात करने का फैसला किया है। फ्रांसीसी नेता ने बताया कि उन्होंने बुधवार को इस फैसले के बारे में पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क से सीधे बात की थी। उन्होंने नाटो महासचिव जेन्स स्टोल्टेनबर्ग और ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के

साथ भी इस मुद्दे पर चर्चा की। मैक्रों ने कहा कि ये देश भी पूर्वी मोर्चे की रक्षा में समान रूप से सक्रिय हैं। मैक्रों ने जोर देकर कहा कि रूस के बढ़ते खतरे के खिलाफ यूरोप की रक्षा फ्रांस और नाटो की रणनीति का केंद्र बिंदु है। उन्होंने कहा, यूरोपीय महाद्वीप की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। हम रूस की बढ़ती धमकियों के सामने नहीं झुकेंगे।

अनुच्छेद 4 को लागू किया : यह घोषणा तब आई जब पोलैंड की सेना ने कहा कि उसने इस सप्ताह की शुरुआत में रूसी ड्रोनों को मार गिराया, जो पोलैंड के हवाई क्षेत्र में घुस आए थे। इसके बाद, पोलैंड ने नाटो के अनुच्छेद 4 को लागू किया, जिसमें सहयोगी देशों के बीच खतरे पर विचार-विमर्श के लिए परामर्श की मांग की गई है। 2022 में यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद फ्रांस ने पहली बार इतने बड़े स्तर पर नाटो वायु रक्षा के लिए पूर्वी यूरोप में विमान तैनात किए हैं। पोलैंड के उपप्रधानमंत्री राडोस्लाव सिकोरस्की ने कहा कि इस घटना का पैमाना यह दर्शाता है कि यह रूस द्वारा जानबूझकर किया गया कार्य था। सीएनएन के अनुसार, उन्होंने कहा कि पोलैंड के हवाई क्षेत्र में प्रवेश करने वाले ड्रोनों की संख्या इसे एक सुनियोजित कृत्य बनाती है। पोलैंड के आंतरिक मंत्री ने बाद में कहा कि देश भर में 16 ड्रोन देखे गए थे, जिनके मलबे बड़े क्षेत्र में बिखरे हुए थे। पोलैंड युद्ध की स्थिति में नहीं है, लेकिन..पोलिश संसद को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क ने चेतावनी दी कि भले ही पोलैंड युद्ध की स्थिति में नहीं है, लेकिन यह स्थिति द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से किसी भी समय से अधिक खतरनाक है। उन्होंने कहा, यह कहने का कोई कारण नहीं था कि पोलैंड युद्ध की स्थिति में है, लेकिन यह द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से किसी भी समय से अधिक संघर्ष के करीब है। टस्क ने कहा कि पोलैंड एक ऐसे दुश्मन का सामना कर रहा है जो अपनी शत्रुतापूर्ण मंशा को छिपाता नहीं है। उन्होंने यह भी बताया कि पोलैंड ने नाटो संधि के अनुच्छेद 4 को लागू किया है, जो गठबंधन को सदस्य देशों की सुरक्षा के लिए खतरे पर चर्चा करने और परामर्श करने की अनुमति देता है।

सेना के साथ मिलकर राजा को वापस लाने की साजिश? नेपाल के जेन-' आंदोलन पर उठने लगे सवाल

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के एक प्रमुख नागरिक समाज संगठन, बृहत नागरिक आंदोलन (बीएनए) ने गुरुवार को एक बयान जारी कर आरोप लगाया कि देश में सेना की मध्यस्थता के तहत राजतंत्र की बहाली हो सकती है। उन्होंने धर्मनिरपेक्षता, संघवाद, और समावेशी व्यवस्था को खत्म करने की गंभीर साजिश की आशंका जताई है। यह आरोप ऐसे समय में सामने आया है जब पूर्व प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली के इस्तीफे के बाद अंतरिम सरकार को लेकर गहन राजनीतिक बातचीत जारी है। बीएनए में समाज के विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधि शामिल हैं। उन्होंने अपने बयान में कहा कि नेपाल सेना का हाल के दिनों में राष्ट्रीय मामलों में बढ़ता हस्तक्षेप चिंताजनक है। उल्लेखनीय है कि मंगलवार से देशव्यापी सुरक्षा अभियानों की कमान सेना ने अपने हाथों में ले ली है।

'साजिश रची जा रही है' : संगठन ने आरोप लगाया कि, जन-' आंदोलन के शहीदों की लाशों के ऊपर एक गंभीर प्रतिक्रियावादी साजिश रची जा रही है- जो सेना की मध्यस्थता में राजतंत्र बहाल करने और धर्मनिरपेक्षता, संघीयता तथा अनुपातिक समावेशी प्रणाली को समाप्त करने की दिशा में बढ़ रही है। माई रिपब्लिका पोर्टल के अनुसार, बीएनए ने कहा कि इस तरह की कोशिशें पूरी तरह अस्वीकार्य हैं। बयान में कहा गया, हमारे आंदोलन का उद्देश्य कभी भी गणतंत्र और धर्मनिरपेक्ष व्यवस्था को पलटना नहीं था और न ही सेना की असंवैधानिक सक्रियता को बढ़ावा देना। जरूरत इस बात की है कि राष्ट्रपति, संवैधानिक संरक्षक की भूमिका में, जेन-जेड क्रांति को सफलता की ओर ले जाने का मार्ग प्रशस्त करें। बीएनए ने यह भी स्पष्ट किया कि बनने वाली किसी भी नई नागरिक सरकार को संविधान की जड़ों में दृढ़ रहना होगा, भ्रष्टाचार और अव्यवस्था का प्रतिरोध करना होगा तथा उसमें किसी भी प्रकार के प्रतिक्रियावादियों के लिए जगह नहीं होनी चाहिए। नेपाल ने 2008 में राजतंत्र को समाप्त कर गणतंत्र की स्थापना की थी। हालांकि, इस वर्ष आर्थिक संकट और राजनीतिक अस्थिरता के बीच कई बार राजतंत्र समर्थक प्रदर्शन भी देखे गए। प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली ने मंगलवार को उस समय इस्तीफा दे दिया जब सैकड़ों प्रदर्शनकारी उनके कार्यालय में घुस गए और उनसे पद छोड़ने की मांग की। यह प्रदर्शन सोमवार को भ्रष्टाचार और सोशल मीडिया प्रतिबंध के खिलाफ भड़के थे। पुलिस कार्रवाई में कम से कम 50 लोगों की मौत हुई थी। सोशल मीडिया पर प्रतिबंध सोमवार रात हटा लिया गया। अपने भविष्य को लेकर चिंतित नेपाल जहां नई शुरुआत की प्रतीक्षा कर रहा है, वहीं बांग्लादेश और श्रीलंका में सरकारों को हिंसक तरीके से उखाड़ फेंकने की घटनाओं से इसकी समानताएं सामने आई हैं। इसके बाद पर्यवेक्षक इस अराजकता के पीछे किसी बड़ी साजिश की आशंका पर विचार कर रहे हैं।

भारत को चीन से दूर रखना चाहते हैं ट्रंप, क्वाड को मजबूत करने के लिए जल्द आएंगे भारत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ वार के कारण भारत के साथ खराब हुए रिश्तों को पटरी पर लाने की कोशिश की जा रही है। दोनों ही देशों के नेतृत्व ने इसकी पहल की है। इस सबके बीच भारत के लिए नॉमिनेट किए गए नए राजदूत सर्जियो गोर ने शुक्रवार को कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप जल्द ही भारत का दौरा कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि क्वाड देशों की बैठक में शामिल होने के लिए ट्रंप भारत आएंगे। उन्होंने यह भी बताया कि फिलहाल तारीख तय नहीं हुई है। गोर ने कहा, क्वाड बैठक को लेकर बातचीत हो चुकी है। बिना सटीक तारीख बताए मैं कह सकता हूं कि राष्ट्रपति ट्रंप क्वाड की निरंतरता और उसके सशक्तिकरण के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। पिछले साल यह रिपोर्ट आई थी कि क्वाड में शामिल भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया इस साल भारत में शिखर सम्मेलन आयोजित करने पर विचार कर रहे थे। 2024 का क्वाड शिखर सम्मेलन भारत में होने वाला था, लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के विदेश यात्रा में असमर्थ रहने और चुनावी व्यस्तताओं के चलते इसे अमेरिका शिफ्ट किया गया था। इस साल की बैठक पिछले साल सितंबर में राष्ट्रपति बाइडेन द्वारा आयोजित बैठक से अलग होगी, क्योंकि अमेरिका और जापान में नए नेतृत्व हैं। सर्जियो गोर ने बताया कि राष्ट्रपति ट्रंप इस साल जापान की यात्रा कर चुके हैं और वहां के प्रधानमंत्री से मुलाकात की है। उन्होंने कहा, वे भी क्वाड का हिस्सा हैं और उन्होंने भी इस रिश्ते की अहमियत पर जोर दिया है, जिस पर हमें आगे काम करना है।

भारत को चीन से दूर रखना चाहते हैं ट्रंप : गोर ने बताया कि हाल ही में अलास्का में दोनों देशों के 500 सैनिकों के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास आयोजित किया गया। उन्होंने कहा, टैरिफ पर कुछ मतभेद जरूर रहे हैं, लेकिन भारत-अमेरिका संबंध कहीं ज्यादा गहरे और लंबे समय के भरोसे पर टिके हैं। गोर ने यह भी संकेत दिया कि अमेरिका भारत के साथ अपने रिश्तों को इतना मजबूत करना चाहता है कि भारत चीन से दूरी बनाए। उनके अनुसार, भारत का रिश्ता अमेरिका के साथ कहीं ज्यादा गर्मजोशी भरा है, न कि बीजिंग के साथ।

न रिश्वत, न पक्षपात; भ्रष्टाचार से निपटने को इस देश ने एआई बॉट को नियुक्त किया मंत्री

प्रीस्टीनिया , एजेंसी। दक्षिण-पूर्वी यूरोपीय देश अल्बानिया ने भ्रष्टाचार से निपटने के लिए अनूठा कदम उठाया है और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस बॉट को मंत्री नियुक्त किया है। अल्बानिया के प्रधानमंत्री एडी रामा, जो अपना चौथा कार्यकाल शुरू करने जा रहे हैं, ने गुरुवार को कहा कि उन्होंने नई सरकार में एक नए मंत्री को नियुक्त किया है, जो सार्वजनिक खरीद विभाग का कार्यभार संभालेगा। प्रधानमंत्री रामा ने बताया कि नया मंत्री एक एआई बॉट होगा, जिसे डिएला नाम दिया गया है। डिएला पर धमकियों और रिश्वत का असर नहीं पड़ेगा और न ही वह पक्षपात कर सकेगा। इससे भ्रष्टाचार पर लगाम लग सकेगा।

अल्बानियाई प्रधानमंत्री ने कहा कि डिएला, जिसका अर्थ सूर्य होता है, उन सभी सार्वजनिक निविदाओं का प्रबंधन और आवंटन करेगा, जिनमें सरकार विभिन्न

परियोजनाओं के लिए निजी कंपनियों के साथ अनुबंध करती है। रामा ने अपने नए मंत्रिमंडल के सदस्यों की घोषणा करते हुए कहा, डिएला पहले कैबिनेट सदस्य हैं जो शारीरिक रूप से मौजूद नहीं होंगे क्योंकि वह एआई निर्मित बॉट हैं। वह अल्बानिया को एक ऐसा देश बनाने में मदद करेंगे, जहाँ सार्वजनिक निविदाएँ 100 प्रतिशत भ्रष्टाचार मुक्त हों।

अल्बानिया में भ्रष्टाचार का बोलबाला : अल्बानिया में लंबे समय से निविदाओं के आवंटन में भारी भ्रष्टाचार का बोलबाला रहा है। इस बाल्कन देश के बारे में विशेषज्ञों का कहना है कि यह दुनिया भर में ड्रग्स और हथियारों की तस्करी से कमाई गई ब्लैक मनी को व्हाइट करने की कोशिश करने वाले गिरोहों का बड़ा केंद्र है, और जहाँ भ्रष्टाचार सत्ता के गलियारों तक पहुँच गया है। अल्बानिया की इस छवि ने उसके यूरोपीय संघ में एंट्री को मुश्किल कर दिया है।

2030 तक भ्रष्टाचार मुक्त होने का लक्ष्य : यही कारण है कि अल्बानियाई प्रधानमंत्री ने भ्रष्टाचार पर नकेल कसने के लिए एआई बॉट का सहारा लेने का फैसला किया है। वह चाहते हैं कि 2030 तक उनका देश भ्रष्टाचार मुक्त हो जाए। हालांकि, राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार यह लक्ष्य महत्वाकांक्षी है। दूसरी तरफ, सरकार ने इस बारे में कोई विवरण नहीं दिया है कि डिएला पर किस तरह की मानवीय निगरानी हो सकती है, या उस जोखिम का भी कोई ज़िक्र नहीं किया गया है कि कोई कृत्रिम बुद्धिमत्ता वाले बॉट में हेरफेर कर सकता है या नहीं। नया मंत्री कैसे करेगा काम डिएला को मूल रूप से इस साल की शुरुआत में ई-अल्बानिया प्लेटफ़ॉर्म पर एक एआई-संचालित आभासी सहायक के रूप में लॉन्च किया गया था, जो नागरिकों और व्यवसायों को सरकारी दस्तावेज़ प्राप्त करने में मदद करता है। पारंपरिक अल्बानियाई पोशाक पहने, वह आवाज़ के ज़रिए सहायता प्रदान करता है और इलेक्ट्रॉनिक स्टाम्प के साथ दस्तावेज़ जारी करता है, जिससे नौकरशाही में होने वाली देरी कम होती है।

हालांकि, सरकार की नई मुहिम पर लोगों ने अभी से ही सवाल उठाने शुरू कर दिए हैं। एक फ़ेसबुक उपयोगकर्ता ने कहा- अल्बानिया में डिएला व्यवस्था भी भ्रष्ट हो जाएगी। एक अन्य ने कहा- चोरी जारी रहेगी और डिएला को दोषी ठहराया जाएगा।

एशिया कप में आज होगा भारत और पाकिस्तान का हाई वोल्टेज मुकाबला

दुबई (एजेंसी)। एशिया कप टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट में रविवार को भारत और पाकिस्तान की क्रिकेट टीमों के बीच हाई वोल्टेज मुकाबला होगा। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत हासिल करने पूरी ताकत लगा देगी। भारतीय टीम हालांकि इस मैच में जीत की प्रबल दावेवारी है क्योंकि उसकी बल्लेबाज और गेंदबाजी पाकिस्तान से बेहतर है। अभी तक दोनो ही टीमों ने अपनी शुरुआती मैच जीत लिए है। भारतीय टीम ने पहले मैच में यूएई के खिलाफ एकतरफा जीत दर्ज की जबकि पाक का ओमान से जीत में जमकर पसीना बहाना पड़ा। अंक तालिका में अभी भारतीय टीम पहले जबकि पाक दूसरे नंबर पर है। दोनों टीमों के लिए यह मुकाबला बेहद अहम है। इस मुकाबले को जीतने वाली टीम के सुपर 4 में पहुंचने की संभावनाएं बढ़ जाएंगी। आंकड़ों पर नजर डालें तो खिताब की प्रबल दावेदार भारतीय टीम ने आठ बार खिताब जीता है, वहीं पाकिस्तान ने केवल दो बार ही जीत हासिल की है।

भारत और पाक टीमों ने दुबई मैदान में पहले भी खेला है। इस मैदान पर स्पिनरों को अधिक सहायता मिलती है। दोनो ही टीमों के पास अच्छे स्पिनर है जिसका लाभ वे उठाना चाहेंगी। इस मैच में दोनो ही टीमों की जीत उनकी अंतिम ग्यारह पर भी निर्भर करेगी।

पाक के खिलाफ भारतीय टीम की पारी की शुरुआत शुभमन गिल और अभिषेक शर्मा ही करेंगे। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज खासकर अर्शदीप सिंह को इस मैच में जगह मिलती है या नहीं ये देखना होगा। वहीं मध्य क्रम की .कमान सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, संजू सैमसन और शिवम दुबे पर रहेगी। .ऑलराउंडर के तौर पर हार्दिक पांड्या,अक्षर पटेल और शिवम दुबे को अवसर मिलेगा सैमसन विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर फिनिशर की भूमिका निभाएंगे। वहीं गेंदबाजी

की जिम्मेदारी जसप्रीत बुमराह, पंड्या, दुबे, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव और अक्षर पटेल के पास रहेगी।

पाकिस्तान की टीम में सैम अयूब, शाहिबजादा फरहान, मोहम्मद हारिस, फखर जमां और सलमान आगा पर बल्लेबाजी की जिम्मेदारी रही। वहीं गेंदबाजी की कमान स्पिनर मोहम्मद नवाज, फहीम अशरफ, तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी, सुफियान मुकीम और अबरार अहमद पर रहेगी।.

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत = सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव और जसप्रीत बुमराह।

पाकिस्तान = सलमान आगा (कप्तान), सैम अयूब, साहिबजादा फरहान, मोहम्मद हारिस (विकेटकीपर), फखर जमान, हसन नवाज, मोहम्मद नवाज, फहीम अशरफ, शाहीन अफरीदी, सुफियान मुकीम, अबरार अहमद।

भारत-पाक मैचों का क्रेज कम हुआ, अब तक आधे टिकट भी नहीं बिके

मुम्बई (एजेंसी)। दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह को अब भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) में भी अहम जिम्मेदारी मिल सकती है। पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन (पीसीए) ने उन्हें 28 सितंबर को होने वाली बीसीसीआई की सालाना आम बैठक के लिए अपना प्रतिनिधि बनाया है। गौरतलब है कि एजीएम में बीसीसीआई पांच प्रमुख पदाधिकारियों का चुनाव करेगा। वहीं बंगाल क्रिकेट संघ (कैब) ने सौरव गांगुली को अपना नियुक्त किया है। ऐसे में गांगुली को भी बोर्ड के अगले अध्यक्ष पद का दावेदार माना जा रहा है। वह पहले भी बीसीसीआई अध्यक्ष रहे हैं।

बीसीसीआई एजीएम के मुख्य एजेंडे में बीसीसीआई बोर्ड अध्यक्ष सहित शीर्ष पदाधिकारियों के चुनाव और नियुक्ति भी शामिल है। जिनमें अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, संयुक्त सचिव और कोषाध्यक्ष शामिल है। बैठक में शीर्ष परिषद के लिए एक आम सभा प्रतिनिधि और आईपीएल गवर्निंग काउंसिल के लिए दो सदस्यों के नाम पर भी फैसला होगा। हरभजन भारत की 2007 टी-20 विश्व कप और 2011 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य थे। वह पहले पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन (पीसीए) के सलाहकार रहे हैं। इस बार वह अपने राज्य संघ के प्रतिनिधि के रूप में पहली बार उपस्थित रहेंगे।

वहीं इससे पहले महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का नाम भी बीसीसीआई अध्यक्ष के लिए सामने आया था पर सचिन ने इससे इंकार कर दिया था। वहीं हभजन ने अभी तक कोई बयान नहीं दिया है।

बीसीसीआई की पिछली वार्षिक आम बैठकों एजीएम को देखें, तो बड़ी प्रतिस्पर्धा की संभावना कम ही है। देवजीत सैकिया सचिव, प्रभतेज सिंह भाटिया कोषाध्यक्ष और रोहन देसाई संयुक्त सचिव जैसे मौजूदा पदाधिकारियों के अपने पदों पर बने रहने की उम्मीद है।

हांगकांग ओपनः सात्विक-चिराग सत्र के पहले फाइनल में पहुंचे

हांगकांग (एजेंसी)। भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार पुरुष युगल जोड़ी ने शनिवार को सीधे गेम में जीत के साथ हांगकांग ओपन सुपर 500 के फाइनल में प्रवेश किया। इस तरह उनके पास इस साल खिताब जीतने का लंबा इंतजार खत्म करने का मौका है। दुनिया की नौवें नंबर की इस जोड़ी ने चीनी ताइपे के बिंग-वेई लिन और चेन चेंग कुआन को 21-17, 21-15 से हराकर इस सत्र में छह सेमीफाइनल मुकाबलों में मिली हार के बाद अपने पहले फाइनल में जगह बनाई।

आठवीं वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी का सामना चीन के लियांग वेई केंग और वांग चांग तथा चीनी ताइपे के फैंग-चिह ली और फैंग-जेन ली के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा। शुरुआती गेम में दोनों जोड़ियां 3-3 और 6-6 से बराबरी पर थीं। लेकिन सात्विक के स्मैश और चिराग के तेज 'इंटरसेप्शन' की बदौलत भारतीय जोड़ी 11-8 से आगे हो गई। हालांकि ताइवानी जोड़ी ने वापसी करते हुए स्कोर 12-12 कर लिया लेकिन भारतीय जोड़ी ने 15-12 से बढ़त बना ली।

चिराग के तेज रिटर्न के साथ दूसरे गेम प्वाइंट पर गेम अपने नाम कर लिया। अगले गेम में चेन और लिन मजबूत शुरुआत कर 4-2 से आगे थे, लेकिन भारत ने 6-6 से बराबरी हासिल कर ली। चिराग की कुछ गलतियों के कारण ताइवानी जोड़ी 10-8 से आगे हो ली। लेकिन सात्विक ने एक और तेज स्मैश लगाकर स्कोर 12-12 से बराबर कर दिया। फिर भारतीय जोड़ी ने अपनी पकड़ मजबूत करते हुए स्कोर 17-15 कर दिया। जल्द स्कोर 19-15 हो गया। लेकिन चेन की एक नेट गलती ने सात्विक और चिराग को पांच मैच प्वाइंट दिला दिए।

एशिया कप में पाकिस्तान पर हमेशा भारी पड़ी है भारतीय टीम

दुबई (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान की क्रिकेट टीम एक बार फिर रविवार को एशिया कप में टकरायेंगी। इस मैच को लेकर भारी रोमांच रहता है। दोनो ही टीमें इस मैच को जीतने के लिए पूरी ताकत लगा देंगी। इस मैच के लिए सभी तैयारियों हो गयी हैं और दोनो ही टीमें आपस में टकराने के लिए तैयार हैं। भारतीय टीम ने अपने अपने पहले ही मैच में मेजबान यूएई को एकतरफा मुकाबले में हराकर अपने इरादे जता दिये हैं। वहीं पाकिस्तान ने पहले मुकाबले में कड़े संघर्ष के बाद ओमान को हराया है। दोनों टीमें एक ही ग्रुप में है। भारतीय टीम अंक तालिक में पहले जबकि पाक दूसरे नंबर पर है।

आंकड़ों पर नजर डालें तो एशिया कप में अब तक दोनों ही टीमों के बीच 18 बार मुकाबले हुए हैं। इसमें भारतीय टीम को 10 बार जबकि पाकिस्तान को 6 बार जीत मिली है। भारतीय टीम रिकॉर्ड 8 बार एशिया कप ट्रॉफी जीती है। भारत और पाकिस्तान के बीच एशिया कप का फाइनल कभी नहीं हुआ है। एशिया कप की शुरुआत साल 1984 में हुई थी। भारत और पाकिस्तान की टीमें तब से अभी तक 18 बार आमने-सामने आई हैं। दोनों टीमों के बीच 1997 और 2023 में एक एक मुकाबला परिणाम रहित रहा। 15 बार एशिया कप एकदिवसीय प्रारुप में हुआ। फॉर्मेट में इसमें भारतीय टीम ने आठ जबकि पाकिस्तान ने 5 बार जीत हासिल की है। दो मुकाबलों का परिणाम नहीं मिला है। दोनों टीमों के बीच खेले गए एशिया कप मुकाबलों में विराट कोहली ने सबसे अधिक रन बनाए हैं। कोहली ने पाकिस्तान के खिलाफ 8 मैचों में 476 रन बनाए हैं।

बटलर ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टी20 में 30 गेंदों पर ही 83 रन बनाये

-रोहित और जोनाथन का रिकार्ड तोड़ा

ओल्ड ट्रैफर्ड (एजेंसी)। इंग्लैंड के जोस बटलर ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गए दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से दो अहम रिकार्ड अपने नाम किये हैं। इस मैच में अपनी बल्लेबाजी से बटलर ने रोहित शर्मा और जोनाथन चार्ल्स के रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया। बटलर ने केवल 30 गेंदों में 83 रन बनाये। वहीं 65 रन पावरप्ले में बने। बटलर ने फिल साल्ट के साथ 126 रनों की साझेदारी की। इंग्लैंड ने पावर प्ले में 100 रन बनाए। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ किसी भी टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में पावरप्ले में यह किसी बल्लेबाज का सबसे अधिक स्कोर है। वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के पहले छह ओवरों में 65 या उससे अधिक रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं।

बटलर का टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में पॉवरप्ले में चौथा सबसे बड़ा स्कोर है। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने 73, पॉल स्टर्लिंग ने 67 और कॉलिन मुनरो ने 66 रन बनाये थे। वहीं चौथे स्थान रहे हैं हेड ने 2024 में स्कॉटलैंड के खिलाफ यह उपलब्धि हासिल की थी, जबकि स्टर्लिंग और मुनरो ने क्रमशः 2020 और 2018 में वेस्टइंडीज के खिलाफ यह उपलब्धि हासिल की थी।

बटलर ने 276.66 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए

बटलर ने इस दौरान 276.66 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए जो किसी भी पूर्ण सदस्य टीम के खिलाफ किसी भी सलामी बल्लेबाज द्वारा 80 से अधिक रनों की सबसे तेज पारी है। उन्होंने भारत के रोहित द्वारा 2017 में श्रीलंका के खिलाफ बनाया गया रिकॉर्ड तोड़ दिया, रोहित ने तब 35 गेंदों में शतक लगाया था। वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 260 से अधिक की स्कोरिंग रेट से 80 से अधिक रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी भी हैं। उन्होंने 2023 में सेंचुरियन में वेस्टइंडीज के लिए जोनाथन चार्ल्स के रिकॉर्ड 46 में से 118 रन को तोड़ दिया।

श्रेयस के लिए जगह बनाने सैमसन को पांचवे नंबर पर आजमाया जा रहा : श्रीकांत

नई दिल्ली । पूर्व क्रिकेटर कृष्णमाचारी श्रीकांत ने कहा है कि एशिया कप में जिस प्रकार संजू सैमसन को पांचवें नंबर पर रखा गया है उससे उन्हें नुकसान होगा। श्रीकांत के अनुसार इस नंबर पर सैमसन अधिक सफल नहीं रहे है और इससे उनका मनोबल कमजोर होगा। इस पूर्व बल्लेबाज का मानना है कि श्रेयस अय्यर के लिए जगह बनाने सैमसन को पांचवे नंबर पर आजमाया जा रहा है। यूएई के खिलाफ मैच में वह पांचवे नंबर पर उतरे थे। शुभमन गिल को टी20 में उपकप्तान बनाये जाने के बाद से ही ये तय हो गया था कि सैमसन के हाथ से पारी की शुरुआत का अवसर निकल गया है। श्रीकांत ने कहा, मुझे लगता है कि सैमसन को पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी कराकर, वे श्रेयस अय्यर की टीम में वापसी का रास्ता बना रहे हैं। संजू ने पांचवें नंबर पर ज्यादा बल्लेबाजी नहीं की है और उन्हें उस नंबर पर बल्लेबाजी भी नहीं करनी चाहिए। इससे पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करने का उनका आत्मविश्वास डगमगा जाएगा। ये सैमसन के पास अंतिम अवसर है। मैं उन्हें यह भी बता दूंगा कि अगर वह इस नंबर पर अगली तीन पारियों में रन नहीं बना पाए, तो श्रेयस उनकी जगह ले लेंगे।

चहल की तरफ बनना चाहते हैं आर्यवीर कोहली

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली के भतीजे आर्यवीर कोहली ने इस बार दिल्ली प्रीमियर लीग में भी अच्छा प्रदर्शन किया था। आर्यवीर विराट की तरह बल्लेबाज नहीं बल्कि लेग स्पिनर हैं। वह युजवेंद्र चहल जैसा गेंदबाज बना चाहते हैं और दिवंगत ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर शेन वार्न को अपना आदर्श मानते हैं। आर्यवीर ने चहल ओर वार्न दोनों के वीडियो देखकर स्पिन की बारीकियां सीखीं। दिल्ली कैपिटल्स द्वारा शेयर किए गए एक वीडियो में आर्यवीर ने यह खुलासा किया है। चहल अच्छे प्रदर्शन के बाद भी करीब दो साल से भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर हैं। उन्होंने अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच साल 2023 में खेला था। वो अगस्त 2023 में वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 मैच में मैदान में उतरे थे। इससे पहले जनवरी 2023 में उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ आखिरी एकदिवसीय मैच खेला था। चहल हालांकि आईपीएल में सक्रिय हैं। वो पंजाब किंग्स के लिए आईपीएल में खेलते हैं। वहीं विराट टेस्ट और टी20 से संन्यास के बाद अब केवल एकदिवसीय में ही खेलेंगे।

अनुराग ठाकुर ने तोड़ी चुप्पी, बताया क्यों जरूरी है भारत-पाकिस्तान के बीच मैच होना

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीसीसीआई और भारत सरकार को वर्तमान में सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली टीम को एशिया कप 2025 में पाकिस्तान के खिलाफ खेलने की अनुमति देने के अपने फैसले के लिए प्रशंसकों की काफी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। सभी आलोचनाओं के बीच पूर्व भारतीय खेल मंत्री और वर्तमान भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने एक स्पष्टीकरण जारी किया कि जब एसीसी या आईसीसी द्वारा आयोजित टूर्नामेंट की बात आती है तो ऐसी प्रतियोगिताएं अपरिहार्य हैं।

एशियाई दिग्गज भारत और पाकिस्तान ने आखिरी बार 2012 13 में द्विपक्षीय श्रृंखला में एक-दूसरे का सामना किया था। तब से दोनों टीमें एशिया कप या वनडे और

टी20 विश्व कप जैसी वैश्विक या महाद्वीपीय प्रतियोगिताओं में एक-दूसरे से भिड़ती रही हैं। अनुराग ठाकुर ने कहा, 'जब एसीसी या आईसीसी द्वारा बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट आयोजित किए जाते हैं, तो देशों के लिए उनमें भाग लेना एक मजबूरी और आवश्यकता बन जाती है। अगर वे ऐसा नहीं करते हैं तो उन्हें टूर्नामेंट से बाहर कर दिया जाएगा, उन्हें मैच छोड़ना होगा और दूसरी टीम को अंक मिलेंगे। लेकिन भारत पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय टूर्नामेंट नहीं खेलता है। हमने वर्षों से यह निर्णय लिया है कि जब तक पाकिस्तान भारत पर आतंकवादी हमले बंद नहीं कर देता तब तक भारत पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय टूर्नामेंट नहीं खेलेगा।' गौर है कि एशिया कप 2025 में टीम इंडिया का दूसरा मुकाबला पाकिस्तान से होगा। भारतीय टीम ने टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में दुबई के दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में यूएई को एकतरफा मुकाबले में नौ विकेट से हरा दिया। भारत और पाकिस्तान के बीच एशिया कप 2025 का मुकाबला 14 सितंबर को होगा।

अब तुर्की के फुटबॉल क्लब से खेलेंगे मैनचेस्टर यूनाइटेड के आंद्रे ओनाना

मैनचेस्टर । मैनचेस्टर यूनाइटेड के गोलकीपर आंद्रे ओनाना अब आने वाले सत्र में तुर्की के फुटबॉल क्लब त्राब्जोंसपोर की ओर से खेलते हुए दिखेंगे। त्राब्जोंसपोर ने इस फुटबॉलर को लोन पर शामिल किया है हालांकि अभी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस करार को मंजूरी मिलनी शेष है। यह करार तुर्की की ट्रांसफर विंडो बंद होने से पहले ही पूरा किया गया है। इसी को लेकर त्राब्जोंसपोर ने कहा, मैनचेस्टर यूनाइटेड के साथ करार हुआ है, जिसके तहत पेशेवर फुटबॉलर आंद्रे ओनाना का 2025-26 सत्र के लिए हमारे क्लब में ट्रांसफर किया गया है इस फुटबॉलर ने जुलाई 2023 में इटली के इंटर मिलान क्लब से जुड़ने के बाद रेड्स की ओर से 102 मैच खेले हैं। आंद्रे ने मैनचेस्टर में अपने पहले सीजन के दौरान केवल एक मैच ही नहीं खेला था। उन्होंने एफए कप में अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। आंद्रे पिछले सत्र में भी पसंदीदा गोलकीपर बने थे। वह सेव ऑफ द मंथ अवॉर्ड को तीन बार जीतने वाले पहले गोलकीपर हैं। ओनाना ने अपने दूसरे सीजन में 50 मैच खेले, जिसके बाद त्राब्जोंसपोर के साथ जुड़ने के लिए राजी हो गए। उन्होंने इस सीजन में अब तक यूनाइटेड के लिए केवल एक मैच खेला है। हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण ओनाना प्री-सीजन के दौरान टीम के साथ नहीं खेल पाए थे। उन्होंने सीजन के अपने पहले मैच में एक गलती की, जिसके चलते यूनाइटेड को काराबाओ कप में हार झेलनी पड़ गई।

रोहित और विराट की कमी नहीं खलेगी, भारत बी टीम भी पाकिस्तानी को हरा देगी: पूर्व क्रिकेटर भारत

दुबई (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान एशिया कप 2025 के अपने दूसरे ग्रुप चरण के मुकाबले में आमने सामने होंगे, जो 14 सितंबर को दुबई के दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में होगा। एशियाई दिग्गजों के बीच होने वाले हाई वोल्टेज मुकाबले से पहले पूर्व भारतीय क्रिकेटर अतुल वासन का मानना है कि एशिया कप 2025 में इंडिया बी टीम भी सलमान आगा की कप्तानी वाली पाकिस्तान टीम को हरा देंगी।

वासन भारत की एशिया कप 1990-91 विजेता टीम का हिस्सा थे। उन्होंने आगे कहा कि उन्हें एशिया कप 2025 में बल्लेबाजी जोड़ी रोहित शर्मा और विराट कोहली की कमी महसूस नहीं होगी। रोहित और विराट भारत टी20 विश्व कप 2024 जीतने के बाद से टी20 से संन्यास ले चुके हैं।

अतुल वासन ने कहा, 'भारत की बी टीम भी इस पाकिस्तानी टीम को हरा देगी क्योंकि हालात बदल गए हैं। जब हम 90 के दशक में खेलते थे तब वे बहुत अच्छी टीम हुआ करते थे। अब स्थिति बदल गई है। मुझे रोहित शर्मा और विराट कोहली की कमी नहीं खलेगी क्योंकि फिर मुझे सुनील गावस्कर और कपिल देव की भी याद आने लगेगी। राजा मर गया, राजा अमर रहे। चीजें बदलती रहती हैं, नए सुपरस्टार आते हैं और यह धन-दौलत की शर्मिंदगी और मुझे चयनकर्ताओं पर तरस आता है क्योंकि सबको एक ही टीम में रखना पड़ता है क्योंकि किसे बाहर करना है और किसे चुनना है।'

भारत का पाकिस्तान के खिलाफ आखिरी मुकाबला आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में हुआ था, जहां विराट कोहली के नाबाद शतक की बदौलत रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम ने पाकिस्तान को एकतरफा मुकाबले में छह विकेट से हराया था। गौर है कि सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली भारतीय टीम टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में यूएई के खिलाफ शानदार जीत के बाद पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले से पहले आत्मविश्वास से भरी होगी।

विश्व तीरंदाजी : रिकर्व स्पर्धा में गाथा की हार से भारत की उम्मीदें समाप्त हुईं

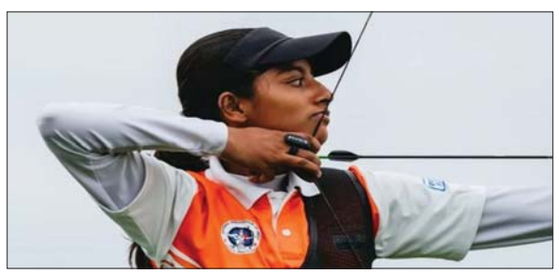

सियोल । दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल में जारी विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप में भारतीय खिलाड़ी रिकर्व में फिर असफल रहे हैं। इस चैंपियनशिप में 15 साल की युवा तीरंदाज गाथा खड़के के हारते ही इस वर्ग में भारत की सभी संभावनाएं समाप्त हो गयीं। प्री-क्वार्टर फाइनल में हुए एकतरफा मुकाबले में गाथा को कोरिया की लिम सी-ह्योन से 6-0 से हार का सामना करना पड़ा। इसके साथ ही रिकर्व वर्ग में भारतीय टीम का अभियान समाप्त बिना किसी पदके के ही समाप्त हो गया। वहीं कंपाउंड तीरंदाजों ने एक ऐतिहासिक स्वर्ण सहित दो पदक जीते। यह लगातार तीसरा मौका है जब भारतीय रिकर्व तीरंदाज विश्व चैंपियनशिप से खाली हाथ लौटे हैं। भारत ने आखिरी बार 2019 में रिकर्व में पदक जीता था, जब तरूणदीप राय, अतनु दास और प्रवीण जाधव की पुरुष टीम ने रजत पदक हासिल किया था। इस बार टूर्नामेंट में अनुभवी तीरंदाजों ने भी निराश किया। अनुभवी खिलाड़ी दीपिका कुमारी पहले ही दौर में बाहर हो गईं। इसी प्रकार शीर्ष क्रम के पुरुष रिकर्व तीरंदाज और धीरज बोम्मदेवरा भी असफल रहे।

अर्शदीप को टीम से बाहर रखने पर भारतीय कोच ने तोड़ी चुप्पी, कहा- यह कोई एजेंडा नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के बल्लेबाजी कोच सीतांशु कोटक ने दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में यूएई के खिलाफ एशिया कप 2025 के मुकाबले के लिए सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली टीम की प्लेइंग इलेवन में अर्शदीप सिंह को न चुनने के फैसले पर खुलकर बात की। ज्यादातर प्रशंसकों और विशेषज्ञों ने भविष्यवाणी की थी कि पंजाब के इस तेज गेंदबाज को टीम में टूर्नामेंट के पहले मैच में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के साथ खेलते हुए देखा जाएगा।

यूएई के खिलाफ भारत ने एकमात्र विशेषज्ञ तेज गेंदबाज के रूप में जसप्रीत बुमराह को चुना, जबकि शिवम दुबे और हार्दिक पांड्या को अंशकालिक विकल्प के रूप में तीन स्पिन विकल्पों के साथ उतारा गया। अर्शदीप को प्लेइंग इलेवन से बाहर करने के बारे में पूछे जाने पर कोटक ने कहा कि ऐसे फैसलों के पीछे कोई एजेंडा नहीं होता।

सीतांशु कोटक ने कहा, 'क्योंकि मुख्य कोच और कप्तान के साथ हमारी पहली बातचीत यही होती है कि जाहिर है ये 15 खिलाड़ी ऐसे ही हैं। हर कोई खेलने का हकदार है।'

उन्होंने आगे कहा, 'अगर कोई खिलाड़ी नहीं खेल रहा है तो उसके लिए मुश्किल होगी क्योंकि उसे लगेगा कि उसे टीम से बाहर कर दिया गया है। लेकिन आखिरकार यह एक टीम खेल है। इसलिए सभी जानते हैं कि इसमें कोई एजेंडा नहीं है कोई व्यक्तिगत पसंद-नापसंद नहीं है। टीम के लिए जो भी सबसे अच्छा होगा कप्तान और मुख्य कोच वही तय करेंगे और मुझे नहीं लगता कि किसी के मन में कोई संदेह है। इसलिए जो भी नहीं खेल रहा है वे हमेशा उन खिलाड़ियों की मदद करने की कोशिश कर रहे हैं जो खेल रहे हैं।'

गौर है कि अर्शदीप सिंह ने 63 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं, जहां उन्होंने 5/37 के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ 99 विकेट लिए हैं। पंजाब के अर्शदीप भारत की टी20 विश्व कप 2024 टीम का हिस्सा थे, जहां उन्होंने 17 साल बाद टीम को अपना दूसरा टी20 विश्व कप खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई। वह 8 मैचों में 17 विकेट लेकर दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे थे।

इन्फोसिस के शेयर पुनर्खरीद के बाद दूसरी कंपनियां भी ला सकती है बायबैक ऑफर

नई दिल्ली।

इन्फोसिस ने 18,000 करोड़ रुपए की शेयर फिर खरीदने की घोषणा की है। यह ऐसा फैसला है जिसे उसकी प्रतिस्पर्धी बड़ी कंपनियां भी अपने शेयर भाव में गिरावट के बीच अपना सकती हैं और वे पुनर्खरीद की राह पर बढ़ने प्रोत्साहित हो सकती हैं। इन्फोसिस 1800 करोड़ रुपए के औसत भाव पर 10 करोड़ शेयरों की पुनर्खरीद करेगी। यह कीमत गुरुवार के उसके 1,509.50 रुपए के बंद भाव की तुलना में 19.3 फीसदी ज्यादा है।

कंपनी ने गुरुवार को जारी विज्ञप्ति में कहा था कि यह कंपनी की चुकता इक्विटी पूंजी में कुल इक्विटी शेयरों का 2.41 फीसदी है। मोतीलाल ओसवाल फाइनैंशियल सर्विसेज में संस्थागत शोध विश्लेषक के उपाध्यक्ष अभिषेक पाठक ने कहा कि कंपनी के शेयर पुनर्खरीद की घोषणा के बाद कई दूसरी कंपनियां भी बायबैक ऑफर की राह पर आ सकती हैं। पाठक ने कहा कि यह पेशकश मुख्य रूप से शेयरधारकों को नकदी लौटाने का एक तरीका है, न कि व्यापार चक्र के बारे में कोई संकेत। उन्होंने कहा कि बड़ी आईटी कंपनियां हर 18 से 24 महीने में पुनर्खरीद पेशकश लाती हैं और इसलिए यह नियमित प्रक्रिया है। उन्होंने कहा कि वास्तव में इन्फोसिस ने साफ कहा है कि उसका लक्ष्य अर्ध-वार्षिक लाभांश, बायबैक और या विशेष लाभांश के जरिए पांच साल की अवधि में अपने मुक्त नकदी प्रवाह का करीब 85 फीसदी वापस लौटाना है।

बेंगलुरु की इस फर्म ने 2017 में अपने बायबैक के लिए 13,000 करोड़ रुपए का इस्तेमाल किया और 1,150 करोड़ रुपए के औसत भाव पर 11.3 करोड़ शेयर खरीदे। 2019 में इन्फोसिस ने खुले बाजार में 747 रुपए प्रति शेयर के हिसाब से 11.05 करोड़ शेयर खरीदने के लिए 8,260 करोड़ रुपए खर्च किए हैं। इसी तरह, 2021 और 2022 में उसने 9,200 करोड़ रुपए यानी 5.58 करोड़ शेयर और 9,300 करोड़ रुपए यानी 6.04 करोड़ शेयर की पुनर्खरीद की है।

मुंबई के एक वरिष्ठ बाजार विश्लेषक के मुताबिक इन्फोसिस का बायबैक 'काफी सकारात्मक' है और इससे दूसरी तिमाही के नतीजों से पहले निवेशकों का भरोसा बढ़ने की उम्मीद है। विश्लेषक ने कहा कि आईटी क्षेत्र में मौजूदा अस्थिरता और शेयर के बेहतर प्रदर्शन के लिए मजबूत ट्रिगर्स की कमी को देखते हुए इस तरह का घटनाक्रम गिरावट रोकने में मदद करता है।

उन्होंने कहा कि कुल मिलाकर इन्फोसिस के लिए इस बायबैक को काफी सकारात्मक माना जा रहा है और प्रतिस्पर्धियों की ओर से भी कुछ और घोषणाएं होने की उम्मीद है।

जीएसटी की नई दरें लागू होने के बाद हर महीने सरकार को देनी होगी रिपोर्ट

इससे पता चलेगा घटी दरों का लाभ ग्राहकों को मिल रहा है या नहीं

नई दिल्ली।

केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने 9 सितंबर को जारी सर्कुलर में अपने क्षेत्रीय कार्यालयों से कहा कि वे 22 सितंबर से जीएसटी की नई दरें लागू होने के बाद मक्खन, पनीर, शैंपू, टूथपेस्ट, बिस्कुट, चॉकलेट, सीमेंट और दवाओं जैसी रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमतों में होने वाले बदलावों पर नजर रखें और मासिक रिपोर्ट पेश करें।

सर्कुलर में सीबीआईसी ने प्रधान मुख्य आयुक्तों को निर्देश दिया है कि वे व्यापार संघों और क्षेत्रीय इकाइयों से वस्तुवार कीमत के आंकड़े जमा करें, जिसमें नई दरें लागू होने के पहले और बाद के दाम शामिल हों।

यह कवायद 6 महीने तक जारी रहेगी, जिससे यह जाना जा सके कि कम हुई जीएसटी दरों का लाभ ग्राहकों को मिल रहा है या नहीं। इस सिलसिले में पहली रिपोर्ट 30 सितंबर तक भेजी जानी है। उसके बाद हर महीने की 20 तारीख को मार्च 2026 तक दरों की रिपोर्ट भेजनी होगी।

सूचीबद्ध 54 वस्तुओं की दरों की अद्यतन जानकारी देनी है, उनमें मक्खन, चीज और घी जैसे डेरी उत्पाद, बिस्कुट, चॉकलेट और आइसक्रीम जैसे पैकेज्ड फूड शामिल हैं। इन वस्तुओं में साबुन, शैंपू और टूथपेस्ट जैसे प्रसाधनों के साथ-साथ सीमेंट, दवाइयां, साइकिल, खिलौने जैसी महंगी वस्तुएं और टेलीविजन और एयर कंडीशनर जैसी टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुएं भी शामिल हैं। नाम सार्वजनिक न किए जाने को इच्छुक एक सरकारी अधिकारी ने कहा कि केंद्र का ध्यान रोजमर्रा के इस्तेमाल वाले सामान पर है और फील्ड में काम करने वाली यूनिट व्यापार संगठनों के साथ मिलकर काम करेगी, जिससे कि इसका लाभ ग्राहकों तक पहुंचाया जा सके।

उन्होंने कहा कि वे स्वतंत्र रूप से भी अनुपालन की निगरानी करेंगे। अधिकारी ने बिज़नेस स्टैंडर्ड से कहा कि क्षेत्रीय कार्यालय सीधे बाजार की जांच करेंगे और केवल व्यापार संघों या उद्योग निकायों द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों पर निर्भर नहीं रहेंगे।

केपीएमजी में पार्टनर और अप्रत्यक्ष कर के प्रमुख ने कहा कि यह निर्देश सरकार के व्यापक दृष्टिकोण के अनुरूप है। उन्होने कहा कि सरकार ने इस पर जोर दिया है कि उद्योग को यह तय करना होगा कि जीएसटी दरों में कटौती का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचे।

अगर वाहन विकास धीमा रहा तो भारत दुनिया से पिछड़ जाएगा

डिजाइन में बार-बार बदलाव लॉन्च में डाल रहे हैं रुकावट

नई दिल्ली।

भारतीय वाहन विनिर्माताओं द्वारा नए मॉडल पेश करने में 'अंतिम चरण वाले इंजीनियरिंग बदलावों' से देर होती है। यह ऐसी समस्या है जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश की प्रतिस्पर्धी क्षमता पर असर डालती है।

एक फर्म के अध्ययन से यह जानकारी दी गई कि करीब 80 फीसदी मूल उपकरण विनिर्माताओं (ओईएम) ने बाधाएं बताई गई हैं। बताया जा रहा है कि भारत में यह देर ज्यादा होती है और इलेक्ट्रिक वाहनों के मामले में तो और भी ज्यादा।

अगर हमारा वाहन विकास धीमा है तो आशंका है कि भारत दुनिया से पिछड़ जाएगा। चीन अपने वाहनों को 18 से 24 महीनों में तैयार कर रहा है जबकि भारत 36 से 60 महीनों में। अध्ययन में बताया गया है कि डिजाइन में बाद वाले चरण के बदलाव लॉन्च में रुकावट डाल रहे हैं, आपूर्तिकर्ताओं की क्षमता कम कर रहे हैं और वैश्विक वाहन बाजार में भारत की प्रतिस्पर्धी क्षमता को प्रभावित कर रहे हैं।

अध्ययन में यह भी कहा गया है कि आम धारणा के विपरीत किसी वाहन का शुरुआती प्रोटोटाइप तैयार करने और सत्यापन के बाद भी इंजीनियरिंग बदलाव खत्म नहीं होते। आदर्श बात तो यह है कि प्री-प्रोडक्शन में बदलाव 15 फीसदी से कम, लॉन्च के बाद उत्पादन में 8 फीसदी या उससे कम और उत्पाद में स्थिरता आने के बाद यह बदलाव 3 फीसदी से भी कम रहने चाहिए। अलबत्ता, विकास चक्र के बाद वाले चरणों में भी ऐसे बदलाव ज्यादा होते हैं।

केवल 6 फीसदी ओईएम ही इस आदर्श का पालन करती हैं, 13 फीसदी ओईएम हल्का उतार-चढ़ाव बताती हैं और 81 फीसदी ओईएम इस पैटर्न के मुकाबले खासा बड़ा अंतर दिखाती हैं। ऐसा हरेक बदलाव डिजाइन, टूलिंग, बार-बार के सत्यापन या सॉफ्टवेयर अपडेट में फिर से काम किए जाने की जरूरत बता सकता है।

इससे मॉडल पेश करने के तय समय में देर होती है और लागत बढ़ जाती है। ये बदलाव आपूर्तिकर्ताओं को भी प्रभावित करते हैं। करीब 57 फीसदी पुर्जा विनिर्माताओं ने कहा कि अंतिम चरण में बार-बार बदलाव से उनकी टीमों को लगातार दोबारा काम और समस्याओं का समाधान करना पड़ता है। इन्हें परियोजनाओं के बीच संसाधनों को बार-बार बदलना पड़ता है।

एसबीआई सेविंग्स अकाउंट में 50,000 रुपए बैलेंस तो मिलेगा अच्छा रिटर्न

बैंक ने मल्टी ऑप्शन डिपॉजिट स्कीम में किया नया नियम लागू

नई दिल्ली।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने एक बड़ा बदलाव किया है। बैंक ने अपने करोड़ों ग्राहकों के लिए अपनी खास मल्टी ऑप्शन डिपॉजिट यानी एमओडी स्कीम में नया नियम लागू किया है। अब इस स्कीम का फायदा लेने के लिए आपके सेविंग्स अकाउंट में कम से कम 50,000 रुपए का बैलेंस होना जरूरी है। पहले यह रकम 35,000 रुपए थी यानी अब आपको पहले से ज्यादा पैसे अकाउंट में रखने होंगे, ताकि इस स्कीम का लाभ मिल सके। जिन लोगों के पास छोटा या मध्यम बैलेंस है, उनके लिए यह बदलाव मुश्किल हो सकता है, लेकिन जिनके पास ज्यादा बैलेंस है, उनके लिए यह स्कीम अब भी अच्छा रिटर्न देगी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अगर आपके सेविंग्स अकाउंट में 50,000 रुपए से ज्यादा रकम है, तो अतिरिक्त पैसा अपने आप फिक्स्ड डिपॉजिट यानी एफडी में बदल जाता है। यह रकम एक हजार रुपए की छोटी-छोटी यूनिट्स में एफडी में जाती है। इस एफडी पर आपको वही ब्याज मिलता है, जो सामान्य टर्म डिपॉजिट पर मिलता है।

यह ब्याज सेविंग्स अकाउंट के ब्याज से कहीं ज्यादा होता है। अगर आपके अकाउंट में बैलेंस कम हो जाता है, तो बैंक अपने आप एमओडी से पैसा निकालकर आपके सेविंग्स अकाउंट में डाल देता है यानी आपको जरूरत पड़ने पर पैसे आसानी से मिल जाते हैं। खास बात यह है कि सीनियर सिटीजन्स को इस स्कीम में अतिरिक्त ब्याज का फायदा भी मिलता है।

जीएसटी कटौती से स्पेयर पार्ट्स सस्ते होने और औपचारिक अर्थव्यवस्था मजबूत होगी : गोयल

नई दिल्ली।

भारत के केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री, पीयूष गोयल ने ऑटोमोटिव कंपोनेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (एसीएमए) के 65वें वार्षिक सत्र में जीएसटी की दरों में हाल ही में की गई कटौती की सराहना की है। दरअसल जीएसटी 2.0 के तहत ऑटोमोबाइल स्पेयर पार्ट्स पर लगने वाले जीएसटी को 28 से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया है। ट्रैक्टरों पर जीएसटी दर को घटाकर 5 प्रतिशत किया गया है।

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने इस कटौती को ऐतिहासिक सुधार और ऑटो उद्योग के लिए एक बड़ी राहत बताया है। उनका मानना है कि इससे कृषि क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा, स्पेयर पार्ट्स सस्ते होने और औपचारिक अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। इस कदम से रोजगार के अवसर बढ़ने और वैल्यू चेन में मांग पैदा होगी। केंद्रीय मंत्री गोयल ने इस बात पर जोर दिया कि जीएसटी रेट कटौती का पूरा लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाया जाना चाहिए।

केंद्रीय मंत्री गोयल ने मेक इन इंडिया पहल के 10 वर्ष पूरे होने का उल्लेख कर कहा कि यह सप्लाई चेन को मजबूत करने, निर्यात बढ़ाने और हाई-क्वालिटी मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने का सही समय है। उन्होंने कोरोना महामारी के

दौरान भारत द्वारा किए गए प्रयासों की प्रशंसा की, जिसमें अन्य देशों को दवाइयाँ और टीके उपलब्ध कराना शामिल है, जिससे भारत की छवि एक विश्वसनीय वैश्विक भागीदार के रूप में मजबूत हुई है।

मोटो मोरिनी ने भारतीय ग्राहकों के लिए किश्स बडे तोहफे का ऐलान

नई दिल्ली । भारतीय ग्राहकों के लिए इटैलियन मोटरसाइकिल ब्रांड मोटो मोरिनी ने बड़ा तोहफा पेश किया है। मोटो मोरिनी ने अपनी लोकप्रिय सेईमेजो रेट्रो स्ट्रीट और स्क्रैम्बलर मोटरसाइकिलों पर भारी डिस्काउंट और आकर्षक फाइनेंस स्कीमें लॉन्च की हैं। कंपनी ने सेईमेजो सीरीज़ की कीमतों में सीधे 91 हजार रुपये तक की कटौती की है। पहले इनकी कीमत 5.20 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) थी, जबकि अब ग्राहक इन्हें केवल 4.29 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) में खरीद सकते हैं। इतालवी डिजाइन और हाईटेक इंजीनियरिंग से बनी यह रेंज अब पहले से कहीं ज्यादा किफायती हो गई है। यही नहीं, 21 सितंबर से पहले की गई खरीद पर ग्राहकों को 33 हजार रुपये तक का जीएसटी बेनिफिट भी मिलेगा। साथ ही, कंपनी ने फेस्टिव फाइनेंस ऑफर भी पेश किया है जिसमें लो ईएमआई, आकर्षक ब्याज दरें, 60 महीने तक की अवधि, तुरंत अप्रूवल और 95 प्रतिशत तक डेट कवरेज जैसी सुविधाएं शामिल हैं। ग्राहकों को इसके लिए सैलरी सर्टिफिकेट की भी जरूरत नहीं होगी। प्रीमियम मोटरसाइकिलों की बढ़ती कीमतों और महंगाई के दौर में मोटो मोरिनी का यह कदम ग्राहकों को बड़ी राहत देने वाला है।

एसआईपी भारतीय निवेशकों के लिए बना सबसे भरोसेमंद और पसंदीदा विकल्प

ग्लोबल अनिश्चितताओं के बावजूद अगस्त में निवेश ने नया कीर्तिमान बनाया

नई दिल्ली। म्युचुअल फंड में एसआईपी आज भारतीय निवेशकों के लिए सबसे भरोसेमंद और पसंदीदा विकल्प बन चुका है। पिछले एक दशक में इसका क्रेज बढ़ता ही गया। मंथली इन्वेस्टमेंट के इस आसान तरीके ने न सिर्फ छोटे निवेशकों को फाइनेंशियल डिसिप्लिन सिखाया है, बल्कि उन्हें लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न कमाने का मौका भी दिया है। यही वजह है कि बाजार में कभी तेजी रही या फिर गिरावट का माहौल, निवेशक एसआईपी के जरिए लगातार योगदान करते रहे हैं। इसमें खास बात यह है कि हाल ही में भारी उतार-चढ़ाव और ग्लोबल अनिश्चितताओं के बावजूद अगस्त 2025 में एसआईपी निवेश ने एक नया कीर्तिमान बनाया है। इस महीने कुल एसआईपी योगदान रिकॉर्ड स्तर पर 28,265 करोड़ रुपए पहुंच गया है, जो पिछले 10 सालों का सबसे ऊंचे स्तर पर है। एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक अगस्त 2016 से अगस्त 2025 तक एसआईपी के जरिए निवेश में जबरदस्त उछाल आया है। यह आंकड़े बताते हैं कि भारतीय निवेशक अब शॉर्ट-टर्म ट्रेडिंग की बजाय लॉन्ग टर्म निवेश और व्यवस्थित तरीके से वेल्थ क्रिएशन पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं। आंकड़ों के मुताबिक अगस्त 2016 में एसआईपी योगदान केवल 3,497 करोड़ रुपए था, जो हर साल लगातार बढ़ता गया। अगस्त 2017 में यह बढ़कर 5,206 करोड़ रुपए हो गया और अगस्त 2018 में 7,658 करोड़ रुपए तक पहुंच गया। इसके बाद 2019 और 2020 में यह क्रमशः 8,231 करोड़ रुपए और 7,792 करोड़ रुपए रहा। अगस्त 2021 से इसमें तेजी आई और एसआईपी योगदान 9,923 करोड़ रुपए हो गया। अगस्त 2022 में यह बढ़कर 12,693 करोड़ रुपए, अगस्त 2023 में 15,814 करोड़ रुपए और अगस्त 2024 में 23,547 करोड़ रुपए पहुंच गया। सबसे बड़ा उछाल अगस्त 2025 में देखने को मिला, जब एसआईपी योगदान रिकॉर्ड स्तर पर 28,265 करोड़ रुपए हो गया है।

अर्बन कंपनी के 1900 करोड़ के आईपीओ को मिले 103 गुना से ज्यादा सब्सक्राइब

नई दिल्ली। निवेशकों ने अर्बन कंपनी, देव एक्सेलरेटर और श्रृंगार हाउस ऑफ मंगलसूत्र के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को हाथो-हाथ लिया। टेक स्टार्टअप अर्बन कंपनी के 1900 करोड़ रुपए के आईपीओ को कुल मिलाकर 103.63 गुना आवेदन मिले हैं। आईपीओ को संस्थागत निवेशकों की श्रेणी में 140.2 गुना, एचएनआई श्रेणी में 74.04 गुना, खुदरा निवेशकों की श्रेणी में 39.25 गुना और कर्मचारियों के लिए आरक्षित श्रेणी में 36.8 गुना आवेदन मिले हैं। इस भारी प्रतिक्रिया के कारण अर्बन कंपनी पिछले छह सालों में 100 गुना से ज्यादा आवेदन हासिल करने वाली 65वीं कंपनी बन गई है। बता दें अर्बन कंपनी एक ऐसे बाजार का संचालन करती है जो ग्राहकों को सौंदर्य, सफाई, प्लंबिंग, बढ़ईगीरी, उपकरण मरम्मत और अन्य सेवाएं प्रदान करने वाले पेशेवरों से जोड़ता है। आईपीओ का कीमत दायरा 98 से 103 रुपए तय किया गया है और कीमत दायरे के ऊपरी स्तर पर कंपनी का मूल्यांकन 14,800 करोड़ रुपए है। कोटक इन्वेस्टमेंट बैंकिंग के प्रबंध निदेशक ने कहा कि निवेशक समझते हैं कि कई तरह की घरेलू सेवाओं के लिए अर्बन कंपनी एकमात्र मार्केटप्लेस है। समय के साथ इसकी पहुंच न केवल सेवाओं के विस्तार के मामले में बल्कि इसके परिचालन वाले शहरों की संख्या में भी बढ़ी है। उसका कोई प्रतिस्पर्धी नहीं है, जिससे कंपनी के पास मूल्य प्रदान करते रहने की दीर्घकालिक क्षमता है। आईपीओ की कामयाबी सार्वजनिक होने की योजना बना रही अन्य उपभोक्ता इंटरनेट कंपनियों के लिए अच्छा संकेत है।

पांच नए इश्यू और 12 कंपनियां शेयर बाजार में होंगी लिस्टिंग, निवेशकों के लिए मौका

नई दिल्ली।

अगले हफ्ते शेयर बाजार में बहुत कुछ होने वाला है। कई कंपनियों के नए शेयर बाजार में आएंगी और कई कंपनियां लिस्ट होंगी। कुल मिलाकर पांच नए इश्यू खुलेंगे और 12 कंपनियां बाजार में अपनी जगह बनाएंगी। इसमें मुख्य सेगमेंट से दो इश्यू निवेश के लिए खुलेंगे और तीन कंपनियां लिस्ट होंगी। वहीं, छोटे और मध्यम बिजनेस सेगमेंट में तीन कंपनियों के इश्यू आएंगे और नौ कंपनियां लिस्ट होंगी। ये हफ्ता निवेशकों के लिए काफी व्यस्त और मौके भरा रहेगा।

मेन सेगमेंट में अर्बन कंपनी, देव एकोलेरोटर और शीरीनगर हाउस ऑफ मंगलसूत्र के शेयर 17 सितंबर 2025 को स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट होंगे। इनके आईपीओ 12 सितंबर को बंद हो चुके हैं। इनके शेयरों का अलॉटमेंट सोमवार को पूरा होने की उम्मीद जताई जा रही है। निवेशकों की नजर अब इन कंपनियों के प्रदर्शन पर है। इसके अलावा, मेन सेगमेंट में दो नए आईपीओ भी लॉन्च होंगे। पहला है यूरो प्रतीक सेल्स का आईपीओ, जो 16 सितंबर से शुरू होकर 18 सितंबर 2025 तक चलेगा। कंपनी 1.83 करोड़ शेयरों के जरिए 451.31 करोड़ रुपए जुटाने की कोशिश करेगी। इसके लिए शेयर की कीमत 235 से 247 रुपए के बीच रखी गई है।

एक लॉट में 60 शेयर होंगे, यानी निवेश करने के लिए कम से कम 14,820 रुपए चाहिए होंगे। ये शेयर 23 सितंबर 2025 को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। दूसरा आईपीओ है वीएमएस टीएमटी का, जो 17 सितंबर से शुरू होकर 19 सितंबर 2025 तक खुलेगा। ये पूरी तरह से 1.5 करोड़ शेयरों का नया इश्यू है, जिससे कंपनी 148.50 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है। इसके शेयर की कीमत 94 से 99 रुपए के बीच होगी। एक लॉट में 150 शेयर होंगे और इसके लिए कम से कम 14,850 रुपए निवेश करने होंगे।

एसएमई सेगमेंट में भी हलचल रहेगी। सम्पत एल्युमीनियम, टेकडी साइबरसिक्युरिटी और जेडी केबल्स के आईपीओ अगले हफ्ते खुलेंगे। इसके अलावा नो कंपनियां इस सेगमेंट में लिस्ट होंगी। इनमें एलटी एल्वेटर, एयरफ्लोआ रेल टेक्नालॉजी, ग्लेक्सी मेडिकेयर, जय अम्बे सुपरमार्केट्स, ताऊरेन एमपीएस, कारबोनस्टील इंजीनियरिंग, निलांचल कारबो मेटालिक्स और वाशिस्ता लक्झरी फैशन शामिल हैं। ये कंपनियां छोटे और मध्यम उद्यमों के लिए बने प्लेटफॉर्म पर अपनी शुरुआत करेंगी।

निवेशकों के लिए ये हफ्ता अच्छा रहेगा, लेकिन सावधानी भी जरूरी है। बाजार में उतार-चढ़ाव रहता है, इसलिए निवेश पहले अच्छे से सोच-विचार करें। कोई भी फैसला लेने से पहले अपने वित्तीय सलाहकार से बात करें। ये समय निवेश के लिए रोमांचक है, लेकिन सही जानकारी और समझदारी के साथ आगे बढ़ना जरूरी है।

सेबी ने बदले आईपीओ और एमपीएस के नियम, अब बड़ी कंपनियां भी छोटे आईपीओ ला सकेंगी

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने शुक्रवार को हुई बोर्ड की बैठक में कई बड़े फैसले लिए गए हैं। इनमें आईपीओ नियमों में बदलाव, मिनिमम पब्लिक शेयर होल्डिंग (एमपीएस) के पालन के लिए ज्यादा समय, विदेशी निवेशकों के लिए आसान रास्ते और इक्विटी इंस्ट्रूमेंट्स का दर्जा देना शामिल है। सेबी ने बड़ी कंपनियों के लिए छोटे साइज का आईपीओ लाने का रास्ता साफ कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अब बड़ी कंपनियां अपने आईपीओ में अपने पेड-अप कैपिटल का न्यूनतम 2.5 फीसदी शेयर बेच सकेंगी। अभी लिस्टिंग के बाद पांच लाख करोड़ रुपए वाली कंपनियों को आईपीओ में कम से कम अपने पेड-अप कैपिटल का 5 फीसदी शेयर बेचने पड़ते हैं। सेबी के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने कहा कि हम मौजूदा चार हजार करोड़ लेवल की कैटेगरी के अलावा चार अतिरिक्त कैटेगरी पेश कर रहे हैं जो इस प्रकार हैं- 4,000 करोड़ से 50,000 करोड़, 50,000 करोड़ से 1 लाख करोड़, 1 लाख करोड़ से 5 लाख करोड़ और 5 लाख करोड़ से ज्यादा। ऐसी कंपनियां जिनका मार्केट कैप 5,500 करोड़ से लेकर 1 लाख करोड़ रुपए तक होगा, उनके लिए न्यूनतम पब्लिक ऑफर एक हजार करोड़ रुपए+इश्यू के बाद 8 फीसदी मार्केट कैपिटलाइजेशन होगा। 1 लाख करोड़ से ऊपर की कंपनियों का मिनिमम पब्लिक ऑफर (एमपीओ) 6,250 करोड़ रुपए + 2.75फीसदी मार्केट कैपिटलाइजेशन होगा। 5 लाख करोड़ एमकैप वाली कंपनियों के लिए एमपीओ 15,000 करोड़ रुपए + 1फीसदी मार्केट कैपिटलाइजेशन तय किया गया है, जिन कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन 50,000 करोड़ से एक लाख करोड़ रुपए होगा, उन्हें 25 फीसदी के मिनिमम पब्लिक शेयरहोल्डिंग (एमपीएस) नियम के पालन के लिए 5 साल का समय मिलेगा। अभी ऐसी कंपनियों को इस नियम के पालन के लिए सिर्फ तीन साल का समय दिया जाता है।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 698.26 अरब डॉलर के करीब पहुंचा

नई दिल्ली।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 5 सितंबर को समाप्त हुए हफ्ते में सालाना आधार पर 4.03 अरब डॉलर बढ़कर 698.26 अरब डॉलर पहुंच गया है। इसकी जानकारी भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा दी गई। देश के विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार बढ़त हो रही है। बीते महीने विदेशी मुद्रा भंडार 3.51 अरब डॉलर बढ़कर 694.2 अरब डॉलर हो गया है। आरबीआई के मुताबिक, विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा आस्तियां (एफसीए) का मूल्य 54 करोड़ डॉलर बढ़कर 584.47 अरब डॉलर हो गया है।

विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी इकाइयों के मूल्यवृद्धि या मूल्यह्रास का प्रभाव डॉलर के रूप में शामिल होता है। समीक्षा अवधि में विदेशी मुद्रा भंडार के अहम घटकों में से एक गोल्ड रिजर्व 3.53 अरब से बढ़कर 90.29 अरब डॉलर हो गया। भू-राजनीतिक तनावों से उत्पन्न अनिश्चितता के बीच, दुनिया भर के केंद्रीय बैंक अपने विदेशी मुद्रा भंडार में सुरक्षित निवेश के रूप में गोल्ड के रिजर्व को तेजी से बढ़ा रहे हैं। आरबीआई द्वारा अपने विदेशी मुद्रा भंडार में सोने के शेयर को 2021 से करीब दोगुना किया है।

केंद्रीय बैंक के मुताबिक, समीक्षा अवधि में विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) की वैल्यू 18.74 अरब डॉलर रह गई है।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में भारतीय रिजर्व पोजीशन भी 20 लाख डॉलर बढ़कर 4.75 अरब डॉलर हो गई है।

मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार आरबीआई को रुपए को तेजी से गिरने से रोकने और उसकी अस्थिरता को कम करने के लिए ज्यादा डॉलर जारी करके हाजिर और अग्रिम मुद्रा बाजारों में हस्तक्षेप करने में सक्षम बनाता है।

टैक्स कट का पूरा लाभ ग्राहकों तक पहुंचाएगी रॉयल एनफील्ड

नई दिल्ली ।

जीएसटी दरें कम होने के बाद रॉयल एनफील्ड कंपनी ने घोषणा की है कि वह टैक्स कट का पूरा लाभ ग्राहकों तक पहुंचाएगी। सबसे ज्यादा बिकने वाली रेंज क्लासिक 350, बुलेट 350, हंटर 350 और मेट्योर 350 के खरीदारों को इसका फायदा मिलेगा। इन बाइक्स की कीमतों में 22,000 रुपये तक की कमी की जाएगी। नई दरें 22 सितंबर, 2025 से लागू होंगी। जीएसटी काउंसिल ने हाल ही में 350 सीसी तक की मोटरसाइकिलों पर टैक्स दर को 28प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया है। इस बदलाव के बाद रॉयल एनफील्ड की 350 सीसी सेगमेंट की बाइक्स और भी किफायती हो जाएंगी। कंपनी के सीईओ बी. गोविंदराजन ने कहा कि यह सुधार न केवल ग्राहकों को राहत देगा, बल्कि पहली बार बाइक खरीदने वालों का उत्साह भी बढ़ाएगा और इस सेगमेंट को और मजबूती मिलेगी। कंपनी ने यह भी साफ कर दिया है कि जीएसडी कट का असर सिर्फ मोटरसाइकिलों तक सीमित नहीं रहेगा। एक्सेसरीज, राइडिंग गियर और सर्विस पर भी कीमतें घटेंगी। नवरात्रि और दिवाली जैसे बड़े त्योहारों के ठीक पहले आया यह फैसला कंपनी के लिए गेम-चेंजर साबित हो सकता है।

मैंने अपमान का जवाब अपमान से नहीं दिया

कोरियोग्राफर धनश्री वर्मा इन दिनों रियलिटी शो राइज एंड फॉल को लेकर सुर्खियों में हैं। उन्होंने हाल ही में पूर्व पति युजवेंद्र चहल के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि उन्हें अपनी मैरिज लाइफ में बुरा व्यवहार झेलना पड़ा, लेकिन उन्होंने सोच-समझकर बदला नहीं लेने का फैसला किया। धनश्री का कहना है कि उन्होंने हमेशा से ही रिश्ते में सम्मान को प्राथमिकता दी, भले ही उन्हें अपमान का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा, शादी में दोनों की इज्जत एक-दूसरे के हाथ में होती है। चाहती तो मैं भी गलत बोल सकती थी। आप सोचते हैं कि मेरे पास कुछ कहने के लिए नहीं है क्योंकि मैं औरत हूं? लेकिन वो मेरे पति थे। मैंने शादी के वक्त भी उनकी इज्जत की, और अब भी करना जरूरी है क्योंकि मैं कभी उनसे शादीशुदा थी। बता दें कि धनश्री और चहल ने 2020 में सगाई की और उसी साल दिसंबर में गुरुग्राम में शादी कर ली थी, जिसमें उनके परिवार और कुछ करीबी दोस्त ही शामिल हुए थे। शादी के पांच साल बाद फरवरी 2025 को दोनों का तलाक हो गया। धनश्री की बात करें तो वह अपने फ्यूजन डांस परफॉर्मेंस के लिए जानी जाती हैं, जिसमें वह पारंपरिक भारतीय नृत्य शैलियों को समकालीन शैलियों के साथ मिलाती हैं। धनश्री वर्मा अब रियलिटी शो राइज एंड फॉल में नजर आ रही हैं। यह शो मशहूर बिजनेसमैन अशनीर ग्रोवर होस्ट कर रहे हैं। वह खुद राइज एंड फॉल शो की कास्टिंग और उसके रिजेक्शन पर नजर रख रहे हैं। शो का कॉन्सेप्ट कुछ बिग बॉस के जैसा ही है। इसमें कंटेस्टेंट को अलग-अलग टास्क में खुद को साबित करना होगा। बताया जा रहा है कि इस शो में कुछ कंटेस्टेंट राजा के रूप में एक आलीशान पेंटहाउस के अंदर दिखेंगे, जबकि कुछ मजदूरों की तरह एक साधारण बेसमेंट में रहकर पेंटहाउस तक पहुंचने के लिए खूब संघर्ष करते दिखाई देंगे। शो 6 सितंबर से प्रतिदिन दोपहर 12 बजे अमेजन एमएक्स प्लेयर पर स्ट्रीम हो रहा है।

मेरा फिल्मी कपूर परिवार से कोई लेना-देना नही

वाणी कपूर ने करियर की शुरुआत से अब तक हमेशा अपने किरदारों में विविधता और चुनौती को प्राथमिकता दी है। 'चंडीगढ़ करे आशिकी' में ट्रांसवुमन का किरदार हो या 'शुद्ध देसी रोमांस' की आजाद लड़की, वाणी ने कभी आसान राह नहीं चुनी। इस बार उन्होंने ओटीटी डेब्यू में एक यंग लेकिन मजबूत इमोशनल ग्राउंड वाली पुलिस अफसर रिया थॉमस का किरदार निभाया है। इस बातचीत में वाणी बताती हैं कि कैसे कैमरे के सामने वो फीलिंग्स भी असली हो गईं, जो सिर्फ स्क्रिप्ट में लिखी थीं। कैसे 'कपूर' सरनेम के साथ नेपोटिज़्म के आरोपों से लड़ते हुए उन्होंने खुद को साबित किया और क्यों उन्होंने कभी पैसा या फेम नहीं बल्कि सिर्फ सही काम को चुना।

रिपिटेशन से बचना चाहती थी

वाणी कपूर ने कहा, इससे पहले कभी किसी वेब सीरीज में काम नहीं किया था। यह ऑफर जब आया तो मन में पहली बात यही आई कि अब ओटीटी पर आ रही हूं तो कुछ बिल्कुल अलग और नया करना चाहिए। हर बार खुद से यही उम्मीद करती हूं कि कुछ नया लेकर आ सकूं, अपने लिए और दर्शकों के लिए भी। रिपिटेशन से बचना चाहती हूं। मेरी हर फिल्म में कुछ नया करने की कोशिश रही है। फिर चाहे रेड 2 में हाउसवाइफ का किरदार हो, चंडीगढ़ करे आशिकी में एक ट्रांसवुमन का या शुद्ध देसी रोमांस में जयपुर की एक आजाद ख्याल लड़की का।

कपूर हूं लेकिन नेपो प्रोडक्ट नहीं

लोग सोचते हैं कि मैंने शुद्ध देसी रोमांस के लिए ऑडिशन दिया और आसानी से फिल्म मिल गई। ऊपर से मेरा सरनेम कपूर है तो लोग सोचते हैं मैं नेपोटिज्म प्रोडक्ट हूं। मेरा फिल्मी कपूर परिवार से कोई लेना-देना नहीं। मैं दिल्ली से बहुत सकुचा-सकुचा के अकेले मुंबई आई थी। किसी ने गारंटी दी नहीं थी कि मुझे काम मिलेगा। मेरे साथ मेरी एक दोस्त आई थी क्योंकि मैं शहर में अकेले रहने से डरती थी। फैमिली बहुत ओवरप्रोटेक्टिव थी। उस वक्त तो दिल्ली लड़कियों के लिए बहुत अनसेफ लगती थी। मेरी दिल्ली में ही अकेले रहने की हिम्मत नहीं थी। हमें हमेशा डराया जाता है कि इंडस्ट्री में सब बुरे लोग होते हैं लेकिन ऐसा नहीं है। अच्छी फिल्में, अच्छे बैनर और अच्छे लोग भी होते हैं।

फेम और पैसों ने मुझे कभी अट्रैक्ट नहीं किया

वाणी ने कहा, पैसा सर्वाइव करने के लिए जरूरी है। फेम के पीछे मैं भागी नहीं क्योंकि वो बाई प्रोडक्ट है। मेरे काम को देखकर लोग प्यार देते हैं तो दिल बस उसी में खुश हो जाता है। मैं कभी पैसों के पीछे भागी नहीं, नहीं तो बहुत सारे प्रोजेक्ट कर लिए होते। यही है कि मैं जितनी भी जिंदगी जिऊं पर जब पीछे मुड़कर देखूं तो खुद पर गर्व हो कि यार मैंने कुछ ऐसा किया, जिस पर मुझे भरोसा था या मैं करना चाहती थी। इसी को सेल्फ बिलीव कहते हैं, जिसको मैंने जाने नहीं दिया। ऐसा नहीं कि पैसों या फेम का प्रेशर नहीं था। हालांकि, इन सबने ने मुझे कभी अट्रैक्ट नहीं किया। अच्छे काम ने अट्रैक्ट किया और अच्छा काम बहुत मुश्किल से मिलता है। वो कहते हैं ना कि भगवान के करीब जाने के लिए ध्यान करो, धैर्य रखो। मतलब उनको पाने के लिए आपको इंतजार करना पड़ेगा। ऐसे में धैर्य ही वो चाबी है, जिसे हर किसी की किस्मत का ताला खुल सकता है।

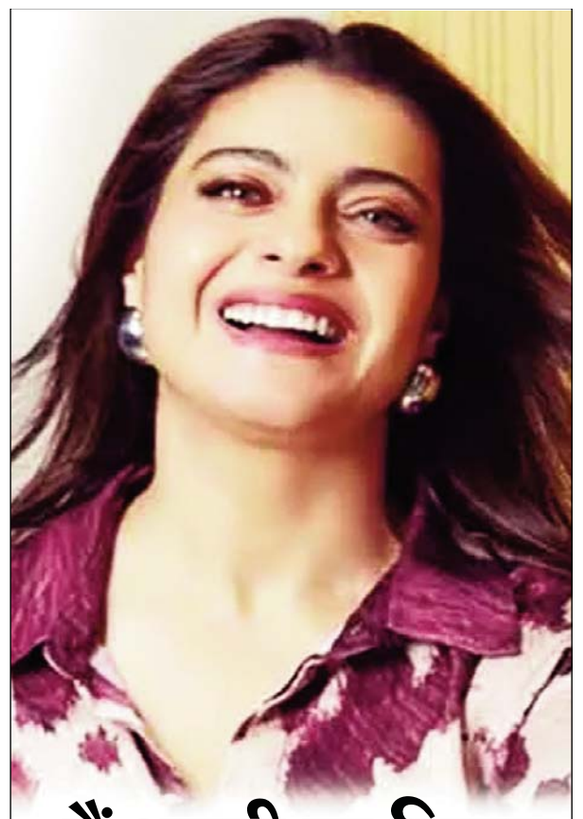

मैं अपनी हर फिल्म की मालिक हूं, फिर चाहें हिट हो या फ्लॉप

बॉलीवुड अभिनेत्री काजोल का कहना है कि वह अपनी हर फिल्म को पूरी तरह से अपनाती हैं। फिर चाहे वह सुपरहिट हो जैसे दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे और कभी खुशी कभी गम या फिर ऐसी फिल्में जो ज्यादा नहीं चलीं जैसे गुंडाराज और हलचल। वह जल्द ही सीरीज द ट्रायल के सीजन 2 में नजर आएंगी।

अपनी फिल्मों को लेकर काजोल का बयान

1992 में फिल्म बेखुदी से अपने करियर की शुरुआत करने वाली काजोल ने बताया, मैं अपने करियर में कुछ भी बदलना नहीं चाहूंगी। उन्हें उन फिल्मों पर भी गर्व है, जो बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं हुईं। उन्होंने कहा, मेरी हर फिल्म ने मुझे कुछ सिखाया है। मैंने हर बार अपना 100 प्रतिशत दिया है। मैं गर्व से कह सकती हूं कि मैंने कैमरे के सामने कभी बेईमानी नहीं की। काजोल ने अपने 30 साल के करियर के लिए आभार जताते हुए कहा, मैं आज भी प्रासंगिक हूं, यह मेरी किस्मत है। कई प्रतिभाशाली लोग हैं, जो शायद मेरे जितने भाग्यशाली नहीं रहे।

द ट्रायल-2 के बारे में

काजोल जल्द ही जियो हॉटस्टार की सीरीज द ट्रायल के दूसरे सीजन में नजर आएंगी। द ट्रायल को लेकर काजोल ने बताया कि एक ही किरदार को दोबारा निभाना उनके लिए नया अनुभव था। फिल्म में किरदार एक बार खत्म हो जाता है, लेकिन सीरीज में आप उसे और निखारते हैं। यह बहुत मजेदार है। द ट्रायल का दूसरा सीजन 19 सितंबर को जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी, जिसमें काजोल का किरदार नोयोनिका अब कानून की दुनिया में अपनी जगह बना चुकी है और नई चुनौतियों का सामना करती नजर आएंगी। द ट्रायल सीरीज अमेरिकी शो द गुड वाइफ का रूपांतरण है, जिसमें वह एक ऐसी गृहिणी की भूमिका में हैं, जो अपने पति की गिरफ्तारी के बाद वकील बनकर परिवार को संभालती है।

कोई नहीं जानता रामू क्या करेंगे

मुझे पता था वो सही दिशा में लौटेंगे

अभिनेता मनोज बाजपेयी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'जुगनुमा' को लेकर चर्चाओं में हैं। इसके अलावा उनकी हालिया रिलीज फिल्म 'इंस्पेक्टर जेंडे' को भी काफी सराहना मिल रही है। अब लगभग 27 साल बाद मनोज बाजपेयी निर्देशक राम गोपाल वर्मा के साथ काम कर रहे हैं।

सत्या के बाद एक बार फिर राम गोपाल वर्मा के साथ काम कर रहे हैं। कितने उत्साहित हैं?

मैं उनका एक शेड्यूल पूरा कर चुका हूं। सच कहूं तो वह इंडस्ट्री के सबसे अनप्रेडिक्टेबल इंसान और डायरेक्टर हैं। उनके बारे में जो भी बातें होती हैं, उनमें से ज्यादातर लोग बस अंदाजा ही लगाते रहते हैं। लेकिन सच्चाई यह है कि कोई भी यह नहीं बता सकता कि वह अगली बार क्या करने वाले हैं। मुझे हमेशा लगा कि जो लोग उनके बारे में नकारात्मक बातें करते हैं, वे एक दिन चौंक जाएंगे और अपने ही शब्द वापस लेने पड़ेंगे। क्योंकि यह आदमी कहीं जाने वाला नहीं था, बस थोड़े समय के लिए उन्होंने दूसरी दिशा चुन ली थी। मुझे पूरा विश्वास था कि जिस दिन वह फिर से अपनी दिशा में लौटेंगे, जादू रचेंगे।

कहा जाता है कि राम गोपाल वर्मा हमेशा अलग रास्ता चुनते हैं। आपका क्या मानना है?

यह बिल्कुल सच है। वह कभी किसी तय पैटर्न को नहीं मानते। हमेशा कुछ अलग करने की कोशिश करते हैं। यही उनकी सबसे बड़ी खूबी भी है और यही वजह है कि उनके साथ काम करना हमेशा एक रोमांचक अनुभव होता है।

जब रामू ने आपको इस फिल्म के लिए अप्रोच किया, तो क्या आपने तुरंत हां कह दी?

मैं तो हमेशा उन्हें हां कहता हूं। चाहे वह मुझे लैम्प पोस्ट ही क्यों न बना दें। मेरे लिए रामू के साथ काम करने का मतलब हमेशा कुछ नया सीखना और जीना होता है। उनके प्रोजेक्ट्स को लेकर मेरे मन में कभी दूसरा विचार नहीं आता।

हमारी इंडस्ट्री बहुत अनिश्चित है। ऐसे में प्रोड्यूसर्स और डायरेक्टर्स को ना कहना कितना आसान है?

देखिए, जो इंतजार कर सकता है वह कर लेता है। जो नहीं कर सकता, उसके अपने कारण होते हैं। मैं उन्हें जाने देता हूं। लेकिन मैं बहुत लकी रहा हूं। चाहे मेरा बैड टाइम रहा हो या गुड टाइम, डायरेक्टर्स सिर्फ मेरे बारे में सोचकर मेरे पास आए। उन्होंने मुझे बहुत रिस्पेक्ट और स्पेस दिया। यहां तक कि बड़ी-बड़ी फिल्मों में भी मेरे लिए वेट किया गया।

सच्चा फेमिनिज़्म वही है, जब औरत बिना डरे खुद के लिए स्टैंड ले सके

अपनी पिछली फिल्म सावी में अपनी भूमिका के लिए सराही जाने वाली दिव्या खोसला एक निर्देशक के रूप में यारियां में खुद को साबित भी कर चुकी हैं। इन दिनों वे चर्चा में हैं अपनी नई फिल्म एक चतुर नार से।

पर्दे पर आपने अब तक कई महिला प्रधान किरदार किए हैं, आपके लिए फेमिनिज़्म क्या है?

मुझे लगता है कि सच्चा फेमिनिज़्म वही है, जब आप बिना डरे निर्भय होकर खुद के लिए स्टैंड ले सकें। मैं मानती हूं कि जब आप बड़े हो रहे होते हैं, 17-18 साल के तब आप आप मासूम होते हैं। मैं जब उस उम्र में थी, तब बहुत घबरा जाती थी। मैंने इंडस्ट्री में बहुत छोटी उम्र में काम कर दिया था, मगर अब मैं वैसी नहीं रही। अब मैं मजबूत हो गई हूं। अब मैं पहले की तरह घबराती नहीं हूं। अपनी जिंदगी की सीख से बताना चाहूंगी कि घबराओ मत, अपना आत्मविश्वास पुख्ता रखो। जिंदगी में शॉर्टकट्स का इस्तेमाल मत करो। हर लड़की को यही कोशिश करनी चाहिए कि दुनिया में ऐसे न बह जाएं कि अपने आप को ही खो दें।

करियर में मुश्किल दौर क्या रहा है?

मेरे लिए मुश्किल दौर यही रहा है कि मुझे खुद को साबित करने के मौके नहीं मिले। अब जैसे इसी फिल्म का उदाहरण ले लीजिए, किसी को भी ऐसा नहीं लग रहा था कि मैं झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाली एक चालाक लड़की की भूमिका कर सकती हूं। वो मौके आपके पास आना जरूरी होते हैं और वो आपको निर्देशक ही दे सकते हैं। बतौर निर्देशक मेरी पहली फिल्म 2016 में आई थी और उसके बाद बतौर अभिनेत्री 2022-23 में आई, तो ऐसा नहीं है कि मेरे पास ऑफर्स की भरमार लगी रहती है। मैं जो कुछ हूं, अपने बलबूते पर हूं। मैं मानती हूं कि एक औरत को अपनी लड़ाई खुद लड़नी पड़ती है। खुद को ज्यादा साबित करना पड़ता है, फिर चाहे वो कहीं से भी हो।

आप मल्टी टास्किंग कैसे करती है?

मैं बहुत फोकस करती हूं। शूटिंग से सीधे घर जाती हूं। मेरे ज्यादा दोस्त भी नहीं हैं। मैं पार्टी वगैरह भी नहीं करती। जब मेरी फिल्म आती है, तब उसे प्रमोट करने के लिए निकलती हूं। साल भर में मैं किन्हीं इवेंट्स में भी नजर नहीं आती। महीनों गायब हो जाती हूं और अपने परिवार को वक्त देती हूं। तभी आप अपनी सैनिटी को बचाए रख पाते हैं। वरना आप

अपने परिवार के प्रति अपनी जिम्मेदारी नहीं निभा पाओगे। मेरी मॉम मेरा बड़ा सपोर्ट सिस्टम रहीं, मगर आज वे नहीं हैं, तो उन्हें काफी मिस करती हूं। आम तौर पर लड़कियां जज्बाती होती हैं और जल्दी से रो देती हैं। जब तक मेरी मम्मा थीं, मैं झट से रो दिया करती थी, क्योंकि आपको पता होता है कि आपके पास कोई है, जिसके सामने आप रो सकते हो। मगर मम्मा के जाने के बाद अब मैं नहीं रोती .आज उनके जिक्र पर आंसू जरूर आ गए हैं (आंसू पोंछते हुए) मगर उनके जाने के बाद मेरा रोना बहुत कम हो गया है और मैं बहुत स्ट्रॉन्ग हो गई हूं।

फिल्म में सबसे ज्यादा चुनौतीपूर्ण क्या था?

मेरे निर्देशक उमेश शुक्ला सेट पर मुझे बार-बार याद दिलाते थे कि यह लड़की कमीनी है। निर्देशक चाहते थे कि अब तक दर्शकों ने जो दिव्या देखी है, वो उन्हें इस फिल्म एक चतुर नार में देखने न मिले। मेरे लिए डिक्शन तो एक चुनौती थी ही, क्योंकि यह यूपी का किरदार है, इसके अलावा झुग्गी-झोपड़ी वाला लुक भी। मैं कभी झुग्गी-झोपड़ी में रही नहीं हूं, मगर इस किरदार के लिए मैं स्लम्स में जाकर रही। मगर वो दौर बहुत ही चैलेंजिंग था, जब कड़ाके की सर्दी के कारण मुझे 103 बुखार हो गया था। मगर वो कहते हैं न शो मस्ट गो ऑन, तो मैंने बीमारी हालत में भी इंजेक्शन लगा कर शूटिंग की।

उम्मीद करती हूं दर्शकों को फिल्म पसंद आएगी

मुझे लगता है, बॉक्स ऑफिस पर उतार-चढ़ाव हमेशा से आते रहे हैं, मगर फिल्म अच्छी हो तो चल जाती है। फिर चाहे वो छोटी फिल्म क्यों न हो या फिर नए चेहरों के साथ ही क्यों न हो? हमारी फिल्म एक चतुर नार टेक्नॉलजी के मिसयूज़ पर आधारित है और इसमें कॉमिडी और थ्रिल का तड़का भी है, तो उम्मीद करती हूं, दर्शकों को पसंद आएगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, राजेश चौधरी द्वारा वत्स ऑफसैट, मुद्दा हाउस, सी. ब्लॉक, बारात घर के सामने, सेक्टर-22, नोएडा से मुद्रित तथा ई-189, सेक्टर-63, नोएडा गौतमबुद्धनगर उ.प्र. से प्रकाशित।
संपादकः **जितेन्द्र चौधरी**, आरएनआई नं. UPHIN/2014/55236, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, फोन नं.: 9999511233, ई-मेल : vishalindianews@gmail.com, वेब : www.vishalindia.in